पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट
मंगलवार 07 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 16
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	81,790.12
निफ्टी	25,077.65
सोना	1,20,770
चांदी	1,56,000
डॉलर	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वांगचुक अरेस्ट केस में सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जोधपुर जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से जुड़ी हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने 14 अक्टूबर तक के लिए सुनवाई को टाला है। कोर्ट में वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने दलील में कहा कि सोनम वांगचुक को जिन कारणों से हिरासत में लिया गया, उसकी कॉपी परिवार को नहीं सौंपी गई है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हिरासत के कारण हिरासत में लिए गए व्यक्ति (वांगचुक) को पहले ही दिए जा चुके हैं। इसकी कॉपी वांगचुक की पत्नी को देने पर विचार किया जाएगा।

महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या वाला राज्य

मुंबई,। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में अपने कृषि उत्पादों के दाम न मिलने, कर्ज के बोझ, बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी परेशानियों के कारण किसान आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश भर में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10786 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 4690 किसान और 6096 खेतिहर मजदूर शामिल थे।

ब्रह्मोस से भी खतरनाक ध्वनि मिसाइल तैयार

नई दिल्ली। भारत अपनी हाइपरसोनिक हथियारों की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ध्वनि नामक नई पीढ़ी की मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है। यह मिसाइल लगभग 7400 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ेगी। भारत-रूस की ब्रह्मोस मिसाइल से ज्यादा दूर रेंज होगी और तेज होगी। पहला प्रदर्शन परीक्षण 2025 के अंत तक हो सकता है। यह भारत की तेज हमले की क्षमता को मजबूत करेगा।

ध्वनि डीआरडीओ के हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) प्रोग्राम पर आधारित है। 2020 में एचएसटीडीवी ने स्क्रैमजेट इंजन का सफल परीक्षण किया था। ध्वनि एक हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) है, जो बैलिस्टिक बूस्टर से ऊंचाई पर पहुंचती है। फिर हवा में ग्लाइड करती है।

कुछ ना कहना

बिहार में बज गया चुनावी बिगुल

राज्य में 40 साल बाद 2 फेज में चुनाव ● 6 और 11 नवंबर को वोटिंग ● नतीजे 14 नवंबर को ● चुनाव में करीब 7.42 करोड़ वोटर चुनेंगे मतदान

नई दिल्ली/पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा हो गई है। चुनाव आयोग ने 2 फेज में वोटिंग कराने का फैसला लिया है। 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पूरी चुनावी प्रक्रिया 40 दिन चलेगी। 40 साल बाद बिहार में 2 फेज में मतदान होंगे। बिहार विधानसभा में 243 सीटें हैं, जिनमें करीब 7.42 करोड़ वोटर हैं। इनमें 100 साल ऊपर के 14 हजार वोटर शामिल हैं। पोलिंग बूथ जाने में असमर्थ लोग फॉर्म 12डी भरकर घर से वोट डाल सकेंगे। राज्य में 14 लाख लोग पहली बार वोट डालेंगे। बिहार में बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे।

राज्य में छठ पर्व 28 अक्टूबर को मनाया जाएगा। राज्य की सभी पार्टियों ने छठ पर्व के बाद वोटिंग कराने की अपील की थी। इसके अलावा 2 फेज में वोटिंग की मांग भी की थी। उधर,चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप चुनाव का ऐलान भी किया। वोटिंग 11 नवंबर को होगी। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे।

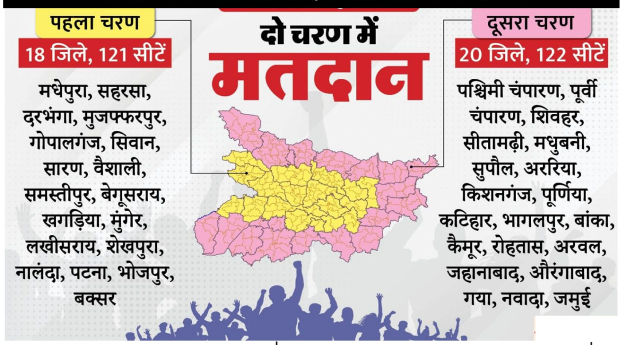

90,712 मतदान केंद्र बनाए गए

बिहार में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां औसतन प्रति केंद्र 818 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 76,801 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं, जबकि 13,911 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था (100 प्रतिशत) की गई है। साथ ही, 1,350 मॉडल मतदान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। राज्य में 14 लाख लोग पहली बार वोट डालेंगे। बिहार में बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे।

1985 में 2 फेज में हुए थे चुनाव

इससे पहले 1985 के चुनाव में भी 2 चरण में वोट डाले गए थे। इस चुनाव में कांग्रेस ने 196 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था, जबकि लोक दल मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरा था। भाजपा को 16 सीटें मिली थीं। उस समय जनता पार्टी भी चुनावी मैदान में थी जो बाद में जनता दल में शामिल हो गई। जनता पार्टी को 229 में से 13 सीटें मिली थीं। इस चुनाव के बाद बिहार में एक ही कार्यकाल में चार मुख्यमंत्री बने थे। 1985 से 1988 तक बिंदेश्वरी दुबे बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनके बाद लगभग एक साल भागवत झा आजाद, फिर कुछ महीनों के लिए सत्येंद्र नारायण सिन्हा और जगन्नाथ मिश्र बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। 2020 में बिहार में 3 फेज में चुनाव हुए थे। 20 अक्टूबर से 7 नवंबर तक वोटिंग चली थी। 10 नवंबर को रिजल्ट घोषित किया गया था। इससे पहले 2015 में 5 फेज में वोटिंग हुई थी। 12 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मतदान हुआ। 8 नवंबर को चुनाव नतीजे आए थे।

7 राज्यों में उप चुनाव का भी ऐलान

चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप चुनाव का ऐलान भी किया। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नागरोटा, राजस्थान में अंता, झारखंड में घाटसिला (स्त्र),तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाडा विधानसभा सीट शामिल है। यहां 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे।

वोटर्स की सुविधा का रखा जा रहा ख्याल

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां औसतन प्रति केंद्र 818 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 76,801 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं, जबकि 13,911 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था (100 प्रतिशत) की गई है। साथ ही, 1,350 मॉडल मतदान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समीक्षा में आई। उसमें तय हुआ कि आज चुनाव की तारीखों का ऐलान करें। बिहार में हम सभी राजनीतिक दलों, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों से मिले। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। आयोग आपको बतलाना चाहता है कि इस बार बिहार चुनाव मतदाताओं के लिए सरल, सुगम होंगे, पूरी लॉबी मतदाताओं की मदद के लिए खड़ी रहेगी, बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे। इस बार का बिहार चुनाव सबसे अच्छे चुनावों में शामिल होगा। ऐसी आयोग की मंशा है।

जयपुर के हॉस्पिटल में आग, 8 मरीजों की मौत

ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में देर रात हुआ हादसा, 6 सदस्यीय कमेटी जांच करेगी

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे। ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे। वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

किसी ने ध्यान नहीं दिया

भरतपुर के रहने वाले शेरू ने बताया कि आग भड़कने से 20 मिनट पहले धुआं निकलना शुरू हुआ था। हमने स्टाफ को बताया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। रात 11:20 बजे तक धुआं बढ़ने लगा और प्लास्टिक की ट्यूब पिघलकर गिरने लगी। मौके पर मौजूद वार्ड बॉय वहां से भाग निकले। शेरू ने बताया कि हमने खुद ही अपने पेशेंट को मुश्किल से बाहर निकाला। हादसे के दो घंटे बाद पेशेंट को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया। अब तक यह जानकारी नहीं है कि उनकी क्या स्थिति है। हमें मिलने नहीं दिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील ने पार की सारी हदें... कोर्ट रूम में सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश, जूता फेंक नारा लगाया..

सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों ने बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

जूता फेंकने की कोशिश करने वाला वकील राकेश किशोर पर सीजेआई बीआर गवई कोई कार्रवाई नहीं चाहते। सुप्रीम कोर्ट में उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक सीजेआई ने रजिस्ट्री अफसरों से कहा कि इस घटना से बस उपेक्षित या उदासीन रहा जाए, इसे इग्नोर किया जाए। भोजनावकाश के दौरान सीजेआई जस्टिस बी आर गवई ने कोर्ट में हुई घटना को लेकर सेक्रेटरी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के सिक्योरिटी इंचार्ज और अन्य के साथ मीटिंग की। मीटिंग में सतर्कता बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर है। सुप्रीम कोर्ट बार में उनका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को

खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था- जाओ और भगवान से खुद करने को कहो। तुम कहते हो भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो।

वकील का लाइसेंस रद्द

वहीं, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लायसेंस रद्द कर दिया है। उसका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। इसके साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी आरोपी को तुरंत निलंबित कर दिया। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने ये आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि यह वकीलों के आचरण नियमों का उल्लंघन है। निलंबन के दौरान किशोर कहीं भी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। 15 दिनों में शो कॉज नोटिस भी जारी किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस घटना पर पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसा असंयमित व्यवहार पूरी तरह अनुचित है और न्यायालय और वकील समुदाय के बीच पारस्परिक सम्मान की नींव को हिलाता है। कोई भी ऐसा कार्य जो इस पवित्र बंधन को कमजोर करता है, न केवल संस्था को बल्कि हमारे राष्ट्र में न्याय के ताने-बाने को भी क्षति पहुंचाता है।

भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़ा मामला

16 सितंबर को मध्य प्रदेश के खजुराहो के जवारी (वामन) मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थी। याचिकाकर्ता ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि ये हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला फैसला है। कोर्ट ने कहा है कि प्रतिमा जिस स्थिति में है, उसी में रहेगी। भक्तों को पूजा करनी है तो वे दूसरे मंदिर जा सकते हैं। दरअसल, याचिकाकर्ता का दावा है कि यह मूर्ति मुगलों के आक्रमणों के दौरान खंडित हो गई थी और तब से यह इसी हालत में है। इसलिए श्रद्धालुओं के पूजा करने के अधिकार की रक्षा करने और मंदिर की पवित्रता को पुनर्जीवित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप करे।

टिप्पणी का विरोध होने पर सीजेआई ने सफाई दी

भगवान विष्णु की मूर्ति बदलने को लेकर दी टिप्पणी पर चीफ जस्टिस बीआर गवई ने सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि मेरी टिप्पणी को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से दिखाया गया। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। बेंच में शामिल जस्टिस के विनोद चंद्रन ने सोशल मीडिया को एंटी-सोशल मीडिया कहा था। उन्होंने बताया कि उन्हें भी ऑनलाइन गलत तरह से दिखाया गया था। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील संजय नूली ने कहा कि सीजेआई के बारे में सोशल मीडिया पर फैलाए गए बयान झूठे हैं।

संविधान और कानून के शासन पर आघात- सोनिया गांधी

इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा- भारत के माननीय चीफ जस्टिस पर सुप्रीम कोर्ट के भीतर हुआ हमला शब्दों से परे निंदनीय है। यह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि हमारे संविधान और कानून के शासन पर सीधा आघात है। चीफ जस्टिस गवई ने इस स्थिति में अत्यंत संयम और गरिमा दिखाई है, लेकिन राष्ट्र को एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

संघ प्रमुख की हुंकार...

पीओके हमारा, जल्द वापस लेना होगा

नई दिल्ली। संपूर्ण भारत की एकता पर जोर देकर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विभाजन का ज़िक्र कर कहा कि हमारे घर का एक कमरा जो किसी ने हड़प लिया है, हमें उस कमरे को वापस लेना होगा। मध्यप्रदेश के सतना में सिंधी कैंप में एक गुरुद्वारे का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने कहा कि भारत के विभाजन ने उन लोगों को विस्थापित किया, जिन्हें अपना घर और सामान छोड़ना पड़ा।

संघ प्रमुख भागवत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को

भारत का एक कमरा बताया जिस पर अजनबियों ने कब्जा किया है, उस कमरे को वापस लेना ही होगा। भागवत ने कहा, कई सिंधी भाई यहाँ बैठे हैं। मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए, वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहाँ भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं। इस पर मौजूद लोगों ने ज़ोरदार तालियाँ बजाईं। उन्होंने कहा कि पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहाँ मेरी मेज़, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्ज़ा कर लिया है।

संघ प्रमुख ने कहा कि पीओके में बढ़ती अशांति के बीच आई है, जहाँ लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा आयोजित रैलियों में शामिल होकर आर्थिक सहायता और राजनीतिक सुधारों की मांग की। संघ प्रमुख भागवत ने कहा, "आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। करना चाहिए... झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। हम सब लोग हिन्दू हैं।"

भागवत ने बताया कि एक चतुर अंग्रेज भारत आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उन्होंने कहा कि उसने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और उसकी जगह भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग-अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे।

आईएनएस आन्द्रोत भारतीय नौसेना में शामिल हुआ

विशाखापट्टनम। भारतीय नौसेना सोमवार को अपने दूसरे एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस आन्द्रोत को फ्लीट में शामिल किया। यह समारोह विशाखापट्टनम नौसैनिक डॉकयार्ड में होगा। इसकी अध्यक्षता वाइस एडमिरल राजेश पेंढरकर, ईस्टर्न नेवल कमांड के चीफ करेंगे। आईएनएस आन्द्रोत का निर्माण भारतीय शिपयार्ड कंपनी कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने किया है।

छिंदवाड़ा दवा त्रासदी पर सीएम का कठोर एक्शन

तीन अधिकारी निलंबित, ड्रग कंट्रोलर का तबादला

भोपाल/इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा दवा त्रासदी को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए आज मुख्यमंत्री निवास पर एक उच्च-स्तरीय बैठक ली और तत्काल दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है और मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई

लापरवाही बरतने के आरोप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की गई। औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, और उप संचालक खाद्य एवं औषधि

प्रशासन शोभित कोस्टा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही, ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को उनके पद से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। यह त्वरित कार्रवाई स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मामलों में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की गंभीरता को दर्शाती है।

प्रतिबंधित दवा की सघन रिकवरी का महाअभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में मौजूद स्टॉक तुरंत जब्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन महाअभियान चलाने का आदेश दिया, जिसमें आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाएगा। सीएम ने अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का आकलन कराने और दवाओं पर चेतावनी व सावधानियां लिखने के नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कॉम्बिनेशन ड्रग नहीं देने की व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले डॉक्टरों पर भी कार्यवाही की जाएगी।

अभिषेक गुप्ता की हत्या के मामले में आरोपी महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा की तलाश में पुलिस

अलीगढ़। उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ जिले में बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस की टीमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश के उज्जैन सहित अन्य राज्यों में छापेमारी कर रही हैं। 26 सितंबर की रात को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी 25 वर्षीय अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

चहुँओर भारत माता की जयनाद के बीच प्रतिमा का हुआ अनावरण

सुभाष उद्यान मे धूमधाम के साथ हुआ भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका द्वारा शहर के स्थानीय कालीपुतली चौक स्थित सुभाष उद्यान में भारत माता की प्रतिमा का धूमधाम के साथ अनावरण किया गया । भारत माता की आरती उतारी गई और राष्ट्रीय गीत के साथ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत आयोजन किया गया। चहुंओर भारत माता की जय के जयकारें गूंजने लगे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत नगरपालिका के द्वारा नपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सभापति एवं पार्षदगण के माध्यम से किया गया।

भारत माता की प्रतिमा का अनावरण 6 अक्टूबर को शाम 4ः00 बजे से स्थानीय कालीपुतली चौक स्थित सुभाष उद्यान में पूरे धूमधाम के साथ किया गया। इसके पहले भी नगर पालिका द्वारा भारत माता की प्रतिमा के अनावरण को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकाली गई थी और कार्यक्रम को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार किए गए थे। वही एक दिन पहले इसका विरोध कर रहे आमजन को भी स्वयं सेवी संस्था ने कार्यक्रम में उपस्थित होने का आवाहन किया था । शाम 4ः00 बजे भारत माता की आरती के साथ प्रतिमा का अनावरण किया गया । जहां भारी आतिशबाजी और ढोल ,नगाड़ों के साथ प्रतिमा का अनावरण किया गया । भारत माता की प्रतिमा अनावरण का मंचीय कार्यक्रम स्थानीय कालीपुतली चौक में किया गया , कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय विचारक वक्तता गौतम खट्टर और अन्य कार्यक्रम में आए अतिथियों ने मंच के माध्यम से अपने-अपने वक्तव्य रखें और बताया कि किस प्रकार से आज हम समाज को आगे लाने और राष्ट प्रेम की भावना जागृत करने के लिए समाज में कार्य कर सकते हैं। राष्ट्रीय विचारक वक्तता गौतम खट्टर ने नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और अन्य अतिथियों ने कहा कि देश में जातिवाद की जंजीरें है जो हिंदुओं में विघटन और भेदभाव का कारण है वेदों की परंपरा को निभाना आवश्यक है और एक भगवा के नीचे आना चाहिये कब तक जातिवाद में फंसें रहेंगे क्योंकि आनेवाला समय घातक है। आज भारत माता धर्मांतरण, छूआछूत, भेदभाव से घिरी हुई है अस्मिता से खिलवाड़ हो रहा है आज के आधुनिक भारत में हिंदु अपने त्यौहारों को सनातन परंपरा के अनुरूप मनाने में असफल हो रहा है हमें तटस्थ रहना होगा क्योंकि यह बात कोई समझाने वाला नहीं है। हिंदू परंपरा का उदाहरण श्री खट्टर ने चीटियों से दिया उन्होंने कहा कि जब यज्ञ हो रहा था तो उसकी लकडि?ों में चीटियां थी तो नपाध्यक्ष ने इस लकड़ी को अलग करने को कहा और बताया कि मैने अपने बच्चों को सीख दी है कि चीटियों को भी मौसी कहा जाये, यह बताते हुए श्री खट्टर बोले की किसी छोटे प्राणी का नुकसान नहीं होने देना यह सनातन परंपरा है लेकिन दुष्ट नहीं माने तो हिंसा भी जरूरी है। भारत माता के एक हाथ में शांति है तो दूसरी में क्रांति है यह प्रतिमाएं, मूर्तियां हमें शिक्षा देती है हर देवी-देवता हमें शिक्षा देते है। समाज में भारत माता तथा भारतीय संस्कृति के उत्थान के लिये प्रेरणा लेना है जैसा हमारे पूर्वजों ने जीवन जीया है उस प्रकार जीना है तभी हमारा जीवन सफल होगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

बालाघाट नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ भगवती के विविध दुर्गा पंडालों में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला है। इस शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा भारत माता मूर्ति अनावरण समारोह के दौरान नगर की दुर्गा उत्सव समितियों को विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने, सर्वश्रेष्ठ मूर्ति प्रतिमा, साज-सज्जा, अनुशासन, स्वच्छता, स्वदेशी उत्पादों का उपयोग इसके साथ ही भंडारा एवं अन्नपूर्णा भंडारा सेवा जैसी सेवा विधाओं में सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी समितियों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही चल समारोह में महाराज की भूमिका निभाने वाले साधकों का भी सत्कार किया गया। वहीं पूर्व सैनिकों तथा प्रतिमा विसर्जन में लगे गोताखोरों को भी सम्मानित किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

भारत माता प्रतिमा अनावरण समारोह में प्रमुख रूप से राष्टीय विचारक सनातन महासभा के प्रखर वक्ता गौतम खट्टर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघचालक वैभव कश्यप, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, रामरतन नन्हेट जिलाध्यक्ष दलित संघ वाल्मिकी समाज, लखन मरावी वनवासी कल्याण आश्रम प्रांत हित रक्षा प्रमुख, लोकतंत्र सेनानी पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, भूतपूर्व सैन्य अधिकारी एल.आर. गौतम, विहिप जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा, सत्यनारायण अग्रवाल, श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती शांता तिवारी,निर्मला दिक्षित,निर्मला त्रिपाठी,पूर्व नपाध्यक्ष अनिल धुवारे,संजय मिश्रा, मोनू पाण्डेय,श्री बत्रा, किरणभाई त्रिवेदी, हिरासिंह भाटिया, महेश खजांची, संजीव धुवारे, बी.पी. राहंगडाले, राजकुमार रायज़ादा,महेन्द्र सुराना, जितेन्द्र मोहारे, यशवंत लिल्हारे, सुरजीतसिंह ठाकुर, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति समीर जायसवाल, संगीता खगेश कावरे, वकील वाधवा, कमलेश पांचे, उज्जवल आमाडारे, पार्षद संगीता थापा, श्वेता सौरभ जैन, राज हरिनखेड़े, गिरीश कावड़े, राकेश सेवईवार, रमाकांत डहाके, वंदे मारतम राष्ट्र अभियान समिति संयोजक गजेन्द्र भारद्वाज सहित अन्य उपस्थित रहे। मंच संचालन जैनेन्द्र कटरे द्वारा किया गया। नपा उपाध्यक्ष योगेश पप्पू बिसेन ने इस अवसर पर उपस्थितों का आभार जताया।

विधायक मंच के बजाय आमजनों के बीच बैठीं

कार्यक्रम में आमंत्रित बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने एक बार फिर कार्यक्रम के आयोजन और नगर पालिका में बैठे जिम्मेदारों पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किए जाने का आरोप लगाया और मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वह भारत माता की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम का सम्मान करती है और वह प्रतिमा अनावरण को लेकर खुश भी हैं, लेकिन जब वह कार्यक्रम में पहुंची तो मंच पर पूरी कुर्सियां फुल थी और उनके बैठने के लिए स्थान नहीं था, किंतु उन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को देखते हुए दर्शक दीर्घा में रखी कुर्सी पर ही अपना स्थान ले लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि हर बार संबंधित विभाग और भाजपा में बैठे जनप्रतिनिधि उनके साथ बैठक व्यवस्था में प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हैं ।

मेडिकल स्टोर्स में कोल्ड्रीफ कफ सीरप का रिकार्ड चेक करने के निर्देश

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । कलेक्टर मृणाल मीना ने 06 अक्टूबर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य

विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रीफ कफ सीरप के उपयोग से बच्चों की मौत होने के मामले में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने सम्पूर्ण बालाघाट जिले में कोल्ड्रीफ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो -डीएस सस्पेंशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर मृणाल मीना ने बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं औषधि निरीक्षकों को सख्त निर्देश दिये कि वे जिले में स्थित समस्त मेडिकल स्टोर्स की जांच कर कोल्ड्रीफ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो-डीएस सस्पेंशन के रिकॉर्ड की जांच करें। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को भी निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के समस्त मेडिकल स्टोर्स की जांच कर इन प्रतिबंधित दवाओं का स्टॉक चेक करें और सुनिश्चित करे कि इनका विक्रय न हो और मरीजों के उपचार में उपयोग न हो। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों की ऑनलाईन अटेंडेंस हमारे शिक्षक एप्प के माध्यम से लगवाना सुनिश्चित करें। इस एप्प के आधार पर शिक्षकों की जितने दिन की उपस्थिति हो उतने दिन का ही वेतन आहरण किया जाए। हमारे शिक्षक एप्प में जितने दिन शिक्षकों की अनुपस्थिति हो उतने दिन का वेतन काट दिया जाए। जो शिक्षक इस एप्प के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं करा रहे है उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। बैठक में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए गोदामों के निरीक्षण एवं उनमें उपलब्ध धान के स्टॉक का सत्यापन किये जाने की समीक्षा की गई और इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। जिले में सोयाबीन लगाने वाले सभी 67 किसानों का भावांतर योजना में शीघ्रता से पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 10 अक्टूबर तक सभी किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।

तिरोड़ी में 6 वर्षीय बाल स्वयंसेवक उर्वित ने किया पथ संचलन

पद्मेश न्यूज। नांदी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को तिरोड़ी में भव्य पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवक गणवेश में डंडा लेकर अनुशासित पंक्तियों में मार्च करते हुए निकले, जिससे तिरोड़ीवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन में इस बार सबसे अधिक चर्चा में रहा एक 6 वर्षीय बाल स्वयंसेवक उर्वित अविनाश देशमुख, जिसकी उम्र बहुत कम लेकिन अनुशासित कदमताल ने पूरे कार्यक्रम में जान भर दी। पारंपरिक गणवेश पहने यह नन्हा स्वयंसेवक बड़े स्वयंसेवकों के साथ पूर्ण अनुशासन के साथ चलते हुए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता रहा। रास्तेभर लोग उसे देखकर मुस्कुराते नजर आए, वहीं कई स्थानों पर महिलाओं ने उस पर फूल भी बरसाए। बच्चे की देशभक्ति से ओतप्रोत चेहरे और जोश से भरे कदमों को देखकर लोग मोबाइल कैमरे निकालकर फोटो और वीडियो बनाने लगे। बच्चे के पिता अविनाश देशमुख ने बताया कि वह शाखा में जाता है और मैं खुद भी उसे प्रशिक्षण देता हूं और इस बार वो खुद ही पथ संचलन में शामिल होने की जिद कर रहा था। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इसी अनुशासन और संस्कार के दम पर राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। तिरोड़ी के इस नन्हे बाल स्वयंसेवक ने साबित कर दिया कि देशभक्ति के लिए उम्र नहीं, जज़्बा होना जरूरी है।

बाबा साहब पर अमर्यादित टिप्पणी करने के विषय को लेकर बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारीयों ने दिया धरना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के विषय में भड़काऊ भाषण और अमर्यादित भाषा बोलने के विषय को लेकर बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारीयों ने स्थानीय अंबेडकर चौक में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर कार्यालय में जाकर ज्ञापन सौंपा । शहर के स्थानीय अंबेडकर चौक में बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारीयों द्वारा एडवोकेट अनिल मिश्रा के विरुद्ध संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर पर अमर्यादित भाषा बोलने एवं भड़काऊ भाषण देने के विरोध में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया । यहां बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारीयों ने धरने के माध्यम से मंच से अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा की गई टिप्पणी का विरोध किया और बताया गया कि बाबा साहब अंबेडकर भारत रत्न है, उनको लेकर इस प्रकार की भाषा नहीं बोलना चाहिए था ,एडवोकेट अनिल मिश्रा द्वारा बीते दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाइव आकर ग्वालियर में भड़काऊ वक्तव्य दिया गया है ,जो की सही नहीं है और वह चाहते हैं कि इस विषय पर न्याय उचित कार्रवाई की जाए , इसी को लेकर उन्होंने स्थानीय अंबेडकर चौक में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा हैं ।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै लोक चंद पिता तिलकचंद निवासी ग्राम पाला तह किरनापुर निवासी हूं। मेरे सभी डाक्युमेंट जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, परिचय पत्र, एवं अन्य सभी डाक्युमेंट में मेरा नाम लोकचंद है कुछ त्रुटिवश मेरे लायसेंस मे मेरा नाम लोकचंद बनोडे हो गया है जिसे मुझे सुधार कर लोकचंद करवाना चाहता हूं।

अतः मुझे मेरे वास्तविक नाम लोकचंद से जाना व पहचाना जावें एवं मेरे ड्राईविंग लाइसेंस मे लोकचंद बनोडे के स्थान पर लोकचंद किया जावें।

आवेदक
लोकचंद
ग्राम पाला तह किरनापुर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

इश्तेहार

प्रकरण कमांक/0033/बी-121/2025-26
मौजा कोस्ते तहसील वारासिवनी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संदीप येडे पिता दीपचंद येडे एंव मोनिका येडे निवासीगण ग्राम कोस्ते तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा देवीप्रसाद येडे पिता दीपंचद येडे एंव सीमा येडे निवासीगण ग्राम कोस्ते तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र. के पुत्र देवर्ष उम्र 1 वर्ष 08 माह जिसका जन्म 05.12.2023 को हुआ है को आवेदक दत्तक लेने हेतु हिन्दु दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78) 1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 10.10.2025 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

क्लोरफेनिरामाईन एवं फेनालेफ्रिन का उपयोग 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओ के उपचार में न करने के सीएमएचओ के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा जिले के सभी डाक्टर्स, सभी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर्स संचालक तथा निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम एवं क्लीनिक में क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल का उपयोग 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए न किये जाने के निर्देश दिए गए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि भारत सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (एफडीसी डीविजन) द्वारा क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल दवा के लेबल पर, औषधि के विवरण पर्चे पर तथा औषधि के प्रचार पाम्प्लेट पर स?पष?ट रूप से चेतावनी अंकित की गई है जिसके अनुसार 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए इस दवा का उपयोग नही किया जाना है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी पत्र में प्रदेश के समस्त पंजीयकृत चिकित्सा व्यावसायियों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुये 04 वर्ष से कम आयु के रोगी शिशु के उपचार के लिए इस औषधि को न लिखा जाए। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा जिले के सभी डाक्टर्स, सभी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर्स तथा निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम एवं क्लीनिक संचालकों को निर्देशित किया है कि वे क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल का उपयोग 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए न करें।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के मौके पर कन्हड़गांव वृत में वन विभाग ने निकाली बाइक रैली

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

भारत के जीव-जंतुओं के संरक्षण के उद्देश्य प्रतिवर्ष गांधी जयंती 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर तक वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया जाता है. इस वर्ष मानव वन्यजीव सह-अस्तित्व की थीम पर सप्ताह मनाया जा रहा है. दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के ग्रामीण इलाकों में वन विभाग विभिन्न कार्यक्रम, जागरूकता रैली, संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित कर रही है. मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, डीएफओ अधर गुप्ता के निर्देशन प्रशिक्षु आईएफएस जितेन्द्र मीणा के मार्गदर्शन और वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार के नेतृत्व में कन्हड़गांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम कन्हड़गांव, अंबेझरी, आगरी, पथरापेठ में जागरूकता बाइक रैली निकाली. सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी ओ.पी.जगने के साथ तमाम वन कर्मचारियों से पूरे गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों को वन्य प्राणियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया. ग्राम अंबेझरी में वन कर्मचारियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर संगोष्ठी की. जिसमें सरपंच प्रतिनिधि सुखदेव सलामे, वन रक्षक शिवनारायण सिंह, संतोष चौबे, चैतराम चन्दुवार, वीरेन्द्र उइके, बादल जांभुलकर, यशपाल झोडे, कृष्णा करवेती, रतन गोपाले, आकाश गोपाले, अनिल मर्सकोले, प्रमोद आशापुरे मौजूद रहे. संगोष्ठीड्ढ में ग्रामीणों को वन्य प्राणियों के अस्तित्व को बचाये रखने, कैसे बचाना है इस पर काफी विस्तार से चर्चा की गई. वहीं ग्रामीणों को यह भी बताया कि वन्य प्राणियों से स्वयं की सुरक्षा कैसे करनी है किस तरह की सावधानी बरतनी जरूरी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

माफी मांगने के बाद नर्सें जिला चिकित्सालय में काम पर लौटीं

विवाद खत्म, चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाने की नर्सों ने की मांग

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय में नर्सों और मरीजों के परिजनों के बीच उपजा विवाद माफीनामे के साथ खत्म हो गया है। आज नर्सों द्वारा बताया गया कि मरीज के परिजनों द्वारा विवाद किए जाने के विषय को लेकर माफी मांगी जा रही है। जिस पर उन्होंने मरीज के परिजनों को माफ करते हुए विवाद को समाप्त कर दिया और स्वास्थ्य विभाग सहित पुलिस प्रशासन से जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाने को लेकर मांग की हैं। मरीजों के परिजनों ने भी बताया कि अन्य मरीजों को परेशानी ना हो इसे देखते हुए उन्होंने विरोध कर रही नर्सों से अपनी गलती के लिए माफी मांग ली है ।

जिला अस्पताल में उपचार को लेकर मरीज के परिजनों और नर्सो के बीच उपजा विवाद, सोमवार को, माफीनामा के समझौते के साथ खत्म हो गया। वहीं नाराज नर्सों ने भी मरीज के परिजनो की अभद्रता को माफ कर, अपनी नाराजगी खत्म कर दी। रविवार को शाम, उस वक्त जिला अस्पताल में हंगामा मच गया था। जब अस्पताल के आर्थो वार्ड में बिस्तर क्रमांक-34 में भर्ती मरीज संजय मोहारे को इंजेक्शन लगाने नर्सेस पहुंची थी। इस दौरान मरीज के परिजन और नर्सो के बीच ईलाज को लेकर, कहासुनी, गाली-गल्लौज से लेकर धक्कामुक्की किए जाने की घटना हुई थी। जिसके बाद नर्सेस और मरीज के परिजन, कोतवाली थाना पहुंचे थे और अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। स्टॉफ नर्स मंजु बिसेन ने बताया कि वह साथी नर्स वर्षा रंगारे के साथ बेड में भर्ती मरीज को इंजेक्शन लगाने गई थी। इस दौरान मरीज के परिजनों ने हमारे साथ गाली-गल्लौज, अभद्रता और मारने का प्रयास किया था। जिसकी शिकायत हमने की थी। जिसके बाद आज मरीज के परिजन के माफीनामा देने के बाद हम कोई कार्यवाही नहीं चाहते है, लेकिन हमारी मांग है कि वार्डो में रात में काम करते समय नर्सो को सुरक्षा मिले। जिसके लिए जरूरी है कि अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा हो।

गलती के लिए माफी मांग ली है - प्रेमशिखर

इस दौरान मरीज के परिजन प्रेमशिखर मोहारे ने बताया कि चाचा को घायल हालत में भर्ती कराया गया था। जिसका शाम तक कोई उपचार नहीं होने और शाम को इंजेक्शन लगाने नर्सो के आने के बाद पिताजी ने केवल, उनसे देरी से आने को लेकर पूछा था। जिसके बाद नर्से भड़क गई ओर हमें भी भला बुरा कहने लगी। जिस पर पिताजी ने नाराजगी जाहिर की थी। हम चाहते है कि गांव से आने वालों लोगों को बेहतर उपचार मिले। उन्होंने बताया कि अन्य मरीजो की ईलाज की खातिर, हमने नर्सों से अपनी गलती के लिए माफी मांग ली है और हमने समझौता कर लिया है। जिसके बाद जिला अस्पताल में घटना के बाद नर्सो में नाराजगी जैसी स्थिति का पटाक्षेप हो गया है और नाराज नर्से अपने काम में लौट गई।

विवाद का फिर एक वीडियो हुआ वायरल

नर्सों से माफी मांगने के बाद मरीज के परिजन ने मीडिया से बात की और मरीजों के परिजन प्रेमशिखर ने चर्चा में बताया कि जिस प्रकार से उन पर आरोप लगाए गए हैं वह पूरे सही नहीं है उनके पास भी एक वीडियो है जिसमें नर्सों द्वारा उनके साथ किया गया व्यवहार वीडियो में साफ दिख रहा है उसके बाद ही उन्होंने अपनी तरफ से विरोध किया था हालांकि नर्सों के द्वारा की जा रही सांकेतिक हड़ताल को देखते हुए उन्होंने अन्य मरीज को परेशानी ना हो इसलिए स्टाफ नर्सो से माफी मांग कर इस विवाद को यहीं खत्म कर दिया है ।

:: शराबबंदी ::

लामता क्षेत्र की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत टाकाबर्रा में तीन गांव की महिलाओं ने शराबबंदी के लिए मोर्चा खोल दिया है। महिलाओं ने रैली निकालकर गांव का भ्रमण किया। शराब के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि तीनों ही गांव में शराबबंदी के लिए पिछले तीन माह से लगातार संघर्ष करते आ रहे हैं। एक बार फिर से तीनों ही गांव की महिलाओं ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए बताया कि लामता के अनेक गांवों में अवैध शराब की बिक्री हो रही है। जिससे उनके परिवार पर बुरा प्रभाव पड़ रहा। घर के लोग सुबह से ही शराब का सेवन कर दिनभर नशे में धुत रहते और कोई भी काम नहीं करते। पैसा नहीं होने पर गृहस्थी का सामान बेच देते। जिससे पूरा परिवार परेशान रहता है। गांव में लड़ाई झगड़े होने के कारण शांति व्यवस्था भी भंग होती है। शराबखोरी के कारण कई परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बावजूद इसके प्रशासन इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि अब गांव में कोई भी शराब निकालकर बेचता है या फिर उसका सेवन करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही के लिए पत्र लिखा जाएगा।

वन्य प्राणी सुरक्षा संहिता के तहत छात्र-छात्राओं के द्वारा निकाली गई विशाल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वन विभाग द्वारा मनाए जा रहे वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तारतम्य में वन परिक्षेत्र दक्षिण लामटा के परिक्षेत्र सहायक व्रत समनापुर के ग्रामों में वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। 6 अक्टूबर को परिक्षेत्र सहायक व्रत समनापुर के वन कर्मचारीयो के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर के विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ मिलकर वन प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। शिक्षण संस्था की छात्र-छात्राओं की एक विशाल रैली निकाली गई। छात्र-छात्राओं की इस रैली वन प्राणी की सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए गांव के गली चौकों से होते हुए पुन: शिक्षण संस्था में पहुंची। जहां पर एक सभा का आयोजन किया गया। इस जागरूकता रैली मे कंचन खंडागले प. स समनापुर, देवांशू कुमार यादव व. र, नीरज खटीक व.र, राजा मेरावी व.र, तुलसीदास तिवारी व.र, दीपक सेंगर व.र, मोहम्मद साजिद कुरैशी, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर, श्रीमति सुजाता बांगरे, सी डी नगपुरे शिक्षक, दुर्गा प्रसाद पोरगडे, मनोज पटले, सुश्री रानी मेरावी शामिल हुए।

जायत्री दमाहे को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तहसील के ग्राम बोदा निवासी मनोज दमाहे की 04 सितम्?बर 2025 को नाले के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नि श्रीमति जायत्री दमाहे को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर जायत्री दमाहे के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

सोयाबीन के लिए 17 अक्टूबर तक किया जा सकता है पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में ई उपार्जन पोर्टल पर तिलहनी फसल सोयाबीन के पंजीयन के लिए भावान्तर योजना लागू की गई है। भावान्तर योजना के अंतर्गत किसानों का पंजीयन 17 अक्टूबर तक किया जाना है। कलेक्टर मृणाल मीना ने इस योजना के अंतर्गत जिले के किसानों के पंजीयन के लिए 02 पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया है। इन पंजीयन केंद्रों में बिरसा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित दमोह एवं बैहर तहसील अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बैहर शामिल है। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि अनुरूप ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन करवाना सुनिश्चित करें।

श्रीशन फार्मा की दवाओं पर प्रतिबन्ध

जिले के मेडिकल स्टोर्स से वापसी की कार्रवाई, शहर की अलग-अलग दवा एजेंसियों में सैंपल की कार्यवाहीं शुरू

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

छिंदवाड़ा जिले में हुई 14 बच्चों की मौत के बाद प्रदेश सहित जिले में भी मध्य प्रदेश शासन ने कंपनी की सभी बनाई गई दवाइयों को प्रतिबंधित करते हुए दवाइयों के सैंपल टेस्ट लेने के लिये कलेक्ट करना शुरू कर दिया है । इसकी कार्यवाही सोमवार को भी जिले की अलग-अलग दवा एजेंसी में देखने को मिली। यहां जिला प्रशासन के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारी इस कार्रवाई में उपस्थित रहे । जहां यह कंपनी की सभी दवाइयों को दवा एजेंसी सहित मेडिकलों से वापस बुलाए जाने को लेकर निर्देशित कर दिया गया है , तो वही संबंधित विभाग मेडिकलों के दस्तावेज और दवाइयों के बिलों की भी जांच कर रहे हैं ।

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की अमानक स्तर की कोल्ड्रिफ सिरप दवार के सेवन से 14 बच्चों की मौत के बाद राज्य शासन ने इस कंपनी के कोल्ड्रिफ सिरप के साथ ही अन्य दवाईयों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। जिसका असर सोमवार को बालाघाट जिले में भी देखने को मिला है। यहां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. परेश उपलब के नेतृत्व में ड्रग्स विभाग, औषधि विभाग की टीम श्रीशन फार्मासिटीकल कंपनी की दवाओं की वस्तुस्थिति जानने के लिए थोक विक्रेताओं के दुकानों में पहुंची और कंपनी की दवाओं की जांच की है। इस दौरान श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की अन्य दवाएं मौके पर मिलने पर उन्हें जब्त करने की कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम को श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी के प्रोडक्ट थोक में लेने वाली मेडिकल स्टोर्स की जांच में कोल्ड्रिफ सिरप नहीं मिला है। हालांकि इस दौरान श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी के अन्य प्रोडक्ट टीम को मिले है। जिन्हें टीम ने जब्त कर लिया है, जिससे की इनकी बिक्री न हो सके। वहीं अब दवाओं की जांच कर उनकी गुणवत्ता का पता लगाने के लिए सैंपल भेजे जा रहे है। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि ये अच्छी बात है कि जो सिरप अमानक स्तर का निकला है, उस बैच की दवा बालाघाट नहीं पहुंची है, और मेडिकल स्टोर्सों में भी यह दवा नहीं मिली है। जिससे किसी प्रकार की समस्या की कोई बात नहीं है। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि बालाघाट जिले में श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की कोल्ड्रिफ सिरप को कई सालों से नहीं मंगवाया गया है। यहां के जो डीलर्स है वह श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की अन्य दवाओं को मंगवाते है। उन्होंने बताया कि बालाघाट जिले में इस कंपनी की दवा सिर्फ चार डीलर्स मंगाते है, जो कि आर्डर अनुसार अन्य मेडिकल स्टोर्स को दवा उपलब्ध कराते है, और ये चार डीलर्स राजेश मेडिकल, महावीर मेडिकल, जायसवाल मेडिकल व ज्ञान मेडिकल है, जिससे सबसे इन मेडिकल स्टोर्स में पहुंचकर दवा की वस्तुस्थिति की जानकारी ली जा रही है, और दवा का स्टाक मिलने पर उनके सैंपल लिए जा रहे हैं।

दवाएं लिखने से भी किया गया मना

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य शासन के आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि जो चिकित्सक श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की दवाओं लिखते है वे भी इन दवाओं को न लिख और चार साल तक की उम्र से नीचे के बच्चों को इस कंपनी की कोई भी दवा बिल्कुल भी नहीं दी जाए। उन्होंने बताया कि थोक दवा दुकानों से इस कंपनी की दवाओं की विस्तृत जानकारी ली जा रही है, और इन्होंने जिन फुटकर दवा दुकानदारों को दवाएं दी है उन्हें भी जल्द से जल्द वापस बुलाकर जब्त करने की कार्रवाई की जा रही हैं।

दवाइयों को प्रतिबंध के आदेश भी जारी कर दिए हैं - परेश उपलब

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. परेश उपलब ने बताया कि जिस बैच नंबर के कोल्ड्रिफ सिरप दवा से बच्चों की मौत हुई है। उस बैच नंबर की दवा बालाघाट जिले में सप्लाई नहीं हुई है। वहीं श्रीशन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की अन्य दवाओं को राज्य शासन ने प्रतिबंधित कर दिया है जिससे इनकी बिक्री पर रोक लगाने के लिए ड्रग्स विभाग की टीम के साथ मिलकर कार्रवाई की जा रही है। सीएमएचओ ने यह भी बताया कि उस कंपनी की सिरप जिले में नहीं है । आज उन्होंने तीन से चार दवा एजेंसियों में निरीक्षण कर वहां से सैंपल जमा किए हैं और उस कंपनी की बनाई गई अन्य दवाइयों को प्रतिबंध के आदेश भी जारी कर दिए हैं ।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई

युवक की मौके पर मौत-तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की मलाजखंड थाने की पाथरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम दमोह रोड पर स्थित खुमरीटोला से सोनटोला के बीच दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई वहीं तीन युवक घायल हो गए 4 एवं 5 अक्टूबर की दरमियानी रात यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब एक मोटरसाइकिल में सवार दो युवक ग्राम पाथरी में आयोजित छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने आ रहे थे तो दो युवक मोटरसाइकिल में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखकर घर जा रहे थे। मृतक राजेश पिता रवन सिंह नेताम 30 वर्ष ग्राम झुराटोला गंजेसरा चौकी पाथरी निवासी है। तीन घायल नरसिंह पिता बजरंग धुर्वे 25 वर्ष ग्राम पाथरी और संतोष पिता अमिलाल धुर्वे 36 वर्ष ग्राम लहंगाकनार, भूपेंद्र पिता चंद्रपाल परते 18 वर्ष ग्राम खुमरी टोला दोनो थाना मलाजखंड निवासी है। जिनका इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश नेताम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था और वह सीजन में बाहर मजदूरी करने भी जाता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। 4 अक्टूबर को ग्राम पाथरी में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम था। राजेश नेताम छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने के लिए ग्राम पाथरी आया था। छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने के दौरान रात्रि 3:00 बजे राजेश

नेताम अपने दोस्त नरसिंह धुर्वे ग्राम पाथरी निवासी के साथ मोटरसाइकिल में लहंगाकनार जाने निकले थे। मोटरसाइकिल नरसिंह धुर्वे चल रहा था। इसी दौरान संतोष धुर्वे अपने मामा के ल ?के भूपेंद्र परते के साथ मोटरसाइकिल में छत्तीसगढ़ी नाचा देखने के लिये पाथरी जा रहे थे। तभी पाथरी से दमोह रोड पर स्थित खुमरीटोला और सोनटोला के बीच तेज रफ्तार दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से राजेश नेताम की मौके पर मौत हो गई। नरसिंह धुर्वे और अन्य मोटरसाइकिल में सवार संतोष धुर्वे और भूपेंद्र परते तीनों घायल हो गए। सूचना मिलती ही राजेश नेताम के परिवार के घटना स्थल पहुंचे और उन्होंने राजेश नेताम का शव और घायल नरसिंह धुर्वे को घर ले गए। दुर्घटना के बाद रात्रि में संतोष धुर्वे और भूपेंद्र परते अपने घर चले गए थे। दोनो दूसरे दिन 5 अक्टूबर को अपना इलाज करवाने के लिए बिरसा अस्पताल पहुंचे। राजेश नेताम की सड़क दुर्घटना में मौत होने की सूचना मिलने पर पाथरी पुलिस चौकी से प्रधान आरक्षक लाल सिंह धुर्वे अपने स्टाप के साथ ग्राम झुरा टोला गंजेसरा पहुंचे और मृतक राजेश नेताम का शव उसके घर से बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात राजेश नेताम का शव बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में नरसिंह धुर्वे 25 वर्ष ग्राम पाथरी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एम एम 2805 के चालक संतोष धुर्वे ग्राम लहंगाकनार निवासी के विरुद्ध धारा 281,125(ए),106(1)भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध किये और संतोष धुर्वे द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 09 डी 6825 के चालक नरसिंह धुर्वे के विरुद्ध धारा 125(ए), 281 भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज किये। दोनों मामलों की जांच विवेचना प्रधान आरक्षक लाल सिंह धुर्वे द्वारा की जा रही है।

गोवंश की तस्करी करते 5 आरोपियों पर प्रकरण

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी पुलिस ने मूक मवेशी गौवंश की तस्करी करने वाले 5 आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है. इनके पास से कुल 15 नग मूक मवेशी मुक्त करवाए गए है जिन्हें गौशाला पहुंचाया गया है. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार की सुबह करीब 11 बजे कटंगी सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम लोहमारा में बैरियर के पास से 11

नग मूक मवेशियों को मुक्त करवाया और पुलिस को सूचना दी. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गणेश पिता पुनऊ नागेश्वर उम्र 50 वर्ष निवासी नागो टोला अर्जुननाला, बाबूलाल पिता धुस्सी राहंगडाले उम्र 58 निवासी वार्ड क्रमांक 12 छतेरा, जितेंद्र पिता धनलाल नगपुरे उम्र 30 वर्ष निवासी मोहगांव नांदी, विशाल पिता राजकुमार नगपुरे उम्र 22 वर्ष निवासी मोहगांव नांदी के कब्जे से कुल 11 नग गौवंश को मुक्त करवाया. कथित तौर पर इन मवेशियों को कत्लखाने भेजा जा रहा था. पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 347 दर्ज कर मध्य प्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4,6, 9, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 (घ), भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 3 (5) की कार्रवाई की है. वहीं रविवार की शाम करीब 04 बजे पुलिस ने दूसरी कार्रवाई करते हुए ग्राम गोपालपुर से आरोपी जय सियाराम पिता प्रेमलाल पंचेश्वर उम्र 50 वर्ष निवासी पाठापार थाना अरी जिला सिवनी के पास से 04 नग गौवंश बरामद किया है. आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 348 दर्ज कर मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4,6, 9, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 (घ) की कार्रवाई की।

वन विभाग के उड़नदस्ते की बड़ी कार्यवाही

बघोली से सागौन सहित 38 नग अन्य बहुमूल्य वनसंपदा के चिरान एवं लट्ठे जप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वन विभाग के मुख्य वनसंरक्षक, वनवृत्त बालाघाट के गौरव चौधरी के निर्देश पर गठित वन विभाग की उड़नदस्ता की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बघोली निवासी खिलेश पिता शिवलाल यादव के मकान में 6 अक्टूबर को दबिश देकर (छापामार) सागौन सहित 38 नग अन्य प्रजातियों की बहुमूल्य वनसंपदा (इमारती लकड़की) के चिरान व लट्ठे जप्त की है। जिसकी अनुमानित कीमत 16 हजार रूपये आंकी गई है। वहीं वन विभाग ने जिसके मकान से सागौन सहित 38 नग की बहुमूल्य वनसंपदा जप्त की गई है जिसके खिलाफ वन अधिनियम की 1927 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वनवृत्त बालाघाट की उड़नदस्ता टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बघोली के खिलेश यादव के द्वारा अवैध रूप से सागौन एवं अन्य इमारती लकड़ियों की कटाई कर फर्नीचर व अन्य सामग्री बनाने का कार्य किया जाता है। जिसके बाद वनविभाग के मुख्य वनसंरक्षक गौरव चौधरी के आदेशानुसार अजय चौरे कार्यवाहक उपवनक्षेत्रपाल के मार्गदर्शन में राजेन्द्र कुमार मड़ामे कार्यवाहक उपवनक्षेत्रपाल ने टीम गठित कर दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के वनकर्मियों के साथ संयुक्त रूप से सर्च वारंट के तहत सोमवार को लालबर्रा (सामान्य) वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बघोली निवासी खिलेश पिता शिवलाल यादव के घर पहुंचे। लेकिन खिलेश घर पर नही था, ऐसी स्थिति में वन विभाग के अधिकारियों ने खिलेश की पत्नि को वारंट तामीली करवाकर घर की तलाशी की। वहीं वन विभाग के द्वारा की गई तलाशी में खिलेश के मकान से सागौन सहित 38 नग अन्य प्रजाति के चिरान एवं लट्ठे (0.341 घनमीटर) बरामद किया गया। जब्त की गई लट्ठों एवं चिरान में मुख्य रूप से सागौन के 7 नग, सागौन चिरान 24 नग, जामुन चिरान 6 नग और 1 नग खमेर सहित कुल 38 नग बरामद किये गये है। जिसकी अनुमानित कीमत 16 हजार रूपये है। वहीं वन विभाग की उड़नदस्ते टीम ने विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर जप्ती कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही हेतु चिरान एवं लट्ठे को बीटगार्ड टेकाड़ी ला. के सुपुर्द कर दिया है।

मामला दर्ज कर की जा रही है जांच - अजय

वनवृत्त बालाघाट उड़नदस्ता प्रभारी, कार्यवाहक उपवन क्षेत्रपाल अजय चौरे ने बताया कि सूचना मिली थी कि बघोली में किसी के मकान में अवैध रूप से सागौन के लट्ठे है। जिसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीम गठित कर सर्च वारंट के तहत बघोली के खिलेश यादव के घर से सागौन सहित अन्य प्रजाति के लकड़ी के लट्ठे एवं चिरान जप्त की गई है। जिसमें सागौन के 7 नग, सागौन चिरान 24 नग, जामुन चिरान 6 नग और 1 नग खमेर सहित कुल 38 नग है, जिसकी अनुमानित कीमत 16 हजार रूपये आंकी गई है। श्री चौरे ने बताया कि जब्त की गई लकड़ी के लट्ठे व चिरान को लालबर्रा परिक्षेत्र कार्यालय में जमा कर दिया गया है एवं नियमानुसार आरोपी के खिलाफ पी.आर.ओ. नं. 16034/25 दिनांक 06/10/2025 जारी करते हुए वन अधिनियम 1927 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और लकड़ी अवैध रूप से कहां से लाई गई है इस संबंध में जांच की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि वन संपदा की सुरक्षा के लिए फील्ड स्टॉप और उड़नदस्ता द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर की जाती है।

इनका रहा सराहनीय योगदान

सागौन सहित 38 नग अन्य इमारती लकड़ी के चिरान व लट्ठे जप्ती की कार्यवाही में प्रभारी उड़नदस्ता वनवृत्त बालाघाट अजय चौरे कार्यवाहक उपवन क्षेत्रपाल, राजेन्द्रकुमार मड़ामे कार्यवाहक उपवन क्षेत्रपाल, राकेश सनोडिया कार्यवाहक वनपाल, नरेंद्र कुमार शेन्डे, तिलकसिंह राहंगडाले, सौरभ यादव, देवेन्द्र उके वनरक्षक, शंभूलाल यादव वाहन चालक एवं पुरूषोत्तम सोनवंशी कार्यवाहक उपवन क्षेत्रपाल लालबर्रा सहित अन्य वनकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

पिपरिया में पोषण माह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली स्थित पंचायत भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे, पर्यवेक्षक श्रीमती नाजिया खान के मार्गदर्शन में सोमवार को पोषण माह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती रूपचंद मानेश्वर, उपसरपंच श्रीमती कंचना/जोशीराम नख़ाते, सचिव गोविंदराम हरदे, स्वास्थ्य विभाग से एएनएम करूणा बिसेन, आशा कार्यकर्ता अनिता की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया, जिसके बाद पोषण माह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर पोषण माह की थीम अनुसार 'ईसीसीई' गतिविधि के विषय के बारे में उपस्थितजनों को समझाईश देने के साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण परामर्श दिया गया। वहीं पुरूष वर्ग को सम्मिलित करते हुए पोषण जागरूकता गतिविधि आयोजित करवाने के साथ ही उपस्थितजनों को बच्चों में पैकेट फूड के नुकसान, भोजन में नमक, चीनी, तेल कम करने के बारे में समझाईश दी गई। साथ ही पोषण प्रदर्शनी का आयोजन कर आंगनवाड़ी केन्द्र की हितग्राही महिलाओं से करवाकर नवाचार किया गया ताकि स्थानीय चीजों का उपयोग कर उनमें पोषण की समझ विकसित हो सके। वहीं इस पोषण माह कार्यक्रम के दौरान पोषक व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट व्यंजन बनाने वाले प्रतिभागी को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। इस पोषण माह के अवसर पर पंचायत के द्वारा तीनों आंगनवाड़ी केन्द्र में आलमारी, टेबल एवं कुर्सी प्रदान की गई है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है और आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों की प्रथम पाठशाला है। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र के माध्यम से नौनिहाल बच्चों के साथ ही उनकी माताओं को पोषण आहार भी प्रदान किया जाता है जो शरीर के लिए लाभदायक होता है। आगे यह भी कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाये। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मीरा अडमे, श्रीमती संगीता सोनवाने, श्रीमती रामेश्वरी पंचेश्वर, श्रीमती रेखा गोले, श्रीमती महिमा खोब्रागढ़े, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती अनुसुइया, बारूला मेश्राम एवं रीता सोनवाने सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार 6 अक्टूबर को जिला स्तरीय टेबल टेनिस (महिला एवं पुरूष वर्ग) प्रतियोगिता संपन्न हुई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋषिकेश पटेल के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आयोजित जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में चार महाविद्यालयों की सहभागिता रही। जिसमें पीजी कॉलेज बालाघाट, कमला नेहरू गर्ल्स कॉलेज बालाघाट, शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी एवं शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के खिलाडियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं महिला एवं पुरूष दोनों ही वर्गों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पीजी कॉलेज बालाघाट ने दोनों वर्गों में विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। जो संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए है जिसमें महिला वर्ग में 4 तथा पुरुष वर्ग में 5 खिलाड़ियों का चयन किया गया है जो आगामी समय में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता पीजी कॉलेज सिवनी में आयोजित की जायेगी, जिसमें जिले के ये चुनिंदा खिलाड़ी अपना हुनर दिखायेगें। जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता को संपन्न करवाने में डॉ. अनिल झरवडे, डॉ. विनोद ठाकुर, डॉ. सचिन तिवारी, विकास साहू, सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पितम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

घोटी में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में शारदेय नवरात्र और विजयादशर्मी का पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया गया। घोटी के हनुमान मंदिर चौक में माँ दुर्गा जी की प्रतिमा विराजित कर नौ दिनों तक जगत जननी माँ जगदम्बे की आराधना कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। वहीं शुक्रवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राम जी की निकली सवारी, राम जी की लीला है न्यारी...., काली काली अमावस्या की रात में..., हर घर भगवा छायेगा, राम राज आयेगा सहित अन्य नारों के साथ डीजे की धून पर दशहरा चल समारोह की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंची जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान राम बने बालक के द्वारा तीर मारकर अहंकारी रावण के पुतले का दहन किया गया। जिसके बाद माँ दुर्गा जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। चर्चा में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया और शुक्रवार को विजयादशमी का पर्व मनाया गया। इस विजयादशमी के अवसर पर भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान की जीवंत झांकियों की शोभायात्रा निकाली गई जो ग्राम ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंचा जहां रावण के पुतले का दहन किया गया। आगे बताया कि इस शोभायात्रा में भगवानों की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति घोटी संरक्षण जनपद सदस्य देवेश (विक्की) गौतम, सरपंच तीरथसिंह बिसेन, पूर्व सरपंच मानिकराम चौधरी, किशोर लानगे, चेतन गौतम, जानसिंह देशमुख प्रकाश देशमुख, गनिराम राहंगडाले, वासुदेव लानगे, राजेन्द्र गौतम, हेमराज तितरमारे, लखन जी नेवारे, समिति अध्यक्ष गजेन्द्र अंगुरे, उपाध्यक्ष कैलाश राउत सचिव शुभम कारे, सहसचिव शैलू कुकड़े, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण बोमचेर, सदस्य कमलेश गौतम, जैराम लानगे, ओमकार मंडलवार, डुलेन्द्र बोरकर, नरेन्द्र सार्वे, मुकेश औझेकर, आशीष सार्वे, लक्ष्मण वाघाड़े, रवि गोले, दिनेश बोपचे, धनेन्द्र लानगे, हितेश चौधरी, लालचंद लानगे, गुलाब चौधरी, दशरथ सहारे, चन्द्रकुमार सहारे, सुरेन्द्र आश्वले, खिलेश्वर तितरमारे, गजेन्द्र बोरकर, रमेश चौधरी, नरेन्द्र लांजेवार, सीताराम गजबे, टेकराम जर्वेकर, संतोष लांजेवार, टुपेन्द्र देशमुख, हर्षित बघेल, लालू चौधरी, निलेश सार्वे, अमन अंगुरे, नितेश सार्वे, राजू औझेकर, प्रज्ञा जोगेकर, नीरज राहंगडाले, मोहित शेण्डे, राहुल अंगुरे, मेखराम टेंभरे, योगेन्द्र अंगुरे, पिंटू गजबे, हेमराज हट्टेवार, शैलेन्द्र तितरमारे, सुमीत कारे, रामेश्वर अंगुरे, अरविंद गजबे, महेन्द्र सार्वे, गुलाब चौधरी, राहुल गौतम, लक्की बोपचे, चंदू अंगुरे, तपेश सार्वे, अभय राहंगडाले, लक्की चौधरी, राजकुमार बोमचेर, महेश चौधरी सहित अन्य ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जाम उपखण्ड में विजयादशमी एवं संघ शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन संपन्न

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के देशभक्ति गीतों से गुंजायमान हुआ जाम, सेवकों पर बहनों ने की पुष्पवर्षा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम के बाजार चौक में राष्ट्रीय स्वयं संघ लालबर्रा खंड का रविवार को विजयादशमी एवं संघ शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघचालक वैभव कश्यप के मुख्य वक्ता, नंदलाल बिसेन के मुख्य अतिथि, खंड संघचालक संजय अग्रवाल, खंड कार्यवाह आकाश चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों के प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों ने भारत माता, प्रथम सर संघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय संघचालक 'गुरुजी' माधव सदाशिव गोलवलकर के छायाचित्र के समक्ष खड़े होकर दीप प्रज्वलित कर तिलक लगाकर उन्हें स्मरण किया। इस पथ संचलन के अवसर पर लालबर्रा खंड के जाम उपखंड के 4 मंडलों के 20 से अधिक ग्रामों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में एकत्रित हुए। जिसके बाद परम पवित्र भगवा ध्वज लगाकर गणवेशधारी स्वयं सेवकों का पथ संचलन ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुए देशभक्ति गीतों की धुन पर स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाकर पथ संचलन में निरंतर चलते रहे यानि पुरे ग्राम का भ्रमण किया। इस दौरान जगह-जगह मातृशक्ति माताओं-बहनों ने स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वहीं पथ संचलन पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंचा, जिसके बाद मुख्य शिक्षक के साथ सभी स्वयं सेवक ने संघ की प्रार्थना का गायन किया तत्पश्चात सभी ने ध्वज प्रणाम किया। जिसके बाद सभी स्वयंसेवक पंक्तिबध्द कतार में जमीन पर बैठे। वहीं मंचीय कार्यक्रम में जिला संघचालक वैभव कश्यप ने अपने बौध्दिक उद्बोधन में कहा कि स्वयं सेवकों एवं समाज से आये अतिथियों-मातृशक्ति के समक्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतिवर्ष विजयादशमी पर्व उत्साह के साथ मनाता है एवं इस वर्ष संघ शताब्दी वर्ष यानि कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। संघ की यह 100 वर्ष की यात्रा निरंतर कैसे बढ़ती चली आ रही है, संघ देश और समाज के लिए क्या सोचता है, क्या करता है, संघ के समाज हित और देश हित में किये गये प्रयासों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही यह भी कहा कि सन् 1925 में महाराष्ट्र के नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। इसके बाद द्वितीय सरसंघचालक 'गुरुजी' माधव सदाशिव गोलवलकर ने इस कार्य को विस्तार कर निरंतर आगे बढ़ाया है और 100 वर्षों की इस यात्रा में संघ ने दैनिक शाखा द्वारा अर्जित संस्कारों से समाज का अटूट विश्वास और स्नेह प्राप्त किया। आगे श्री कश्यप ने कहा कि संघ के कार्यकर्ताओं-प्रचारकों ने अपना घर परिवार छोड़कर सूखी रोटी खाकर भी संघ कार्य में तन मन धन से जुट कर इस कार्य को किया है, लाखों कार्यकर्ताओं का अपना घर परिवार, खुशी छोड़कर समर्पण इस कार्य में लगा है। तब जाकर संघ के 100 वर्ष पूर्ण हुए हैं और भारत सहित विश्व में संघ का इतना कार्य विस्तार हुआ है। लाखों कार्यकर्ता इस कार्य में निरंतर 100 वर्षों से जुटे हुए हैं एवं 100 वर्ष के इस संघ कार्य में कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान भी दे चुके है इसलिए हम सभी को राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर राष्ट्र हित में काम करना चाहिए। इस पथ संचलन में गणवेशधारी 95 स्वयंसेवकों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई है। वहीं जिला संघचालक के बौध्दिक के बाद कार्यक्रम का समापन कर स्वयंसेवकों को स्वल्पाहार करवाया गया। साथ ही इस पथ संचलन कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन भी उपस्थित रहा। इस अवसर पर सैकड़ों स्वयं सेवक व सामाजिक गण एवं मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लेखपाल ने किया लाखों की राशि का फर्जी आहरण!

खैरलांजी में प्रधान पाठकों का अनिश्चिकालीन धरना प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
खैरलांजी के जनपद पंचायत परिसर में प्रधान पाठकों के द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया है। यह धरना शिक्षकों के द्वारा बीआरसी के लेखपाल वरुण देव घनचले के खिलाफ किया जा रहा है। जिसमें बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति के द्वारा प्रधान पाठकों की डीजी गो आईडी पासवर्ड अपने पास रखकर लेनदेन किया गया है। जिसमें कई भ्रष्टाचार है और जब उन्हें डीपीसी कार्यालय से आईडी पासवर्ड उपलब्ध कराया गया तो उसे उक्त व्यक्ति के द्वारा लॉक किया जा रहा है। जिसको लेकर पूर्व में शासन प्रशासन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। परंतु मामले में कोई कार्यवाही नही होने पर प्रधान पाठकों के द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया है। इस आंदोलन को जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार के द्वारा भरपूर समर्थन दिया जा रहा है तो वहीं विधायक विवेक पटेल के द्वारा धरना प्रदर्शन में उपस्थित होकर प्रधान पाठकों को समर्थन देते हुए शासन प्रशासन से कार्यवाही की मांग की गई है। अन्यथा विधानसभा में इस विषय को उठाने की चेतावनी भी दी गई है। इस अवसर पर प्रधान पाठक क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

तहसीलदार और एसडीएम नाम ज्ञापन

धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों के द्वारा तहसीलदार एवं जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार के द्वारा एसडीएम के नाम का ज्ञापन देकर डीजीगो आईडी पासवर्ड का दुरूपयोग कर राशि आहरित कर भ्रष्टाचार करने के उद्देश्य से धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति पर कार्यवाही करने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेखित हैं की शासकीय शालाओं में 2022-23 से डीजीगो पोर्टल से भुगतान किया जाना था। जिसमें कार्यालय जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी में लेखापाल वरूणदेव के पास बिल लेकर बुलाया जाता था। वह खुद लेनदेन करता था यह घटनाक्रम सत्र 2022-23 से आज दिनांक तक चलता आ रहा है। वरूणदेव एवं विकास खण्ड श्रोत समन्वयक के सहयोग से बीआरसी कार्यालय के कम्प्युटर आपरेटर एवं लेखापाल ने स्वयं के कम्प्युटर से फ र्जी राशि का आहरण किया है। यह घटनाक्रम संज्ञान में दिनांक 29 अगस्त 2025 से आया है। जिसका पत्राचार एवं शिकायत संबधित उच्च अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को प्रेषित की जाती है। और पुन- शिकायत प्रस्तुत कर रहें है। क्योंकि वर्तमान स्थिति में डिजीगो पोर्टल को हम अपने आईडी को खोल रहें है तो बहुत से शिक्षको से खुल नहीं रहा है। जिससे भुगतान किए गए आय व्यय के फर्जी आहरित की गई राशि का ब्यौरा अप्राप्त हो रहा है। मांग हैं की उक्त मामलो की सायबर जाँच की जावे, जॉच दल की जानकारी दें, कम्प्यूटर का आईपी नंबर ट्रेस किया जावेंख् डिजिगो आईडी जो लॉक है उसे अतिशिघ्र खुलवाया जाये एवं मेकर और वेरीफ ायर की आईडी बी आर सी कार्यालय से उपलब्ध काराया जायें, शिक्षकों के द्वारा की गई शिकायत का तत्काल निराकरण किया जावें, उक्त बिंदुओ की जाँच कर अतिशिघ्र कार्यवाही करें। इस अवसर पर बड़ी की संख्या में शिक्षक गण मौजूद थे ।

कार्यवाही होनी चाहियें

जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे ने बताया कि जनपद शिक्षा केंद्र में लेखपाल वरुण देव है। जिसने क्षेत्र के शिक्षकों को प्रताड़ित कर उनका जो ऑनलाइन भुगतान होता है आईडी पासवर्ड स्वयं चलाकर भुगतान किया है। उसी की शिकायत की गई थी पर प्रशासन ने एक्शन लेने की जगह प्रमोशन दे दिया है। जिस व्यक्ति ने करोड़ों का भ्रष्टाचार किया है उसकी जांच कर टर्मिनेट कर गबन की वसूली करने की जगह लेखपाल को बालाघाट में बिठाल दिया गया। हम तो इस अनियमित्ता की जांच की मांग करते हैं हमारे हक में आंदोलन है निकट भविष्य में न्याय नहीं मिला तो चक्काजाम या अन्य तरीके से उग्र आंदोलन होगा।

कलेक्टर का संरक्षण अधिकारी को मिला हुआ है

जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार ने कहा कि सवा महीने हो गए आवेदन जिला पंचायत को दिया है आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिला सीईओ और जिला कलेक्टर से हमने मुलाकात भी किया था आवेदन भी कर चुके हैं की बच्चों के विकास के लिए जो राशि आई थी उसका ग़बन वरुण देव ने किया है। आखरी बार उन्हें हटाने और टर्मिनेट करवाने जांच कर गबन की राशि वसूली करने कहा गया था। किसी प्रकार की दंडात्मक कार्यवाही आज तक नहीं की गई है उल्टा उसका प्रमोशन कर जिले में बिठाल दिया है। जो गलत है हमारी मांगे हैं मामले में जांच हो जांच दल बने उसके सिस्टम का आईपी एड्रेस ट्रेस हो और आईडी खुलवाई जाए, शिक्षकों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज हो ,कार्यवाही होना चाहिए । परंतु यहां तो जिला कलेक्टर का ही संरक्षण अधिकारी को मिला हुआ है।

प्रशासन गलत व्यक्ति को बचाने का प्रयास कर रहा है

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि 11 बजे से शिक्षकों के हित में यहां धरने पर सभी बैठे हैं जनपद शिक्षा केंद्र का मामला है सभी की उचित मांगे है। इसके लिए डीपीसी ,जिला कलेक्टर, जिला सीईओ के पास सभी ने अपनी मांग रखे थे पर उन्हें न्याय नहीं मिला। शासन प्रशासन गलत करने वाले व्यक्ति को बचाने का प्रयास कर रहा है यह गूंगी बहरी सरकार है जिसे जगाने हम यहां बैठे हैं। अधिकारी कर्मचारी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं हम चाहते हैं कि दोषी पर उचित कार्यवाही हो गबन की जांच हो किंतु शासन प्रशासन दोषी को बचा रहा है। मामले में लिखित आरोप लगाए गए हैं सबूत है पर क्यों बचाया जा रहा है पता नहीं मैं प्रधान पाठकों का समर्थन करता हूं और कार्यवाही की मांग करता हूं। उसे बर्खास्त किया जाए यदि नहीं हुआ तो विधानसभा में यह विषय उठाएंगे इस प्रकार गलत व्यक्ति को बचाने की हम निंदा करते हैं।

नमों युवा मैराथन दौड़ को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
कटंगी रोड़ स्थित विश्रामगृह में नमों युवा मैराथन दौड़ को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें जिला स्तर पर आयोजित ११ अक्टूबर को होने वाली मैराथन को लेकर चर्चा की गई की किस प्रकार वारासिवनी से आधिकाधिक लोग इस कार्यक्रम में भाग ले पाएंगे। वहीं प्रत्येक व्यक्ति तक यह आयोजन को पहुंचाने के लिए भी विचार विमर्श भी किया गया।

बताया गया कि यह १३ वर्ष से अधिक उम्र के हर वर्ग के लोगों के लिए है जिसमें पुरुष और महिला के रूप में अलग अलग पुरस्कार रखे गए हैं। १० किलोमीटर की यह पूरी दौड़ होगी जिसमें हनुमान चौक से प्रारंभ होकर हनुमान चौक पर ही समापन किया जाएगा। जिसके माध्यम से स्वदेशी अपनाओं देश बचाओं का संदेश लोगों को देना है। इसमें प्रवेश निःशुल्क है क्यूआर कोड़ के माध्यम से पंजीयन करना होगा। इस अवसर पर किशोर अमूले ,रेखा भारत गोखले ,शैलेन्द्र सेट्टी ,दीप चौहन ,नरेंद्र शुक्ला, सौरभ पटेल ,अमन गाँधी ,विशाल मंगलानी ,राहुल जेमी शेखर, गोली विधित राणा, केशव बैस ,मनोज, सशांक डोंगरे ,अभिषेक चंद्रवार, बिट्टू पारधी ,अयान मेमन ,चारु देशमुख, आकाश हेड़ाऊ ,आशुतोष कोहाड़, अंकित पारधी ,गुरुवेश भद्रवंशी ,सोनू जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भजन संध्या कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
धार्मिक क्षेत्रो में तपस्या रूपी कार्य करने वाली समिति मां अंजनी पुत्र सेवा दल के सफलता पूर्वक तीन साल पूरे होने पर मंगलवार की शाम नगर के जय स्तंभ चौक पर भव्य संगीतमय भजन संध्या का समिति के द्वारा आयोजन किया जा रहा है। प्रसिध्द भजन गायिका अधिष्ठा व अनुष्का के आगमन को लेकर सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। नगर के सबसे बड़े त्योहार पर प्रभु हनुमान जी की सजीव झांकी की जिम्मेदारी मां अंजनी पुत्र सेवा दल के उपर निर्भर रहती है। पिछले तीन साल से कठिन तपस्या के बाद यह झांकी सभी का मन मोहते हुये नजर आ रही है। इस साल इस समिति में लगभग तीन सौ युवाओं का सीधे धर्म के प्रति जुडाव भी होने से समिति की सभी वर्ग खुलकर सराहना कर रहे है। ७ अक्टूबर को जय स्तंभ चौक पर शाम ७ बजे से आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रसिध्द भजन गायिका अपने मधुर भजनो से बाबा खाटू श्याम, भगवा रंग,सालासर बालाजी प्रभू के भजनो के माध्यम से धर्म की अलख जगाकर भक्ति का नया स्वरूप प्रस्तुत करेगी। मां अंजनी पुत्र सेवा दल समिति ने क्षेत्र के सभी भक्तो से भजन संध्या में उपस्थित होकर अपने मन को प्रभू के चरणो में समर्पित करने की अपील भी की है।

वारासिवनी नगर पालिका में सामान्य सभा की बैठक संपन्न

१४ प्रस्तावों पर बनी सहमति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष कक्ष में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके सहित समस्त पार्षद सभापति की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नगर विकास और विभिन्न निर्माण कार्य सहित नामांतरण स्वच्छता जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान परिषद की सामान्य सभा की बैठक में १७ विषय प्रस्तावित किए गए। जिसमें विभिन्न प्रकार के समस्त विषय पर बारी बारी से उपस्थित सदस्यों के द्वारा चर्चा की गई । जहां आपसी सहमति के माध्यम से १४ प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई तो वहीं दो प्रस्ताव को स्वीकृत कर दिया गया एवं एक प्रस्ताव को आगामी समय के लिए प्रस्तावित कर दिया गया। इस प्रकार यह बैठक रही जिसमें नगर विकास के कई निर्णय लिए गये। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती रितु आलोक खरे, श्रीमती डाली विवेक एडे ,श्रीमती ललिता लोकेश ठाकरे ,श्रीमती दीपा प्रवीण रुसिया, मोनू लिमजे ,आशुतोष कोहाड ,धरमु जोशी, मदन धार्मिक ,पवन धुर्वे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नपा ने किया १४ प्रस्ताव पास

सामान्य सभा की बैठक में समस्त सदस्यों एवं अधिकारियों के द्वारा परिषद की बैठक में विचार कर सर्व सम्मति से निर्णय लेकर नगरीय क्षेत्र में प्रेक्षा गृह ऑडिटोरियम निर्माण करवाने, बस स्टैंड के पास शॉपिंग कांप्लेक्स निर्माण कार्य में ऑनलाइन निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर की स्वीकृति, सीएमओ क्वार्टर के सामने शॉपिंग कंपलेक्स की ई निविदा, सीएमओ क्वार्टर एवं शॉपिंग कांप्लेक्स निर्माण में ई निविदा में प्राप्त दर, वार्ड नंबर ८ में सामुदायिक भवन स्लैप एवं मरम्मत कार्य में ई निविदा की दर, वार्ड नंबर १५ में महात्मा गांधी शॉपिंग कांप्लेक्स के द्वितीय तल की नीलामी, आरसीसी नाली, पेवर ब्लॉक, विद्युतीकरण कार्य में ई निविदा दर, वार्ड नंबर २ में आंबेडकर मंगल भवन के रिनोवेशन निर्माण कार्य में ही ई निविदा की दर, नगर पालिका की दुकान मोटर स्टैंड ब्लॉक नंबर ६ की दुकान क्रमांक १ से ९ तक की लीज निरस्त किए जाने एवं उक्त दुकानों को तोड़कर पीछे निर्माण किए जाने, नगर पालिका क्षेत्र में सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चौक चौराहा पर इंस्टॉलेशन आफसोलर स्ट्रीट लाइट सिस्टम, रोड़ सेफ्टी आइटम, इंस्टॉलेशन ऑफ ट्रैफिक कैमरा एंड एडवरटाइजिंग साइनबोर्ड के डीपीआर तैयार करने, स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट ट्रीटमेंट प्लांट अंतर्गत भूमि खरीदने, टोंडिया नाले के स्टाफ डैम का कार्य पूर्ण करने पालिका को हस्तांतरण किए जाने, बस स्टैंड के पास शॉपिंग कंपलेक्स की दुकानों के आरक्षण एवं दुकानों हेतु निर्धारित मूल्य के अनुमोदन करने ,भवन भूमि के नामांतरण प्रकरणों पर विचार करने जैसे विषयों पर विचार मंथन कर स्वीकृति दी गई। तो वहीं दो प्रस्ताव को अस्वीकार कर हाउसिंग बोर्ड की वैनगंगा कॉलोनी को नगर पालिका में हस्तांतरण किए जाने के विषय को आगामी समय के लिए टाल दिया गया।

नगर विकास में लगातार प्रयास

श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने चर्चा में बताया कि आज नगर पालिका की सामान्य सभा की बैठक रखी गई थी। इसमें १७ विषय प्रस्तावित किए गए थे जिसमें कांप्लेक्स निर्माण नीलामी सीएमओ क्वार्टर व अन्य निर्माण जैसे १४ प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इसमें हमारा एक प्रस्ताव था नगर पालिका की दुकान बस स्टैंड ब्लॉक नंबर ६ की दुकान क्रमांक १ से ९ तक की नौ दुकान जो बीच में है उसका पहले निर्माण करने के बाद उक्त व्यक्तियों को दुकान दी जाएगी। फिर उनकी दुकान हटाकर आगे का निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार से सभी विषय पर विचार विमर्श किया गया है नगर विकास में लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

तहसील कार्यालय में जल भराव से आवागमन बाधित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
तहसील कार्यालय में पानी निकासी की व्यवस्था नही होने से जल भराव की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र से आने वाले पक्षकारों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ,जिससे लोगों के कपड़े खराब हो रहे हैं तो वहीं लोग दुर्घटनाग्रस्त भी उक्त स्थान पर हो रहे हैं। क्योंकि जल भराव के साथ अंदर में जो मालमा डाला गया है वहां बड़े बड़े पत्थर रखे हुए है। जिस पर से मोटर साइकिल या साइकिल चलाना बहुत मुश्किल है। ऐसे में लोगों को समस्या हो रही है व्यवस्था बनाए जाने की मांग क्षेत्र वासियों के द्वारा की जा रही है। विदित हो की अनुविभाग केंद्र का यह एक बड़ा तहसील कार्यालय है ,एसडीएम कार्यालय भी लगता है। अपने कार्यो को लेकर वारासिवनी के साथ खैरलाँजी और लालबर्रा क्षेत्र के भी लोग प्रतिदिन आना जाना करते हैं तो वहीं इसी परिसर में रजिस्ट्रार कार्यालय भी है। जहां लोग जमीनों की रजिस्ट्री कराने आते हैं इस परिस्थिति में रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आना जाना लगा रहता है। किंतु पिछले कई वर्षो से तहसील कार्यालय में जल भराव की स्थिति बनती जा रही है। पिछली मर्तबा मुरूम डलवाई गई थी उसके बाद खदान का मालवा डलवाया गया है परंतु जल भराव की स्थिति पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रही है। जहां छोटे बड़े वाहन से आने वाले लोगों के वाहन के चलने से पानी के छींटे लोगों के ऊपर उड़ रहे हैं जो उनके कपड़ों को खराब कर रहे हैं। परिसर में बड़े बड़े पत्थर होने के कारण मोटर साइकिल चालक दुर्घटनाग्रस्त भी हो रहे हैं। पूरे परिसर में जल भराव की

समस्या से निपटने के लिए केवल मालवा डलवाने का कार्य किया गया है,परंतु आज तक पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसका परिणाम है कि जल भराव की समस्या से तहसील कार्यालय को निजात नहीं मिल पा रहा है। जहां पर आला दर्जे के प्रशासनिक अधिकारी बैठकर पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित करने का कार्य करते हैं परंतु उनके सामने ही अव्यवस्था बनी हुई है। ऐसे में दूर दराज से आने वाले पक्षकारों के द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था कर परिसर को डामरीकरण या सीटेंमतीकरण किए जाने की मांग की जा रही है।

समस्या कई वर्षो की समस्या है

ग्रामीण नीलाजी बिसेन ने बताया कि जमीन के कार्य से तहसील कार्यालय आना जाना लगा रहता है। पहले से देख रहे हैं यहां पर जल भराव की समस्या है इसका समाधान आज तक नहीं किया गया है अभी बारिश का पूरा पानी यहां जमा है। इससे लोगों को दिक्कत ही हो रही है और हमेशा दिक्कत है ,क्योंकि गाड़ियों के आने जाने से लोगों के कपड़े भी खराब हो रहे हैं। हर किसी को बचकर आना पड़ रहा है अधिकारी को इधर ध्यान देना चाहिए।

पानी निकासी का साधन नही होने से हो रही परेशानी-मनोज साहू

मनोज साहू ने बताया कि तहसील ग्राउंड में बारिश का पानी जमा हो जाता है पानी निकासी के लिए किसी भी तरह का प्रयास नहीं किया गया। ना ही तहसीलदार ध्यान दे रहा है ना एसडीएम पहले जो मलमा डाला गया है उसमें बड़े बड़े फ्त्थर है जो मोटरसाइकिल के टायर को पंचर कर रहे हैं लोगों को दुर्घटना ग्रस्त कर रहे हैं। जल भराव की समस्या का हल केवल मलमा डालने में ढूंढा जा रहा है जबकि पानी निकासी का साधन बनाना चाहिए जो अभी तक नहीं हुआ। पूरे परिसर का डामरीकरण या सीमेंटीकरण होना चाहिए पूरे क्षेत्र के लोग यहां आते हैं अच्छा नहीं लगता है।

आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के विद्यार्थीयों ने जिते कराटे खेल में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

पदमेश न्यूज। वारासिवनी।
आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के विद्यार्थीयों ने कराटे खेल में भी परचम लहराकर कप में स्वर्ण रजत और कांस्य पदक जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गत दिवस इम्फा कप मध्य प्रदेश का आयोजन एकलव्य एकेड़मी बालाघाट में किया गया था। जिसमें भारत के कई राज्यों में पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश की टीमों ने भी भाग लिया था। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर विद्यालय और जिले का नाम भी रोशन किया है। सफ

लता प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों में जीज्ञान ऐडपाचे गोल्ड मेडल ,अक्षत डोहरे सिल्वर मेडल, प्रत्यूष पानेकर सिल्वर मेडल ,बिनीश फ ातिमा सिल्वर मेडल ,आकृति पटले सिल्वर मेडल, डोरी बिसेन सिल्वर मेडल , तामेश मेरावी ब्रॉन्ज मेडल ,चित्रांश पंचेश्वर ब्रॉन्ज मेडल ,पूर्वी भजने ब्रॉन्ज मेडल ,अराधना कुमारी यादव ब्रॉन्ज मेडल ने खेल प्रतिभा का शानदार परिचय कराया है। इस प्रकार इस विद्यालय ने १ स्वर्ण, ५ रजत, ४ कांस्य पदक कुल दस पदक हासिल किये है। विद्यालय के डायरेक्टर अब्दुल रब कुरैशी, प्राचार्या डॉ. दया राउत तथा पी.टी.आई. गणेश बोढे ने विजेता छात्रों को हार्दिक बधाई प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना भी की है। डायरेक्टर अब्दुल रब कुरैशी ने बताया कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि ना सिर्फ विद्यालय बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व की बात है। आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी निरंतर विद्यार्थियों के शैक्षणिक और खेल विकास दोनों में उत्कृष्टता की दिशा में कार्यरत है।

संपादकीय

भ्रम के सहारे आइएएस कोचिंग!!

यह बेहद अफसोसनाक है कि दिल्ली जैसे शहर में कुछ मशहूर कोचिंग संस्थान भी अपने प्रचार में भ्रामक बातों का सहारा लेकर विद्यार्थियों को दाखिला लेने के लिए आकर्षित करते हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए पहले भी कार्रवाई की थी, लेकिन कई कोचिंग संस्थानों ने अपने प्रचार में भ्रम परोसना जारी रखा। अब एक बार फिर प्राधिकरण ने भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दिल्ली स्थित एक जाने-माने कोचिंग संस्थान पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। संभव है कि भारी कमाई करने वाले किसी संस्थान के लिए यह रकम बहुत बड़ी न हो, लेकिन इस जुर्माने से यह एक बार फिर स्पष्ट होकर सामने आया है कि इस तरह के संस्थान सार्वजनिक रूप से झूठे आंकड़े रखते हैं और विद्यार्थियों को बरगलाते हैं।

> दरअसल, पिछले कुछ दशकों के दौरान ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थान में दाखिला लेकर तैयारी करना एक आम चलन हो चुका है।

गौरतलब है कि प्राधिकरण ने जिस संस्थान पर जुर्माना लगाया, उसने अपने विज्ञापन में संघ लोक सेवा आयोग की एक परीक्षा में दो सौ सोलह उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ उनके चयन का दावा किया था। जबकि प्राधिकरण की जांच में इस दावे को गुमराह करने वाला पाया गया। सवाल है कि इस तरह का भ्रम परोसने की जरूरत किसी संस्थान को क्यों पड़ती है?

दरअसल, पिछले कुछ दशकों के दौरान ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थान में दाखिला लेकर तैयारी करना एक आम चलन हो चुका है। इसके लिए प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले ज्यादातर युवा किसी संस्थान का चुनाव करने के मामले में काफी हद तक उसके बारे में प्रचारित बातों से प्रभावित होते हैं। किसी कोचिंग संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में प्रचार के आकर्षण की बड़ी भूमिका होती है। इसी क्रम में कुछ संस्थान अपने बारे में किए गए प्रचार में जिन बातों का सहारा लेते हैं, उनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं, जो झूठ की बुनियाद पर टिके होते हैं। मसलन, प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की खोज करते विद्यार्थियों को यह बताना कि उस संस्थान में पढ़ने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की। जाहिर है, ऐसी बातों से युवा आकर्षित होंगे, लेकिन सवाल है कि भ्रम की बुनियाद पर चलने वाले कोचिंग संस्थान अपने बारे में कैसा मानक सामने रख रहे हैं!

वैचारिक भिन्नता का सम्मान हो!

मानव समाज, बल्कि समस्त प्राणी समाज विविधता से परिपूर्ण है. इस बात को प्राणी समाज तक ही सीमित क्यों रखें? समस्त सृष्टि ही विविधता से भरी है. कोई भी दो चीज़ें हू-ब-हू एक-सी नहीं मिलेंगी. दो पर्वत, दो नदियां, दो मनुष्य, दो पशु - सब कहीं न कहीं एक दूसरे से भिन्न पाए जाएंगे. यह विविधता ही हमारी सृष्टि को सुंदर बनाती है, सुंदर भी और मुकम्मल भी. हम सब एक दूसरे के पूरक हैं. जो मुझमें कम है उसकी पूर्ति कोई और करता है और इसी तरह किसी और की अपूर्णता में मैं अपना योग देता हूं. यह विविधता केवल भौतिक रूप में ही सर्व व्याप्त नहीं है, वैचारिक रूप में भी विद्यमान है. ऐसा शायद ही कभी होता हो कि किन्हीं दो लोगों के विचार पूरी तरह एक जैसे हों. यहां तक कि अगर कुछ लोग एक संगठन के सदस्य हैं तो भी उनमें थोड़ी बहुत वैचारिक भिन्नता होती ही है. यहीं हम भारत के स्वाधीनता संग्राम को याद कर सकते हैं. हर कोई चाहता था कि देश पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हो जाए, लेकिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सब की योजनाएं भिन्न-भिन्न थीं. गरम दल और नरम दल की अभिव्यक्तियों को याद किया जा सकता है. अगर इससे हट कर सोचें और भक्ति की दृष्टि से विचार करें तो यह बात याद आएगी कि कुछ लोग सगुण ईश्वर की उपासना करना पसंद करते हैं तो कुछ निर्गुण ईश्वर की. और जो सगुणोपासक हैं वे भी सबके सब एक ही भगवान को तो नहीं पूजते हैं. कोई विष्णु का उपासक है तो कोई शिव का और कोई शक्ति का. कोई राम का उपासक है तो कोई कृष्ण का. द्वैत-अद्वैत, निवृत्ति-प्रवृत्ति, शाकाहार-मांसाहार, त्याग-भोग, इहलोक-परलोक, लोकल-ग्लोबल, आस्था-अनास्था, आस्तिक-नास्तिक, पूर्व-पश्चिम, गेहूं-गुलाब, वाम-दक्षिण ऐसी अनेक विविधताएं और विभिन्नताएं याद की जा सकती हैं. ये सब हमारे चारों तरफ विद्यमान हैं और हम बहुत सहजता से इनके बीच में जी रहे हैं.

अगर हम केवल मनुष्य की बात करें तो याद किया जा सकता है कि मनुष्य एक विचारशील प्राणी है और वह अपने परिवेश, अपनी पृष्ठभूमि, अपने अनुभवों, अपने संस्कारों से बहुत कुछ सीखता है और ये सब मिलकर उसकी वैचारिकी का निर्माण करते हैं. अब क्योंकि हरेक का परिवेश और परिस्थितियां भिन्न होते हैं, उसकी मानसिकता भी दूसरों की मानसिकता से भिन्न होती है. लेकिन क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी भी है उसमें यह क्षमता भी अंतर्निर्मित है कि वह अपने से भिन्न विचारों के साथ लगभग सहजता से जीता है. भारत जैसे विविधता भरे देश में तो यह बात और भी अधिक देखी जा सकती है. हमारे यहां तो कहा भी गया है, मुंडे मुंडे मतिर्भिन्ना कुंडे कुंडे नवं पय- ।/ जातौ जातौ नवाचारा- नवा वाणी मुखे मुखे ।। सरल हिंदी में इसे इस तरह समझा जा सकता है- भिन्न-भिन्न मस्तिष्क में भिन्न-भिन्न मति (विचार) होती है, भिन्न-भिन्न सरोवर में भिन्न-भिन्न प्रकार का पानी होता है, भिन्न-भिन्न जाति के लोगों की भिन्न-भिन्न जीवन शैलियाँ (परम्परा, रीति-रिवाज) होती हैं और भिन्न-भिन्न मुखों से भिन्न-भिन्न वाणी निकलती है卐 अधिक विस्तार में न जाकर केवल इतना कहा जा सकता है कि सारा सौंदर्य विविधता में ही होता है. एक बाग में जाकर अगर आप केवल एक ही तरह के फूल देखेंगे तो आपको वह आनंद नहीं मिलेगा जो विभिन्न किस्मों के फूलों को देखने से मिलता है. असल में हम सब अपनी विविधताओं के कारण एक बहुरंगी समाज रचते हैं और वह समाज एकरंगी समाज से कहीं बेहतर होता है. लेकिन यह देखना बहुत पीड़ादायी है कि इधर कुछ समय से हमारे यहां विविधता को ख़त्म कर सब कुछ एक जैसा कर देने पर बड़ा बल दिया जा रहा है. पता नहीं यह बल देना कितना सफल होगा.

यह बात तो भविष्य ही बताएगा.

लेकिन इधर जो बात मुझे बहुत पीड़ादायी लगती है और विचलित करती है वह यह है कि लोग अपने से भिन्न विचारों को स्वीकार करना तो दूर उनको कुचल डालने पर आमादा होते जा रहे हैं. निश्चय ही पूरा समाज ऐसा नहीं कर रहा है, लेकिन समाज का एक तबका, जो अधिक मुखर भी है, वह हर विरोधी आवाज़ को दबा-कुचल डालना चाहता है. अगर मैं शाकाहारी हूं तो मुझे किसी अन्य का मांसाहारी होना स्वीकार्य नहीं रह गया है. अगर मैं किसी एक धर्म को मानता हूं तो मैं यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हूं कि कोई अन्य किसी दूसरे धर्म को भी मान सकता है. अपने राज्य में मैं दूसरे राज्य वालों को रहने देना नहीं चाहता. मैं कपड़ों से पहचानने लगा हूं कि दूसरा मुझ जैसा है या नहीं है. अगर नहीं है तो मैं चाहूंगा कि वह या तो मुझ जैसा हो जाए या फिर दफा हो जाए. जीवन शैली से हटकर यह बात विचारों के मामले में भी सामने आने लगी है. इस बात का ताज़ा उदाहरण है अपने राज्य के एक विश्वविद्यालय के कुलगुरु वाला प्रसंग. ऐसा कहा गया कि उन्होंने अतीत में कभी किसी मुस्लिम शासक की प्रशासनिक दक्षता की सराहना कर दी थी (बाद में उन्होंने इसके लिए पहले तो अपना स्पष्टीकरण दिया और फिर सार्वजनिक क्षमा याचना कर ली.). इस बात पर एक तबका बहुत क्रुद्ध है. उसने धरना-प्रदर्शन-आंदोलन-तोड़ फोड़ सब कुछ किया और अब वह तबका कुलगुरु के पदत्याग की मांग कर रहा है.

अब इस प्रसंग पर ज़रा खुले मन से विचार करें. कोई भी व्यक्ति, उसमें सम्बद्ध शासक भी शामिल है, एक रंगी तो होता नहीं है. उसमें अच्छाई और बुराई सभी चीज़ें होती हैं. रावण बहुत बुरा था, लेकिन यह भी सच है कि वह परम विद्वान था. क्या कल को किसी का यह कहना भी अपराध हो जाएगा कि रावण विद्वान था? इसके अलावा, आकलन का हरेक का अपना नज़रिया होता है. कुछ के लिए गांधी महान हैं, कुछ के लिए नहीं हैं. कुछ लोग गोडसे को बुरा मानते हैं तो कुछ नहीं मानते. क्या हम अपने से भिन्न मत को सहन ही करने को तैयार नहीं रह गए हैं? आखिर यह कौन तय करेगा कि किसका मत सही है? क्या हम जिसकी लाठी उसकी भैंस वाले आदिम युग में आ गए हैं कि जिसके पास डंडा होगा उसी की बात मानी जाएगी. भाई, आप किसी की बात से असहमत है तो उसका खंडन कीजिए, अपने तर्क दीजिए. समाज आपकी भी बात सुनेगा. लेकिन जो आपसे भिन्न मत रख रहा है उससे यह उम्मीद क्यों की जाए कि वह अपना मत बदल कर आपकी ही बात अपने मुंह से कहने लगेगा. क्या आप खुद ऐसा करने को खुशी-खुशी तैयार होंगे? मुझे यह बात और भी बुरी लगी कि वैसे तो हमारी संस्कृति में, जिसकी दुहाई खूब दी जाती है, गुरु परम आदरणीय है. मौके बेमौके 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े' भी कहा जाता है. लेकिन जब बात अपने वैचारिक आग्रह की होती है तो हम भूल जाते हैं कि कौन गुरु हैं और कौन शिष्य. यहां तो मामला केवल गुरु का नहीं, कुलगुरु का है. कुलगुरु अर्थात गुरुओं का गुरु. पुरानी शब्दावली में विश्वविद्यालय का वाइस चांसलर. हम उससे माफ़ी मंगवा कर (कितना पीड़ादायी रहा होगा!) भी संतुष्ट नहीं होते हैं. बिल्कुल ज़रूरी नहीं है कि जो उन्होंने कहा, उससे आप सहमत हों. लेकिन आप वॉल्टेयर के नाम से प्रचलित इस कथन को कैसे अनसुना कर सकते हैं कि 卐मैं आपकी बात से असहमत हो सकता हूँ, लेकिन मैं आपके कहने के अधिकार की रक्षा मरते दम तक करूँगा.卐 वैसे यहीं यह भी कह दूं कि मूलत- यह कथन वॉल्टेयर का नहीं है. असल में यह बात एवलिन बीट्राइस हॉल ने अपने उपन्यास द 'फ्रेंड्स ऑफ वॉल्टेयर' में वॉल्टेयर के विचारों का वर्णन करते हुए लिखी थी. एक सभ्य समाज में यही तो अपेक्षा की जाती है कि जिनके विचारों से आप असहमत हों, उनके विचारों को भी कुचलें नहीं. यों भी, समाज का निर्माण और विकास विभिन्न परस्पर विरोधी विचारों की टकराहट से ही होता है. अपने विचार से भिन्न विचार के प्रति सहिष्णु रहकर ही हम एक स्वस्थ समाज को आकार प्रदान कर सकते हैं.

वैचारिक भिन्नता और उसका स्वीकार किसी भी समाज के स्वस्थ होने का सबसे बड़ा लक्षण है. अगर हम वैचारिक भिन्नता को नष्ट करने का प्रयत्न करते हैं तो समझ लीजिए कि अपने पैरों पर कुल्हाड़ी चला रहे हैं. कामना करें कि हम सब में यह विवेक जाग्रत हो कि हम वैचारिक भिन्नता को सद्भाव और गरिमा के साथ स्वीकार करें।

- गोपाल अग्रवाल

आज का प्रेरक प्रसंग

!! मृतक का आयु!

एक बार एक व्यक्ति किसी गांव के पास से प्रवेश कर रहा था। उस मार्ग में श्मशान भूमि थी, उसने श्मशान भूमि में पत्थरों के ऊपर मरने वाले की आयु लिखी हुई देखी 5 वर्ष, 8 वर्ष, 10 वर्ष और 20 वर्ष।

उस व्यक्ति ने सोचा कि इस गांव में सभी की मृत्यु अल्प आयु में ही हो जाती है। वह व्यक्ति गांव में गया तो गांव वालों ने उस व्यक्ति की बहुत सेवा सत्कार किया। वह व्यक्ति कुछ दिवस उस गांव में ठहरने के बाद वहां से जाने के लिए तैयार हुआ और गांव वालों को बताया कि मैं कल प्रात: जा रहा हूँ।

उसकी बात सुनकर गांव वाले बहुत दुखी हुए और कहने लगे हमारे से कोई त्रुटि हुई है तो बताओ परंतु आप यहाँ से न जाओ, आप इसी गाँव में ठहर जाओ। वह व्यक्ति कहने लगा कि इस गांव में, मैं और अधिक नहीं रह सकता, क्योंकि इस गांव में मनुष्य की अल्प आयु में ही मृत्यु हो जाती है।

उसकी बात सुनकर गांव वाले हँसने लगे और बोले देखो- हमारे बीच में भी कोई 60 वर्ष, 70 वर्ष और 85 वर्ष का भी है। तो उस व्यक्ति ने पूछा कि श्मशान भूमि के पत्थरों पर लिखी मृतक की आयु का क्या कारण है ?

गांव वाले कहने लगे कि हमारे गांव में एक प्रथा है कि व्यक्ति सारा दिन कार्य करके, फिर भगवान का भजन कीर्तन, जीव की सेवा करके, रात्रि को भोजन करने के बाद, जब वह सोने जाता है, तब वो अपनी डायरी के अंदर यह बात लिखता है कि आज कितना समय भगवान का सत्संग, भजन - सुमिरन किया।

जब उस व्यक्ति की मृत्यु होती है, तब उसकी लिखी हुई डायरी लेकर उसके किये हुए भजन सिमरन के समय को जोड़ कर हम उसे महीने और वर्ष बनाकर उसे पत्थरों पर लिख देते हैं। क्योंकि मनुष्य की असली आयु तो वही है जो उसने भगवान के भजन - सुमिरन में बिताई है।

मनुष्य का बाकी जीवन तो संसार में ही व्यर्थ चला गया..!!

एक थे बैजू बावरा !

लोकमानस में गहराई तक धंसे बैजू बावरा के बारे में ज्यादातर लोगों का मानना है कि यह एक काल्पनिक चरित्र का नाम है जिसे सदियों से चली आ रही किंवदंतियों और 1952 की हिंदी फिल्म 'बैजू बावरा' ने लोकप्रिय बना दिया था। ऐतिहासिक तथ्य यह है कि बैजू बावरा मुग़ल सम्राट अकबर के महान दरबारी गायक तानसेन के समकालीन विख्यात ध्रुपद गायक थे। 1542 की शरद पूर्णिमा को चंदेरी में जन्मे बैजू बावरा का असली नाम पंडित बैजनाथ मिश्र और घरेलू नाम बैजू था। बचपन से ही संगीत में उनकी बेपनाह रुचि थी। चंदेरी की एक युवती कलावती से वे अथाह प्रेम करते थे और उसे अपने संगीत की प्रेरणा मानते थे। कलावती के प्रति ज़ुनून के कारण उन्हें लोगों ने बावरा नाम दिया। प्रेम को संगीत का आठवां सुर मानने वाले बैजू ने यह नाम सहर्ष स्वीकार भी कर लिया। बैजनाथ मिश्र ने तानसेन के साथ ही वृंदावन के स्वामी हरिदास से संगीत की शिक्षा पाई थी। शिक्षा पूरी होने के बाद तानसेन अकबर के दरबार में पहुंच गए और बैजू पहले चंदेरी के राजा और फिर ग्वालियर के महाराजा मानसिंह के दरबारी गायक बने। ग्वालियर के जयविलास महल में उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार पं. बैजनाथ मिश्र की गायन प्रतिभा विलक्षण थी। वे राग दीपक गाकर दीये जला देते थे और राग मेघ मल्हार गाकर बादलों को आमंत्रित करते थे। इन विवरणों में अतिशयोक्ति हो सकती है, लेकिन इनसे उनकी गायकी के स्तर का पता तो चलता ही है।

उस काल के दो महानतम गायकों तानसेन और बैजू बावरा के बीच गायिकी का मुकाबला एक ऐतिहासिक तथ्य है। अकबर के दरबार के इतिहासकार अबुल फज़ल और औरंगज़ेब के दरबार के इतिहासकार फ़क़ीरुल्लाह ने अकबर के दरबार में आयोजित उस संगीत प्रतियोगिता का ज़िक्र किया है जिसमें बैजू बावरा की गायिकी से प्रभावित होकर अकबर ने उन्हें सम्मानित किया था। वर्ष 1613 में लंबी बीमारी के चलते बैजू बावरा का निधन हुआ था। चंदेरी में उनकी समाधि मौजूद है जहां हर साल शरद पूर्णिमा को ध्रुपद समारोह का आयोजन होता है।

भारतीय संगीत के इस पुरोधा की स्मृतियों को नमन !

- बैजू बावरा

लोक में राम : भिन्न छबियों का अनूठा मिथक

'राम' शब्द ऋग्वेद में एक राजा के नाम की तरह आया है, उसे पृथवान और वेन नामक राजाओं की तरह प्रशंसनीय और दानवीर बताया गया है.

सीय राममय सब जग जानी. करउं प्रनाम जोरि जुग पानी.

लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्.

पहले लोक और राम, इन दोनों शब्दों पर थोड़ा विचार कर लें. 'लोक' का अर्थ 'फोक' जैसा सीमित नहीं, व्यापक रूप से यह 'लौकिक' दृश्यमान जगत का पर्याय है, जिससे अवलोकन बनता है और आंचलिक भाषाओं, जैसे भोजपुरी में, लउक हो जाता है।

छत्तीसगढ़ी में कहते हैं, लउकत-गरजत, यानि बादल का गरजना और बिजली की चमक. अंधेरी रात में बिजली चमकती है तो सारा दृश्य क्षण भर के लिए प्रकाशमान हो जाता है, 'लउक' जाता है।

छत्तीसगढ़ी में एक अन्य प्रयोग है- 'लोखन-लोकन या लउकन ले बाहिर'. इसका अर्थ हुआ, ऐसी बात जिसे प्रत्यक्ष रूप से देखा न जा सके. इसलिए अजीब, अनहोनी, अविश्वसनीय के आशय में भी प्रयुक्त होता है. अंगरेजी का 'लुक' भी इसी मूल से आता है और त्रिलोचन, राजीवलोचन का 'लोचन' तो है ही.

बंगला कृत्तिवास रामायण और निराला की 'राम की शक्तिपूजा' में राम को राजीवनयन और को रावण लोहितलोचन कहा गया है. अंतिम दृश्य में राम याद करते हैं-'कहती थीं माता मुझे सदा राजीवनयन', और अपना एक नयन देकर एक सौ आठ में एक कम पड़ रहे नीलकमल की पूर्ति करने को उद्यत होते हैं।

'राम' शब्द ऋग्वेद में एक राजा के नाम की तरह आया है, उसे पृथवान और वेन नामक राजाओं की तरह प्रशंसनीय और दानवीर बताया गया है. राम को रां से भी जोड़ा जाता है, जिसका अर्थ 'लाल' है. इसी से रंज या गुस्से में लाल होना निकलता है या 'जियो मेरे लाल' या लल्ला, जहां लाल का अर्थ पुत्र है. छत्तीसगढ़ी में लाल के लिए समानार्थी शब्द 'रंगहा' है, जहां रंग का मतलब ही लाल है. संभव है कि यह खून के रंग के कारण समानार्थी हुआ हो, जैसे अपने पुत्र-पुत्री वंशजों को 'अपना खून' कहा जाता है।

शक्ति की मौलिक कल्पना

शास्त्रीय संदर्भ में पुरुषों को सप्त-पद्मांग माना जाता है- एक मुख, दो आंखें, दो हाथ और दो पांव. मगर नारायण विशिष्ट 'अष्ट-पद्मांग' हैं, जिनकी नाभि, सृजन-पद्म है. इसी कविता में एक उल्लेखनीय पद है 'शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन'. यहां ऐसा जान पड़ता है कि पूजा के लिए आंख बंद कर, आंतरिक शक्तियों का स्मरण कर और उन्हें जागृत करने का संकेत है कि आंखें बंद करने या खो देने या न रहने पर दृश्यमान लौकिक जगत के व्यापार से मुक्त होकर अंत:करण की ओर उन्मुख हो जाना है, जिससे शक्ति की मौलिक कल्पना संभव होगी.

कृत्तिवास रामायण, तमिल कम्बन रामायण और तुलसी मानस, आंचलिक भाषाओं में रचित सोलहवीं सदी की लगभग समकालीन रचनाएं हैं. इस संदर्भ में माधव कंदली की असमी रामायण को याद कर लेना चाहिए, जिन्हें आधुनिक आर्य-भाषाओं का प्रथम काव्य माना गया है. इसमें सीता का नख-शिख वर्णन, रीतिकालीन नायिकाओं की तरह या कालिदास के कुमारसंभव की पार्वती की तरह है, जो श्रद्धा-भक्ति भाव को आहत कर सकता है. कवि माधव स्वयं को 'अहर्निशि चिंता राम राम' करने वाले और अपने बारे में कहते हैं-

'कविराजकंदलीआमाकेसेबूलिकय, कविलोहोसबजनबोधे.

इसका अर्थ हुआ कि लोग 'मुझे कविराज कंदली बुलाते हैं. मैं सब लोगों के बोध का कवि हूं.' यानी मैं सुबोध कवि, ऐसा कवि हूं, जिसका काव्य लोगों को आसानी से समझ में आ जाए. ऐसा वे इसलिए कह रहे हैं कि रामकथा देवभाषा-संस्कृत में होती थी, जिसे वे आमफहम असमी में रच रहे थे।

त्रेता के धनुर्धारीराम और द्वापर के गोपालक कृष्ण

राम की संज्ञा वाले अन्य पात्र वैदिक-पौराणिक साहित्य में भी हैं. 'राम' शब्द विभिन्न एशियाई भाषाओं में है, अधिकतर सकारात्मक आशय वाला. वैदिक साहित्य के

'राम' शब्द ऋग्वेद में एक राजा के नाम की तरह आया है. राम को रां से भी जोड़ा जाता है, जिसका अर्थ 'लाल' है. इसी से रंज या गुस्से में लाल होना निकलता है या 'जियो मेरे लाल' जहां लाल का अर्थ पुत्र है. छत्तीसगढ़ी में लाल के लिए समानार्थी शब्द 'रंगहा' है. संभव है कि यह खून के रंग के कारण समानार्थी हुआ हो, जैसे अपने पुत्र-पुत्री वंशजों को 'अपना खून' कहा जाता है।

'राम' का शाब्दिक अर्थ रम्य, रमणीय या सुखद जैसा है. राम का एक अर्थ सुखद -आदर्श पुत्र भी माना गया है।

परशुधारी परशु 'राम' हैं. त्रेता के धनुर्धारी राम शिकारी हैं, और सीता, कृषि-कर्म, हल जोतने से उत्पन्न हुई हैं. द्वापर में राम हलधर यानी बल'राम' हो जाते हैं, सीता से उनका नाता जुड़ता दिखाई देता है. यों भी सीता के पिता विदेहराज जनक, सीरध्वज हैं यानि जिनके ध्वज पर सीर-हल हो, मानों वह कृषक समाज के झंडाबरदार हों.

राम के वन-गमन से जुड़े दो रोचक प्रसंग हैं, जिसमें पहला भास के 'प्रतिमा' नाटक का है. नाटक के आरंभ में राम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही है. सीता की सेविका संयोगवश अशोकपत्र के बजाय वल्कल यानी पेड़ की छाल से बना वस्त्र ले आती है. सीता पहले तो उसे लौटाने को कहती हैं, मगर उनकी इच्छा वल्कल धारण करने की हो जाती है.

तभी राज्याभिषेक के लिए बज रहे वाद्यों की आवाज अचानक थम जाती है. पता चलता है कि महाराजा ने राम का राज्याभिषेक स्थगित कर उन्हें वन के लिए विदा कर दिया. जब राम सीता से मिलने आते हैं, राम कहते हैं मेरी अर्द्धांगिनी होकर तुमने पहले ही वल्कल पहन लिया, तो समझो मैंने भी पहन लिया.

दूसरा प्रसंग अध्यात्म रामायण का है, जिसमें राम द्वारा सीता को छोड़ कर वन गमन जाने की बात पर सीता तर्क देती हैं-आपने बहुत-से ब्राह्मणों के मुख से बहुत-सी रामायणें सुनी होंगी, बताइये, इनमें से किसी में भी क्या सीता के बिना रामजी वन को गए हैं?

राम और कटहल

सीता की रसोई से जुड़ी दो कथाएं मैंने लोक में सुनी हैं, जिनका संदर्भ मैंने अभी तक किसी ग्रंथ में नहीं पाया है. पहली, जिसमें कहा जाता है कि रामभक्तों को कटहल नहीं खाना चाहिए, क्योंकि भगवान राम ने स्वयं अपने भक्तों को इसे खाने से मना किया है।

हुआ यों कि रामचंद्र को सदल-बल ससुराल में भोज का न्योता मिला. भोज में सारी ऋक्ष-सेना को तो जाना ही था. रामचंद्र जी को चिंता हुई कि पंगत में बैठे बंदर किस तरह पंगत-अनुशासन का पालन करते हुए भोजन करेंगे. हनुमान से मशविरा हुआ और नेता जामवंत को जिम्मा दिया गया. जामवंत ने वानर-यूथ को समझाया कि पंगत में जैसा मैं करूं, तुम सब भी वही करना. पंगत बैठी, भोज आरंभ हुआ।

अनुशासनबद्ध बंदर कसमसाते रहे, भोजन स्वादिष्ट मगर उसमें उन्हें कोई आनंद नहीं. खाने से अधिक उनका ध्यान जामवंत पर था. भोज में कटहल की सब्जी परोसी गई थी. जामवंत कटहल के बीज से गिरी खाने के लिए उसे बीच से काटते हैं और गिरी निकालने के लिए बीज को नीचे से दबाते हैं, यहीं गड़बड़ हो जाती है, गिरी का टुकड़ा उछल जाता है, इस चूक को संभालने के लिए जामवंत गिरी के उछले टुकड़े को लपकने की कोशिश करते हैं, जो और भारी चूक साबित होता है।

सारे बंदरों को लगता है कि कटहल को इसी तरह खाना है, बस उछल-कूद शुरू और सारी पंगत मटियामेट. ससुराल में जगहंसाई हो जाती है. और फिर रामचंद्र का अपने भक्तों के लिए फरमान जारी होता है।

दूसरी कहानी पाक-पारंगत सीता जी की, जिसमें ऋषि-मुनियों को भोज पर आमंत्रित किया गया है. पाकशाला की जिम्मेदारी स्वयं सीता जी ने अपने पर ले रखी है. तरह-तरह के सुस्वादु व्यंजन. पंगत बैठती है, सारे आगंतुक एक-एक व्यंजन का स्वाद लेकर भोज का आनंद लेने लगे. एक व्यक्ति ने लेकिन सभी व्यंजन एक साथ मिला दिए थे. जिन्होंने देखा, भृकुटि तन गई. ऐसे सुस्वादु व्यंजनों के साथ ऐसी हरकत!

उन्होंने कहा- मैं पूरा स्वाद लेकर खा रहा हूं, दरअसल दाल में शायद चुटकी भर नमक कम है. सब लोग हैरान. बात सीता तक पहुंची. सीता ने उन ऋषि को आ कर प्रणाम किया और बताया कि मेरी रसोई की सच्ची परीक्षा इन्होंने ही की है, वास्तव में दाल बनाते हुए नमक कम पड़ गया था, जब तक नमक आता, तब तब पंगत बैठने लगी तो जितना नमक था, उतना ही डालकर दाल बनी और परोस दी गई।

इन दोनों कथाओं का अर्थ क्या हुआ? शायद यह कि भोजन का षटरस संतुलन वही है, जब वह समरस हो. तब लगता है कि गांधी के आस्वाद में शायद समरसता का रामरस होता था. और यह रामकथा अनके रूपों में सुनाई जाती रहेगी।

एक बार कुंभकर्ण ने रावण से पूछा- तुम माया द्वारा राम का वेश धारण करके क्यों नहीं सीता को छलपूर्वक भोगते हो? रावण का उत्तर था- क्या करूं, रामरूप धारण करने पर, मेरी वासना ही शांत हो जाती है, सारी कामतृषा ही समाहित हो जाती है. और अब तो रूप धरने की भी जरूरत नहीं, 'कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहिं पारा.'

इसी तरह हरि अनंत, हरि कथा अनंता ज राम चरित सत कोटि अपारा. और 'यावच्चन्द्रश्च सूर्यश्च यावत् तिष्ठति मेदिनी. यावच्च मत्कथा लोके'. जब तक चन्द्रमा और सूर्य रहेंगे, जब तक पृथ्वी रहेगी, संसार में यह कथा प्रचलित रहेगी।

(ल े ख क बायोडायवर्सिटी एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च सेंटर में धरोहर परियोजना के प्रमुख हैं.)

-राहुल कुमार सिंह
कला-साहित्य/विचार

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से सोमवार को अनाज मंडी में मसूर बाजार मंदी पर रहे। चना 6000 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में नया सोयाबीन 3700-4000 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। किराना जिंसों में ट्रक हड़ताल के मद्देनजर आवकें ठंडी रही। शक्कर में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में लेवाली ठंडी रहने से बाजार मंदी के रहे। चना 50-100 रू. प्रति क्विंटल की मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में नया सोयाबीन 3700-4000 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। उधर, किराना जिंसों में ट्रक ऑपरेटरों की हड़ताल के मद्देनजर बाजार में आवकें सुस्त रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4270, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 940-975, काजू (320) 850-900, काजू एस. डब्ल्यू 880-890, काजू एस.एस. डब्ल्यू 870-880, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1310-1320, मुम्बई 1325-1330, राजकोट तेलिया 2080-2100, सोया साल्वेंट 1165-1170, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1235, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1280, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4250, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5850-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 152500, चाँदी (99) 152400, टंच 151600, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 122600,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया छह पैसे की तेजी के साथ ही 88. 73 पर बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 88.79 पर बंद हुआ। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.74 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इस पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.75 पर खुला।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में अच्छे सम्मान की प्राप्ति होगी और आपको अपने अच्छे कामों के लिए जाना जाएगा। सेहत को लेकर आपको कोई जरूर टेस्ट आदि कराने पड़ सकते हैं। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी देंगी, जिसे पूरा करने में आपको समस्या हो सकती है। आपको परिवार के लिए कुछ समय निकालना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर किसी काम को करने के लिए रहेगा। आप जल्दबाजी में कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें। धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। माताजी की कोई पुरानी समस्या उभर सकती हैं। संतान की नौकरी को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपको किसी कानूनी मामले में अपने पिताजी से सलाह करना पड़ेगा।

मिथुन- आज आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपको अपनी जरूरत की चीजों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप अपने खर्चों को उतना ही बढ़ाएं, जितना कि आप उठा सकें, इसलिए किसी से धन उधार लेने से बचें। आपको अपनी किसी शारीरिक समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेना पड़ सकता है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है।

कर्क- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए कुछ रूपयों का इंतजाम भी करना पड़ सकता है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपकी भागदौड़ बनी रहेगी। धन भी अधिक खर्च होगा, लेकिन आप अपने काम को लेकर किसी अनजान व्यक्ति से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें, क्योंकि वह इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

सिंह- आज आप अपने व्यवसाय में कुछ बदलाव करने की सोचेंगे। कोई कानूनी मामला आपको खुशी देगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आप किसी सरकारी मामले को लेकर परेशान रहेंगे। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी। सिंगल लोगों के अपने साथी से मुलाकात होगी। नौकरी में आपको प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपको एक नई उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। आप अपने साथी से नाराज हो सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए रहेगा। आपको अपने भाई-बहनों की बातों को नजरअंदाज नहीं करना है, क्योंकि वह आपको काम को लेकर कोई अच्छी सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे, जिससे आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे, लेकिन आप अपनी माता जी के सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। कोई काम न होने से आपका मन परेशान रहेगा और यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी मिलने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप किसी के कहने में आकर समस्याओं में पड़ सकते हैं। आज आपको परिवार में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, क्योंकि किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी, जो लोग सिंगल हैं, उनकी अपने प्यार से मुलाकात हो सकती है। किसी समाजिक मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी। आप परिवार में बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, लेकिन आपके मन में किसी बात को लेकर संशय बना रहेगा। यदि ऐसा हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

मकर- आज आप पार्टनरशिप में किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए आपको अपने आंख-कान खुले रखने होंगे, क्योंकि इससे आपकी समस्याएं बढ़ेंगी। आज आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। कोई सरकारी काम आपका पूरा हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपके अंदर ऊर्जा रहने से आप प्रत्येक कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे, लेकिन आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले, तो बेहतर रहेगा। लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा बनने से बचना होगा। बिजनेस कर रहे लोगों को किसी मशीनरी की खराबी के कारण कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनके ऑर्डर जाने में भी देरी हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आएगा। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों में गड़बड़ी करेंगे। आप आलस्य दिखाएंगे, जिससे आपके काम लंबे समय के लिए लटकते चले जाएंगे। आज आपको एक दृढ़ निश्चय करके कामों को करने की आवश्यकता है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में भी सुधार लाएंगे।

शब्दजाल - 8042

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	व	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

शब्दजाल में अभिषेक बच्चन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

सरकार, बंटी और बबली, ओम जय जगदीश, शरारत, दस, कभी अलवीदा न कहना, रन, हम तुम, कुछ ना कहो, तेरा जादु चल गया.

शब्दजाल - 8041 का हल

व	श	मु	कि	स्म	त	हो	प	न	र	द
क्त	क्रि	ल	ना	द	म	जा	ऐ	त	रा	ज
य	के	ब	हे	नि	ही	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	र	न	शा	वा	रो	क	ले	ज	व
प	दा	सा	अं	ने	तो	हो	थ	गो	भ	त
ब	स	त	प	दा	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	ल्फ	न	न	जी	ज	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	मा	प	क्श	प	क	र	चो	न	ख
र	व	त	स्ट	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	आ	प	की	खा	ति	र	जा

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6986

1		2	■	3	4	5	■	6	
	■	7		■	8	9			■
10	11		■	12		■	13		■
■		■	14		■	15		■	16
17		18	■	19		■	20	21	
	■		■		■	22	■		■
■	23		24	■	25				
26		■	27			■	■		■
	■	■		■	28		29	■	30
31			■	32		■	33		

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6985

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	गे	जा	■	धू	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8510

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13		14		15	■
16	■			18		19		20
21	22	■	23	■	24	■	25	
26	■		27	28		29		■
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8509 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	विं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.42 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	08.57 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.13 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.04 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.37 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.46 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.59 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.16 बजे से
बजे तक		कन्या	04.27 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 280 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 09.18 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 05.54 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 01.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 09.31 बजे तदनन्तर व्याघात 05.35 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 09.18 बजे, बालव 19.37 बजे तदनन्तर कौलव 05.54 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 31' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872490 **जूलियन दिन** 2460955.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 14 **विशेष** आश्विन पूर्णिमा, वाल्मिकी जयंती, मीराबाई जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बेकार के हथियार

आचार्य विनोबा भावे अपने ज्ञान और सद्विचारों के कारण समाज के हर वर्ग में लोकप्रिय थे। लोग दूर-दूर से उनसे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते और संतुष्ट होकर जाते। हर विषय पर विनोबा भावे के विचार इतने सरल और स्पष्ट होते कि वे सुनने वाले के हृदय में सीधे उतर जाते थे। उनके शिष्यों में कई विदेशी भी शामिल थे। एक बार आचार्य विनोबा भावे पदयात्रा करते अजमेर पहुंचे। वहां उन्हें एक अमेरिकी पर्यटक मिला जो उनसे काफी प्रभावित था। उस अमेरिकी ने विनोबा भावे के साथ कुछ दिन बिताए और उनसे कई विषयों पर चर्चा की। विदा लेते वक्त उसने कहा, 'मैंने आपसे और आपके देश से काफी कुछ सीखा और अब मैं अपने मुल्क वापस जा रहा हूं। अपने देशवासियों को मैं आपकी ओर से क्या संदेश दूं, जिससे उन्हें लाभ पहुंचे?' विनोबा जी कुछ क्षण के लिए गंभीर हो गए फिर बोले, 'मैं क्या संदेश दे सकता हूं। मैं तो बहुत छोटा आदमी हूं और आपका देश तो बहुत ही बड़ा है। इतने बड़े देश को कोई कैसे उपदेश दे सकता है?' लेकिन अमेरिकी पर्यटक नहीं माना। जब उसने काफी जिद की तो विनोबा बोले, 'अपने देशवासियों से कहना कि वे अपने कारखानों में साल में तीन सौ पैंसठ दिन काम करके खूब हथियार बनाएं, क्योंकि तुम्हारे आयुध कारखानों और नागरिकों को काम चाहिए। काम नहीं होगा, तो बेरोजगारी फैलेगी। किंतु जितने भी हथियार बनाए जाएं उन्हें तीन सौ पैंसठवें दिन समुद्र में फेंक दिया जाए।' विनोबा जी की बात का मर्म समझकर अमेरिकी पर्यटक का सिर शर्म से झुक गया।

सूडोकु नवताल- 7295

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7294 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 183.40 अंक ऊपर आकर 25,077.65 पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी 2.28 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.08 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.15 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी मेटल 0.89 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.90 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, , इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, सन फार्मा,एचडीएफसी

बैंक और एसबीआई टॉप गेनर्स थे। टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक नीचे आये। आज अधिकतर सूचकांकों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 511.75 अंक की तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 49.90 अंक ऊपर आकर 17,928.05 पर था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली ब?त के साथ खुले। आईसीआईसीआई और एचडीएफसी समेत अन्य प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहयोग मिला। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,274.79 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,900 के पार खुला। वहीं वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई 4 फीसदी से अधिक बढ़कर एक रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद थे। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट मिलेजुले रूख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.01फीसदी की बढ़ोतरी हुई, डाउ जोन्स 0.51 फीसदी बढ़ा, जबकि नैस्डैक 0.28 फीसदी नीचे आया।

सोना- चांदी के बाद बिटकॉइन करेंसी 32 फीसदी उछली

नई दिल्ली। ऑटो कंपोनेंट्स बनाने वाली प्रमुख कंपनी एसकेएफ इंडिया ने अपने इंडस्ट्रियल बिजनेस को अलग कंपनी के रूप में स्थापित करने की घोषणा की है। यह डिमर्जर प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है। अब इ ंडस्टि्रयल बिजनेस एक नई इकाई के रूप में एसकेएफ इंडिया इंडस्ट्रीयल लिमिटेड के नाम से काम करेगा। कंपनी ने इसकी जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग के जरिए दी है। एसकेएफ इंडिया ने 2 अक्टूबर को एक अलग फाइलिंग में बताया कि डिमर्जर के लिए रिकॉर्ड डेट 15 अक्टूबर तय की गई है। इस तारीख को जिन शेयरधारकों के पास एसकेएफ इंडिया के शेयर होंगे, उन्हें उसी अनुपात में नई कंपनी के शेयर मिलेंगे। डिमर्जर स्कीम के अनुसार प्रत्येक 1 एसकेएफ इंडिया शेयर पर 1 एसकेएफ इंडिया इंडस्ट्रियल शेयर अलॉट किया जाएगा। नई कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किए जाएंगे। हालांकि, लिस्टिंग की सटीक तारीख की घोषणा रिकॉर्ड डेट के बाद की जाएगी, लेकिन संभावना है कि यह नवंबर 2025 तक हो जाएगी। डिमर्जर के बाद एसकेएफ इंडिया केवल ऑटोमोटिव बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करेगी, जबकि नई कंपनी इंडस्ट्रियल सेगमेंट जैसे कि मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे, रिन्यूएबल एनर्जी, माइनिंग, सीमेंट और मेटल्स में काम करेगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स योजना में घरेलू कंपनियों का दिखा दम, 90 फीसदी आवेदन आए

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) देने वाली स्वदेशी कंपनियां केंद्र सरकार की लगभग 22,805 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना के तहत प्रमुख आवेदक के रूप में उभरी हैं। इन कंपनियों में डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया), दिल्ली की अंबर एंटरप्राइजेज, बेंगलूरु की एक्वस, वाहन कलपुर्जा फर्म संवर्धन मदरसन, मैसूरु की केन्स टेक्नोलॉजी इंडिया और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार लगभग 90 फीसदी आवेदन भारतीय कंपनियों से आए हैं जो उनकी आक्रामक निवेश योजनाओं को दर्शाते हैं। अंबर ने योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए योग्य दो परियोजनाओं में लगभग 4,200 करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव किया है। वह उत्तर प्रदेश के जेवर में हाई-डेंसिटी इंटरकनेक्ट सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट यूनिट लगाएगी जिसका उपयोग मोबाइल उपकरणों, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाता है। इसी तरह डिक्सन ने लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ पांच सेगमेंट में आवेदन किए हैं। वह चीन की फर्म एचकेसी ओवरसीज की साझेदारी में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली प्लांट लगा रही है। मैकेनिक्स (एनक्लोजर) में डिक्सन करीब 500 करोड़ रुपये निवेश करेगी और इसके लिए उसने चोंगकिंग युहाई प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग के साथ समझौता किया है जिसकी 26 फीसदी हिस्सेदारी होगी। लीथियम-आयन सेल विनिर्माण में भी कंपनी करीब 500 करोड़ रुपये लगाएगी। इसके लिए डिक्सन वै?श्विक तकनीकी साझेदार तलाश रही है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का दिया प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी(स्थानीय निर्वाचन) बालाघाट के निर्देशानुसार फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 हेतु नगर परिषद लांजी के सभा कक्ष में 06 अक्टूबर को समय दोप. 2.30 बजे से अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) एवं रजिष्ट्रीकरण अधिकारी कमलचंद्र सिंहसार की अध्यक्षता में स्टेडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा नगरीय निकाय लांजी के वार्डवार नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारियों को फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के संबंध में प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। प्रथम चरण में कंट्रोल टेबल का वेरिफिकेशन, मतदान केन्द्रो के युक्तियुक्तकरण के संबंध में प्रस्ताव तैयार करना। द्वितीय चरण में विधानसभा की अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के आधार पर नगरपालिका की प्रारूप मतदाता सूची तैयार करना, नये एवं बढे हुए मतदाताओं को नगरपालिका वार्ड अथवा पंचायत में शिफ्ट करना, विधानसभा की मतदाता सूची से विलोपित मतदाताओं को पंचायत की मतदाता सूची से हटाने की लिए वेरिफिकेशन कार्य, विधानसभा की मतदाता सूची में मतदाताओं की संशोधन जानकारी नगरपालिका की मतदाता सूची में संशोधित करने के लिए वेरिफिकेशन कार्य, शिफ्टिंग

के संबंध में विवाद का निराकरण कार्य, प्रारूप मतदाता सूची जनरेट करना। तृतीय चरण में प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति प्राप्त करना, उनका निराकरण करना और अंतिम मतदाता सूची तैयार करने का कार्य होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर परिषद लांजी की फोटो युक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य के तहत् 08 अक्टूबर 2025 से मतदाता सूची में नाम जोडने, काटने एवं संसोधन के लिए दावे/आपत्ति लेना प्रारंभ किया जावेंगा। दावे/आपत्ति 17 अक्टूबर 2025 तक प्राप्त किये जावेंगे। मतदाता सूची का पुनरीक्षण 01 जनवरी 2025 के आधार पर किया जावेंगा। नगरीय निकाय लांजी के आम जनता से अनुरोध किया गया है कि मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने के लिए पुनरीक्षण कार्य में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें। 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं निकाय में विवाह होकर आयी नई वधुओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का प्रयास करें। जो मतदाता बाहर जा चुके है या मृत हो चुके है, उनके नाम सूची से काटने एवं मतदाता सूची में किसी प्रकार के संशोधन के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करें। उक्त स्टेडिंग कमेटी बैठक में नगर परिषद से अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, सभापति किशोर रामटेक्कर, दिनेश कचवाहे, श्रीमती शिखा गोस्वामी, श्रीमती कस्तुरा वाकड़े एवं पार्षद संजय सैय्याम, श्रीमती विभा तिवारी, श्रीमती तेजेश्वरी गोदुले, मुकेश रणदिवें, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी के द्वारा उपस्थिति देते हुए वार्डो में मतदाता सूची कार्य के संबंध में अपने विचार रखते हुए, वार्डो से संबंधित कार्य हेतु प्राधिकृत कर्मचारियों को सहयोग प्रदाय किये जाने हेतु सहमति दी गई। उक्त प्रशिक्षण में नगरीय क्षेत्र लांजी के मास्टर ट्रेनर्स आनंद लटारे, बसेना तथा नगरीय क्षेत्र लांजी वार्ड नम्बर 01 से 15 तक नियुक्त 17 प्राधिकृत कर्मचारी एवं कार्यालय नगर परिषद लांजी से नोडल अधिकारी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने के निर्देशन पर राजस्व शाखा प्रभारी संतोष भार्गव, राजस्व शाखा सहायक विनोद रहमतकर, कम्प्यूटर आपरेटर गोविन्द कुमार राऊत, संजय भण्डारकर, बिहारी महोबिया एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

लापता मंगल बुढानसा का चार दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सिरेगांव निवासी मंगल पिता फुन्नूलाल बुढानसा जो विगत 2 अक्टूबर से घर से लापता जिसकी मोटर सायकल 4 अक्टूबर को लांजी खैरागढ मार्ग पर कान्द्रीघाट जंगल में बरामद की गई लेकिन मंगल बुढानसा के विषय में कोई जानकारी प्राप्त नही हो पा रही है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व का आयोजन ग्राम सिरेगांव में आयोजित हुआ था। मंगल बुढानसा इस आयोजन में शामिल हुआ था रात लगभग 8 बजे मंगल अपने घर लौट चुका था घर आने पर पता चला की उसकी बेटी दुर्गा पण्डाल से घर नही लौटी थी जिसको लेने मंगल दुर्गा पण्डाल स्थल रात करीब 8 बजे गया लेकिन उसके बाद से अब तक मंगल बुढानसा का कोई अता पता नही नही चल पाया। परिजनों के द्वारा 3 अक्टूबर को आस पडोस तथा रिश्तेदारी में जानकारी ली गई किन्तु मंगल का कोई सुराग नही लग पाया। आखिरकार मंगल के भाई राजेन्द्र बुढानसा ने मंगल के गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाना लांजी मे दर्ज कराई। 4 अक्टूबर को जानकारी प्राप्त हुई की मंगल बुढानसा की मोटर सायकल कान्द्री घाट पर स्थित बटालियन कैप के समीप खडी है। जानकारी लगते ही परिजन बटालियन कैंप पंहुचे ज्ञात हुआ कि बटालियन में एक जवान अस्वस्थ हो गया था जिसे लेकर बटालियन का अन्य जवान रिसेवाड़ा अस्पताल के लिये 3 अक्टूबर को सुबह निकला जवानों ने रास्तें मे देखा की एक मोटर सायकल गिरी पड़ी है। जवान रूके मोटर सायकल उठाई एवं आस पास तलाशी की लेकिन कोई नजर नही आया। ऐसी दशा में जवानों ने मोटर सायकल को अपने कैंप में लाकर खडा किया वाहन के नंबर से वाहन मालिक को फोन लगाया फोन पीपलगांव के वाहन मालिक को लगा जहां उन्होने बताया कि उसने अपनी यह बाईक सिरेगांव निवासी मंगल बुढानसा को बेच दी है तथा उक्त सूचना पर वाहन मालिक ने मंगल के परिजनों को जानकारी दी की उनकी मोटर सायकल कान्द्रीघाट स्थित बटालियन कैंप में खड़ी है। जिस पर परिजन उक्त स्थल पर पंहुचे तथा परिजनों के द्वारा मोटर सायकल मिले स्थान पर जवानों के साथ खोजबीन की लेकिन मंगल का कोई सुराग नही मिल पाया। मंगल का इस तरह अचानक लापता होना कई सारे सवाल खड़ा

करता है। अनेको सवालों में यह एक सवाल है मंगल कान्द्रीघाट की ओर क्यो गया था, उसकी मोटर सायकल चालू हालात में मिली थी लेकिन मंगल का कोई सुराग क्यों नही चला, क्या कोई दुर्घटना घटित हुई यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है साथ ही इस बात से भी नकारा नही जा सकता कि क्या किसी जंगली जानवर ने हमला किया हो, बहरहाल इस प्रकार के कोई सुराग या निशान नही मिल पाये है। दुसरी ओर लांजी पुलिस मंगल बुढानसा के विषय में जानकारी प्राप्त करने में जुटी हुई है। परिजनो के द्वारा भी लगातार खोजबीन जारी है लांजी और बहेला पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुये सघन जांच कर रही है।

विद्युत करंट की चपेट में आने से दो वर्षीय मासूम बालिका की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्रान्तर्गत एक बार फिर विद्युत करंट की चपेट मे आने एक मासूम बालिका की मृत्यू की घटना सामने आई है। बतादे कि ग्राम कटंगी निवासी अनिल उमरे एवं पल्लवी उमरे की दो वर्ष की मासूम बालिका अवनी उमरे जो कि कुछ दिन पूर्व अपने नाना के ग्राम सिरेगांव गई हुई थी 6 अक्टूबर को सुबह 9 बजे घर में बालिका खेल रही थी एवं बालिका की माँ बहार किसी कार्य से गई हुई थी घर में नानी थी। बालिका खेलते खेलते घर में रखें पंखे के पास पंहुची जो कि पंखा बंद था जैसे ही बालिका ने हाथ लगाया पंखे में विद्युत करंट होने के चलते बालिका विद्युत करंट की चपेट में आ गई। जैसे ही नानी ने देखा तुरंत आस पडोस के लोगो को बताया तथा बालिका की माँ को सूचित किया तथा स्थानीय लोगो की मदद से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां डाक्टर ने प्राथमिक जांच कर बताया कि बालिका की मृत्यू हो चुकी है। बालिका की मृत्यू विद्युत करंट की चपेट में आने बताया जा रहा है। बहरहाल लांजी पुलिस ने इस प्रकरण में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। बालिका अवनी के शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है पुलिस मामले की जांच में जूटी है।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के अंतर्गत पशुपालकों से घर-घर जाकर किया जा रहा सम्पर्क

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पशुपालकों की आय को दोगुना करने एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि लाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की शुरुआत दिनांक 02 अक्टूबर 2025 से की गई है। इस अभियान के तहत प्रत्येक पशुपालक से उनके घर जाकर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें उन्नत पशुपालन संबंधी जानकारी दी जा रही है। बालाघाट जिले में यह अभियान कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन एवं उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एन.डी. पुरी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। अभियान के प्रथम चरण में जिले के लगभग 900 ग्रामों में निवासरत 10 या अधिक गौ-भैंसवंश रखने वाले 04 हजार पशुपालकों से विभागीय अमला एवं मैत्री कार्यकर्ताओं द्वारा संपर्क कर संवाद स्थापित किया जा रहा है। संपर्क अभियान के दौरान पशुपालकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं जैसे डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर योजना, डेयरी प्लस योजना, मुख्यमंत्री दुधारू गाय प्रदाय योजना आदि की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। अभियान में पशुपालकों को पशुओं के नस्ल सुधार हेतु उच्च अनुवांशिक गुणों वाले सीमेन एवं सेक्सेड सॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी दी जा रही है, जिससे आने वाले नस्लों में उन्नयन होकर

दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ सके। पशु पोषण विषय पर विशेष बल देते हुए क्षेत्रीय चारा सामग्री के संतुलित मिश्रण, मिनरल मिक्सचर, नमक इत्यादि के उपयोग से कम लागत में उच्च गुणवत्ता का कम्प्लीट फीड तैयार करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पशुपालकों को गाय एवं भैंस को उनके दूध उत्पादन एवं शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप आहार देने की विधियों की जानकारी दी जा रही है। हरे चारे, भूसा का यूरिया उपचार, साइलैज निर्माण जैसे विषयों की महत्ता पर जोर दिया जा रहा है। टीकाकरण एवं परजीवी नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करते हुए खुरपका-मुंहपका, गलघोंटू एवं एकटंगिया जैसे रोगों से बचाव के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जा रही है। देशी उपचार विधियों एवं क्रमिक कृमिनाशक दवाओं के उपयोग से पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के उपाय साझा किए जा रहे हैं। इस अभियान का मूल उद्देश्य कम खर्च में अधिक उत्पादन द्वारा पशुपालकों की आय में दोगुनी वृद्धि करना एवं पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित करना है। बालाघाट जिले में चलाया जा रहा यह अभियान न केवल पशुपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शासकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता कल

पद्मेश न्यूज। लांजी।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में कल 8 अक्टूबर को मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जिले के सभी शासकीय एवं

अशासकीय महाविद्यालयों की महिला कबड्डी टीम भाग ले सकती है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी, प्रमुख अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रमेश भटेरे, युगेश रामटेक्कर अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, कमलचंद सिंहसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी, ओमप्रकाश भापूसे एसडीओपी लांजी, कार्यक्रम के अध्यक्ष आर आर सोनवाने प्राचार्य शा.महाविद्यालय लांजी की उपस्थित में शुभारंभ 8 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से होगा तथा समापन शाम 5 बजे किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में जिले की समस्त महिला कबड्डी टीमों से भाग लेने की अपील महाविद्यालय प्रबंधन लांजी के द्वारा की गई है।

बेटा बचाओ समिति ने किया मेगा गरबा प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नवरात्रे के पावन अवसर पर संपूर्ण दुर्गा पण्डालो सहित सार्वजनिक स्थलों पर गरबा महोत्सव का विशेष आयोजन देखने में आया है। गरबा नृत्य के तहत महिलाऐं मातारानी की आराधना करते नजर आ रहे थे। इसी कड़ी में बेटा बचाओ समिति से जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा लांजी में गरबा महोत्सव का उत्कृष्ट आयोजन किया गया तथा 7 अक्टूबर को मेगा गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जो कि भारती लॉन भिलाई रोड़ में शाम 7 बजे से आयोजित होगा। बतादे कि गरबा प्रतियोगिता में लांजी सहित जिले के विभिन्न तहसील क्षेत्रो सहित पडोसी राज्य महाराष्ट्र से भी टीमे उक्त प्रतियोगिता में भाग लेंगी, आमंत्रित अतिथियों के समक्ष उक्त प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा जिसमें नगद ईनामी राशि भी बतौर पुरस्कार प्रदान की जावेगी। बेटा बचाओ समिति से ईश्वर उमरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उमरे, सभी सहयोगी जनों की ओर से उक्त गरबा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों को आमंत्रित किया है।

09 अक्टूबर को मनाया जाएगा 26वॉ विश्व दृष्टि दिवस कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम अंतर्गत वर्ष 2000 से हर वर्ष अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को विश्व स्तर पर विश्व दृष्टि दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 26 वॉ विश्व दृष्टि दिवस 9 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे इस कार्यक्रम का आयोजन समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करवाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसकी शुरुआत विभिन्न नेत्र समस्याओं की रोकथाम और उपचार योग्य अंधेपन पर नियंत्रण के बारे मे जन जागरूकता बढाने के उद्देश्य से की गई थी। इसका उद्देश्य दुनिया का ध्यान आँखों की देखभाल के महत्व पर केंद्रित करना और सभी को अपनी आँखों से प्यार करने के लिये प्रेरित करना है। इस वर्ष विष्व दृष्टि दिवस लव योर आईस थीम पर मनाया जाएगा।

पुरातत्व शोध संस्थान को दी गई हिन्दी टंकण मशीन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट में पुरातत्व से संबंधित विभिन्न सामग्रियों का समावेश है। इसी तारतम्य में हिन्दी मुद्रलेखन टंकण मशीन जिसका चलन अब समाप्त हो चुका है लेकिन इसका इतिहास बहुत स्वर्णिम रहा है। जिससे की आगे आने वाली पीढ़ीयों को इस मशीन की उपयोगिता के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है और यह तभी संभव है जब इस मशीन को पुरातत्व शोध संस्थान में समर्पित किया जा सके। 05 अक्टूबर को हिन्दी टंकण मशीन को एक साधे समारोह में कार्यालय इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट को समर्पित किया गया। इस अवसर पर शोध संस्थान के आचार्य वीरेन्द्र गहरवार, राधेश्याम महेश, अमरेश परिहार, आशीष सेन्द्रे उपस्थित रहे। इस संबंध में जानकारी देते हुए राधेश्याम महेश ने बताया कि 20 वर्ष पूर्व टंकण मशीन को खरीदा गया था। उस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं में इसका उपयोग किया गया था जिसका वर्तमान में चलन समाप्त होने की कगार पर है। जिसके चलते स्व-प्रेरणा से इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट में समर्पित किया गया। ताकि आने वाली पीढ़ियों को इसकी जानकारी मिल सके। इस अवसर पर गहरवार ने बताया कि यह पहला अवसर है जब हिन्दी टंकण मशीन महेश द्वारा शोध संस्थान में प्रदाय किया गया है जो कि निश्चित तौर पर यहां पर आने वाले पर्यटको एवं आम जनमानस के लिए

जानकारी योग्य होगी। अमरेश परिहार ने बताया कि भारत में पहला हिन्दी टाइपराइटर बाजार में 1930 के दशक में आया था, लेकिन देवनागरी की जटिलता के कारण इसे बनाना मुश्किल था। 1955 में पहली बार गोदरेज एंड बॉयस ने भारत में टाइपराइटर का निर्माण किया था जिसके बाद यह धीरे.धीरे कार्यालयों में इस्तेमाल होने लगा। इलेक्ट्रिक टाइपराइटर 1950-60 के दशक में आए लेकिन शुरुआती दौर में मैनुअल टाइपराइटरों की मांग अधिक थी और बाद में कंप्यूटर के आने से इनका चलन कम हो गया।

मानसिक रूप से विक्षिप्त वृद्ध की नाले के नीचे मिली लाश

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

तिरोड़ी से पिपरवानी मुख्य सड़क मार्ग पर तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सुकली के पास स्थित नाले के नीचे मानसिक रूप से विक्षिप्त 70 वर्षीय वृद्ध की लाश मिलने से हड़कंप मच गया. सोमवार की सुबह करीब साढ़े 8 बजे के आसपास ग्रामीणों ने लाश देखी जिसकी सूचना तिरोड़ी पुलिस को दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद करने के बाद मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर पीएम किया गया और पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है. तिरोड़ी पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ग्राम सुकली निवासी जन्नुलाल पिता आसाराम पुसाम उम्र 70 वर्ष की लाश नाले के नीचे बरामद की गई है. जन्नुलाल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह गांव में ही यहां वहां घूमते रहता था. प्रारंभिक तौर पर पुलिस का यह अनुमान है कि संभवत पुल के ऊपर से नीचे नाले में गिरने की वजह से मौत हुई है. पुलिस ने यह भी बताया कि मृतक 05 अक्टूबर की शाम करीब 05 से लापता था फिलहाल घटना की जांच शुरू कर दी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में मरीज खा रहे अमानक दवाएं

प्रदेश में पिछले सवा चार साल में 229 दवा के नमूने पाए गए अमानक

भोपाल। मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत का आंकड़ा 16 तक पहुंच चुका है। छिंदवाड़ा जिले में 14 बच्चों की मौत के बाद अब बैतूल जिले के आमला ब्लॉक में दो मासूम बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हडक़ंप मच गया। दरअसल, अभी तक की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि इन मासूमों की मौत अमानक दवाओं से हुई है। वैसे मध्य प्रदेश में आंकड़ों को देखा जाए तो यहां के मरीज अमानक दावाएं खा रहे हैं। मप्र में हर हफ्ते एक दवा अमानक निकल रही है। मप्र में दवाओं के सैंपल की जांच में वर्ष 2021-22 में 44 दवावों के सैंपल अमानक मिले हैं। वहीं 2022-23 में 46, 2023-24 में 25, 2024-25 में 92 और 1 अप्रैल से 30 जून तक 2025 में 22 दवावों के सैंपल अमानक मिले हैं

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट बताती है कि इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की कंपनियों में बनीं दवाएं भी एनएसक्यू (नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी) की सूची में शामिल हैं। मप्र में बीते 8 महीने में बनीं 76 दवाएं अमानक साबित हुई हैं। इनमें पैरासिटामोल टैबलेट, अलग-अलग तरह के इंजेक्शन, ओआरएस, आंख में डालने का ऑइंटमेंट, विटामिन और कैल्शियम की गोलियों से लेकर फेसवॉश भी शामिल हैं। सीडीएससीओ दवाओं की क्वालिटी की जांच के लिए समय-समय पर देशभर से दवाओं के सैंपल लेकर जांच करता है। इसने जनवरी से अगस्त के बीच 27 कंपनियों की 76 दवाएं जांच में अमानक पाईं। इस दौरान इंदौर के राऊ स्थित समकेम कंपनी की सर्वाधिक 19 दवाएं अमानक साबित हुई हैं। सांवेर रोड की सिंडिकेट फार्मा की आठ दवाएं एनएसक्यू सूची में हैं। सिप्ला जैसी मल्टीनेशनल कंपनी के रतलाम प्लांट में बनी एक दवा भी अमानक पाई गई। मप्र में बनी कुछ कंपनियों के अलग-अलग तरह के इंजेक्शन वायल के अंदर कचरा मिला। कुछ गोलियों का घुलने का समय ही गड़बड़ था। जो गोलियां 3-4 मिनट में घुलना थीं, वो 7-8 मिनट में घुलीं। पैरासिटामोल की गोली डिसइंटीग्रेशन के कारण अमानक रही। विटामिन बी की गोलियों से जुड़ी स्ट्रीप में गोलियां इतनी नरम मिली कि वह पावडर के रूप में निकल रही थीं।

हर हफ्ते औसत एक दवा का नमूना घटिया मिला

मप्र में अमानक और घटिया क्वालिटी की दवाओं की बिक्री नई बात नहीं है। इसका खुलासा जुलाई अगस्त में हुए मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में हुआ था। सत्र के दौरान सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों से सामने आया कि पिछले सवा चार साल में प्रदेश में जांचे गए लगभग 229 दवा के नमूने अमानक पाए गए। यानी जांच में हर हफ्ते औसत एक दवा का नमूना घटिया मिला। दरअसल, कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने प्रदेश में अमानक दवाओं के संबंध में सरकार से सवाल किया था। उन्होंने पूछा था कि अप्रैल, 2021 से जून, 2025 तक प्रयोगशाला में परीक्षण के बाद नकली और घटिया दवाओं से जुड़े कितने मामले पाए गए? इसके अलावा उन्होंने मामलों की संख्या और फर्मों व दवा कंपनियों के नामों सहित वर्षवार विवरण मांगा था। इनमें से कितने मामले वर्तमान में अदालत या सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष लंबित हैं? कितने मामलों में जुर्माना, दंड या अन्य प्रतिबंध लगाए गए? इसके जवाब में डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने विधानसभा को लिखित में बताया था कि अप्रैल, 2021 से जून, 2025 तक लैबोरेटरीज में जांच में करीब 229 दवाओं के नमूने अमानक पाए गए हैं। इनमें से 60 अमानक दवाओं के निर्माण लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। चार मामलों में चेतावनी जारी की गई और 19 में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। उन्होंने यह भी बताया था कि 4 मामले वर्तमान में कोर्ट में चल रहे है। मंत्री शुक्ला ने बताया था कि नकली और अमानक पाई गई दवाओं/औषधियों का उपयोग बुखार, एसिडिटी, दर्द निवारक, सर्दी, एलर्जी, एंटीवायरल और रक्तचाप के लिए किया गया था।

जांच की तीन स्तरीय व्यवस्था

दवाइयों की जांच के लिए मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन की तीन स्तरीय व्यवस्था हैं। इसके बाद भी अस्पतालों में अमानक दवाइयां लगातार सामने आ रही हैं। सरकारी अस्पतालों में तकरीबन हर मरीज को दी जाने विटामिन बी कॉम्पलेक्स और पैरासिटामोल की टेबलेट भी अमानक मिल चुकी हैं। सैंपल की जांच में कुछ दवाओं के अमानक होने के जो कारण मिले उसके अनुसार, कुछ सैंपल की जांच में दवा की मात्रा कम पाई गई। खुराक और बैच संख्या का उल्लेख नहीं किया गया। टैबलेट पर धब्बे पाए गए। कुछ दवाओं और सिरप में फफूंद की वृद्धि और नमी पाई गई। दवाओं में रासायनिक यौगिक अपर्याप्त पाए गए।

देखो हम तो मामा हैं यार...जहां कहते हो वहां रुकते हैं और मिलते हैं

- पूर्व विधायक ने रोका शिवराज का काफिला, केंद्रीय मंत्री बोले...

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कांग्रेस नेताओं ने काफिला रोककर विरोध करने के कोशिश की। लेकिन उन्होंने गाड़ी से उतरकर उनसे ऐसा अपनापन जताया कि विरोधी आक्रोशित होने के बजाय ठहाके मारकर हंसने लगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम तो मामा हैं यार। जहां कहते हैं, रुकते हैं, बात करते हैं। पहले बात हो जाने दो फिर खूब नारे लगाना। दरअसल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ग्राम बिलकिसगंज में एक शासकीय कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने गांधीगिरी से ग्राम बिलकिसगंज जोड़ पर काफिला रोककर गुलाब का फूल दिया और किसानों का मुआवजा मांगा। साथ ही उन्हें फसल बीमा की कमियां बताई। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान का अलग अंदाज दिखा। किसानों की समस्या को लेकर मंत्री शिवराज को घेरकर कांग्रेसियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। तब शिवराज सिंह चौहान ने कहा 'हम तो मामा हैं यार, जहां कहते हैं रुकते हैं, बात करते हैं, सबकी सुनते हैं, जो बनती है सेवा करते हैं। पहले बात हो जाने दो फिर खूब नारे लगाना।' इस दौरान पूर्व कांग्रेस विधायक शैलेंद्र पटेल ने शिवराज सिंह चौहान का स्वागत किया।

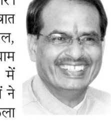

सोयाबीन की फसल बर्बाद होने पर की सर्वे की मांग

पूर्व विधायक और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शैलेंद्र पटेल ने किसानों की समस्या रखते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बताया कि सोयाबीन की फसल बर्बाद हो गई है। न तो सीहोर के किसानों को मुआवजा मिला है और न ही फसल बीमा का लाभ मिल रहा है। अधिकारी खेतों में सर्वे करने आते हैं, लेकिन किसानों के खातों में अभी तक कोई राशि नहीं आई है। उन्होंने बताया कि आसपास के जिलों के किसानों को फसल बीमा राशि मिल गई है और बर्बाद सोयाबीन फसलों के लिए मुआवजा भी मिला है। लेकिन सीहोर जिले के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया कि किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश भी दे दिए हैं।

2 नवंबर से पचमढ़ी में कांग्रेस का प्रशिक्षण

भोपाल। 10 दिन तक चलने वाली कांग्रेस के नए जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग अब अगले महीने होगी। यह ट्रेनिंग इसी महीने होने वाली थी, लेकिन इसे बढ़ा दिया गया है। अब यह 2 नवंबर से शुरू होगी। नए जिलाध्यक्षों को संगठन को मजबूत करने के लिए बड़े नेता प्रशिक्षण देंगे। कांग्रेस इस बार 2028 के चुनावों को लेकर अभी से ही मैदान में उतर गई है। पचमढ़ी में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी 71 जिलों के अध्यक्षों को बुलाया गया है। इन अध्यक्षों को पूरे 10 दिन तक अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाना है। इसमें संगठन की मजबूती पर ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को अपने जिले में ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ लेवल तक संगठन बनाने के बारे में बताया जाएगा। आगामी समय में होने वाले नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर कैसे रणनीति बनाना है, इसका पूरा रोडमैप बताया जाएगा। अभी तक इस तरह के प्रशिक्षण का कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी ही करती आई है, लेकिन अब कांग्रेस इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रशिक्षण शिविर में दस दिन की ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के सुबह उठने से लेकर रात तक सोने का मिनट टू मिनट का प्रोग्राम तय किया गया है।

मृतकों के परिजन को 1 करोड़ मुआवजे की मांग की

छिंदवाड़ा में पीड़ित परिवारों से मिले जीतू पटवारी, बोले... स्वास्थ्य मंत्री तत्काल इस्तीफे दें

भोपाल । छिंदवाड़ा जिले के परासिया में 14 बच्चों की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। कथित तौर पर एक ही कफ सिरप से हुई इन मौतों को लेकर सोमवार को सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अपने तय कार्यक्रम के अनुसार परासिया पहुंचे और परिवारों से मुलाकात की। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मौत के लिए सरकार को जिम्ममेदार ठहराया है। उन्होंने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफा मांगा। मृतकों परिजन को एक-एक करोड़ मुआवजे और संबंधित अधिकारियों और दवा कंपनी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सुबह 11 बजे परासिया पहुंचे। उन्होंने यहां वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड परिसर के ऑफिस में पीड़ित परिवारों के सदस्यों से एक-एक कर (वन-टू-वन) बात की और घटना की पूरी जानकारी ली। जीतू पटवारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री, कमिश्नर सहित ड्रग कंट्रोलर को इस्तीफा देना चाहिए। मुख्यमंत्री बच्चों की मौत की कालिक जो मुंह पर लगी है उसे पोंछने आ रहे हैं। उन्होंने बच्चों की मौत पर कार्रवाई के रवैये को लेकर कहा कि सरकार है या सर्कस। पटवारी छिंदवाड़ा कलेक्टर से मुलाकात के बाद कांग्रेस द्वारा आयोजित अनशन कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके साथ जिले के सभी कांग्रेस विधायक और पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद हैं।

डॉक्टर से ज्यादा ड्रग विभाग जवाबदार

पटवारी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस मुद्दे के लिए डॉक्टर से ज्यादा ड्रग विभाग जवाबदार है। उसकी जवाबदारी तय करके उन लोगों को सजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों और उसके परिजनों को इतनी परेशानी के समय भी सरकार द्वारा इलाज के लिए कोई मदद उपलब्ध नहीं कराई गई जिसके कारण उनके घर तक बिकने की नौबत आ गई।

पीड़ित परिवारों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराए

जीतू ने कहा कि मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि सभी मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ मुआवजे की घोषणा करें और सभी पीड़ित परिवारों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराए। साथ ही जिन बच्चों का इलाज चल रहा है उनको भी मदद उपलब्ध कराई जाए।

33 दिन में 14 बच्चों की मौत से मचा है हडक़ंप

परासिया विधानसभा क्षेत्र में पिछले 33 दिनों में 11 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि पूरे छिंदवाड़ा जिले में यह आंकड़ा 14 पहुंच गया है। सभी बच्चों की मौत का कारण किडनी फेल होना बताया जा रहा है। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग पहले ही परासिया के डॉ. प्रवीण सोनी और तमिलनाडु की श्रेशन फार्मास्युटिकल कंपनी के खिलाफ स्नद्धक्र दर्ज करा चुका है।

16 बच्चों की मौत पर...बीजेपी सरकार और सीएम के चेहरे पर एक शिकन तक नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एसआईटी से जांच करने की मांग की

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने सोमवार को कथित तौर पर दूषित कफ सिरप से हुई बच्चों की मौतों को लेकर मोहन सरकार की आलोचना कर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने की माँग की। सोशल मीडिया पोस्ट में कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत पर शोक जाहिर कर कहा कि शोकाकुल परिवार बीजेपी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि छिंदवाड़ा में मासूम बच्चों की मौत की हृदयविदारक खबर ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। जिस छिंदवाड़ा को मैंने घर और परिवार की तरह पाला-पोसा, आज उसी छिंदवाड़ा के आँगन में बच्चों के शव पड़े हैं। मेरा मन अत्यंत व्यथित, व्यथित, द्रवित और क्रोधित है... शोकाकुल परिवारों की चीखें इस सरकार पर सवाल उठा रही हैं। उन्होंने मोहन सरकार की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर विफलता का आरोप लगाया। कमलनाथ ने कहा कि जहरीली कफ सिरप से मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। यह संख्या किसी आकस्मिक घटना या प्राकृतिक आपदा का नतीजा नहीं है। यह हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, निगरानी तंत्र और जवाबदेही की घातक विफलता का प्रमाण है।

अधिकारियों की ली बैठक, तय किए लक्ष्य

-पद संभालते ही मिशन मोड में आई आईएएस संस्कृति जैन

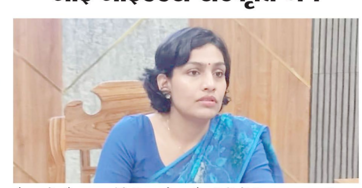

भोपाल। बीते दिनों सिवनी कलेक्टर का तबादला होने पर लोगों ने पालकी पर बैठाकर उन्हें भव्य विदाई दी थी, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर संस्कृति जैन चर्चा में आईं। वे 2015 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने रविवार को भोपाल नगर निगम के आयुक्त का चार्ज संभाल लिया है। खास बात यह रही कि संस्कृत जैन ने छुट्टी वाले दिन निगम आयुक्त का पदभार ग्रहण किया है। हालांकि, पहले वह सोमवार को चार्ज लेने वाली थीं, लेकिन नगरीय प्रशासन में प्रदेश के सभी निगमों के कमिश्नर और स्मार्ट सिटी के सीईओ की बैठक होनी थी। इसलिए वह एक दिन पहले ही भोपाल आ गईं।

साल 1970 में गठित नगर निगम भोपाल की आईएएस संस्कृति जैन 46वीं कमिश्नर हैं। वहीं संस्कृति जैन से पहले निगम में 2 और महिला अधिकारी नगर निगम की कमान संभाल चुकी हैं। यानि संस्कृति जैन नगर निगम की तीसरी महिला कमिश्नर हैं। रविवार दोपहर ढाई बजे उन्होंने साल 2017 बैच की आईएएस अफसर अंजू अरुण कुमार से चार्ज लिया। वर्तमान में अंजू अरुण कुमार स्मार्ट सिटी की सीईओ और नगर निगम की अपर आयुक्त हैं।

चार्ज संभालते ही अधिकारियों संग की बैठक

संस्कृति जैन ने रविवार को करीब ढाई बजे चार्ज लेने के बाद डायरेक्टरेट पहुंची। वहां देर शाम बैठक से लौटकर उन्होंने निगम के अपर आयुक्तों के साथ भी बैठक की। संस्कृति जैन के पदभार ग्रहण करने के बाद भोपाल नगर निगम में आईएएस की संख्या 3 हो गई है। इसके साथ ही सोमवार को संस्कृति जैन नगर निगम आयुक्त और स्मार्ट सिटी के सीईओ की बैठक में शामिल होंगी।

नवागत निगमायुक्त के सामने चुनौतियां

नवागत कमिश्नर संस्कृति जैन के सामने कई चुनौतियां हैं। आदमपुर छावनी स्थित लैंडफिल साइट का मामला एनजीटी से लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। लगातार कंपनियों के भाग जाने के बाद से वेस्ट प्रोसेसिंग का काम निगम खुद अपने संसाधनों से कर रहा है। ऐसे में लगातार लैंडफिल साइट पर कचरे के पहाड़ बनते जा रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियां भी महत्वपूर्ण

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों में निगम लगातार पिछड़ रहा है। नगरवासियों का ऐसा दावा है कि शहर की सफाई व्यवस्था अनट्रेंड कर्मचारी संभाल रहे हैं। वहीं, निगम के 2 अधिकारियों का ट्रांसफर 3 महीने पहले हो चुका है, लेकिन वर्तमान में वह अपने पदों पर काबिज हैं और कोर्ट से स्टे का हवाला देकर निगम से जाने को तैयार नहीं है। हालांकि, स्टे नहीं मिला है।

नगर निगम के हाउसिंग प्रोजेक्ट भी पिछड़े

नगर निगम के आवासीय परियोजनाएं काफी पिछड़ गई हैं। 7 से 8 साल पहले पैसा जमा करने के बाद भी लोगों को उनका घर नहीं मिल पा रहा है। निगम ने सभी आवंटियों से 4 साल पहले पूरी राशि जमा करवा ली थी। इसके बावजूद अब तक उन्हें पजेशन नहीं दिया गया है। ऐसे में सैंकड़ों परिवार हर महीने निगम मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जीएसटी 2.0 से मप्र की जेब खाली, भरपाई की कवायद में जुटी सरकार

- केंद्रीय करों में 7 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश की वित्तीय स्थिति पर जीएसटी 2.0 का बड़ा असर पड़ा है। नए नियमों के चलते राज्य को 8,600 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। इससे केंद्र के हिस्से में 9-10 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने केंद्रीय करों में 7 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग की है। अभी केंद्र सरकार 41 फीसदी दे रहा है। मप्र ने केंद्रीय करों में 48 प्रतिशत की हिस्सेदारी मांगी है।

गौरतलब है कि भारत सरकार ने जीएसटी की दरों में कटौती करके आमजन को राहत पहुंचाई है। इससे सरकार को मिलने वाले राजस्व में कमी हो सकती है। हालांकि, सरकार को उम्मीद है कि इसकी भरपाई 16वां वित्त आयोग कर सकता है। मध्य प्रदेश ने केंद्रीय करों में 48 प्रतिशत हिस्सा मांगा है। यदि यह स्वीकार हो जाता है तो फिर जीएसटी कटौती से होने वाली कमी की पूर्ति इस बढ़े हुए हिस्से से काफी हद तक हो जाएगी। अप्रैल 2026 से नए वित्त आयोग की सिफारिशें लागू होने की संभावना है, जो पांच साल के लिए होंगी। प्रदेश सरकार ने जो प्रारंभिक अनुमान लगाया है, उसके अनुसार जीएसटी की नई दरों से लगभग 8,600 करोड़ रुपये का राजस्व प्रभावित हो सकता है। इसकी पूर्ति के लिए वित्त विभाग मंथन कर रहा है। उन खर्चों को चिह्नित किया जा रहा है, जिनमें कटौती की जा सकती है। इसमें नए कार्यालय भवन, नए वाहन सहित वे व्यय शामिल हैं, जिन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।

तकनीक मंहगी हो गई इसलिए ले रहे हैं अतिरिक्त फीस...मप्र पुलिस विभाग का तर्क

भोपाल,। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले लाखों बेरोजगार युवाओं पर फीस का एक अतिरिक्त भार डाला गया है। प्रदेश में पहली बार पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल टेस्ट (शारीरिक दक्षता परीक्षा) के लिए भी अलग से 200 रुपए फीस वसूली गई है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह शुल्क सिर्फ उन उम्मीदवारों से नहीं लिया जाएगा, जो फिजिकल टेस्ट के लिए चयनित होने वाले हैं, बल्कि आवेदन करने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को अतिरिक्त राशि देनी होगी। एक अनुमान है कि इस बार पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में 10 लाख युवा आवेदन करने वाले है। इस हिसाब से पुलिस डिपार्टमेंट आवेदकों से 15 करोड़ रुपए अतिरिक्त वसूली करने जा रहा है।

इस नई व्यवस्था से युवा नाराज हैं। उनका सवाल है कि इससे पहले हुई भर्तियों में ये शुल्क वसूला नहीं गया, तब फिर अब क्यों वसूला जा रहा है? वहीं, अधिकारियों का कहना है कि फिजिकल टेस्ट के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो महंगी हो चुकी है इसलिए 200 रुपए अतिरिक्त लिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने हाल ही में पुलिस विभाग में 7,500 कॉन्स्टेबल के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू हुई और अंतिम तिथि 29 सितंबर थी, इस बढ़ाकर 6 अक्टूबर कर दिया गया है। जब अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन करना शुरू किया, तो वे यह देखकर हैरान रह गए कि उन्हें दो अलग-अलग शुल्कों का भुगतान करना पड़ रहा है।

सामान्य वर्ग के लिए 500 रुपए और आरक्षित वर्ग के लिए 250 रुपए। सामान्य वर्ग के लिए 200 रुपए और आरक्षित वर्ग के लिए 100 रुपए।

गुना से आये दंपत्ति ने सीएम हाउस के पास किया आत्मदाह का प्रयास, मचा हड़कंप

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास के पास उस समय हड़कंप मच गया जब गुना से आए दंपति ने आत्मदाह की कोशिश की। पति-पत्नी ने अपने ऊपर केरोसिन डालकर खुद को आग लगाने का प्रयास किया लेकिन गनीमत रही की मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने आग लगाने से पहले ही दंपति को पकड़ लिया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया बाद में दंपत्ति को पुलिस के हवाले कर दिया। श्यामला हिल्स थाना पुलिस दंपति को थाने ले गई, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया गया है की गुना जिले के रहने वाले पीड़ित दंपति देवकीनंद सोनी और उनकी पत्नी का आरोप है कि दुकान को लेकर एक विवाद चल रहा है. इस मामले में स्थानीय पुलिस, खासतौर पर कोतवाली थाना प्रभारी ने उन्हें झूठे मामले में फंसा दिया है। कई बार शिकायत करने के बाद भी उनकी बात नहीं सुनी गई, जिसके चलते उन्होंने भोपाल आकर मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्मदाह करने की कोशिश की। दंपति का यह भी आरोप है कि पुलिस और प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से उनकी दुकान पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित दंपति देवकीनंद सोनी और उनकी पत्नी का आरोप है, कि दुकान विवाद में गुना पुलिस और प्रशासन ने उनके साथ गुंडागर्दी की है, लेकिन उनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही। वहीं राजधानी की भोपाल पुलिस का कहना है की पति-पत्नि सुरक्षित हैं। उनसे मामले को लेकर पूछताछ करते हुए अधिकारियों द्वारा मदद का आश्वासन दिया गया है।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर जूलियन नहीं रहे

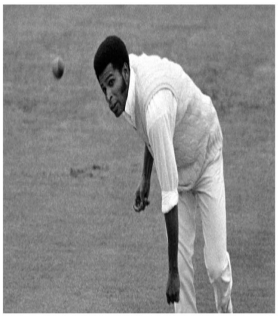

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर बर्नार्ड जूलियन का निधन हो गया है। जूलियन 75 साल के थे और बीमार चल रहे थे। वह साल 1975 की विश्व विजेता वेस्टइंडीज टीम में शामिल रहे थे। ऑलराउंडर जूलियन ने वेस्टंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने कहा है कि जूलियन की 1975 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत से 10 विकेट लिए हैं।

जूलियन ने विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 विकेट लिया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में जूलियन ने 12 ओवरों में 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं खिताबी मुकाबले में जूलियन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 37 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए थे। हालांकि वह कोई विकेट नहीं ले पाये। लॉयड ने कहा, जूलियन हमेशा अपना 100 फीसदी देने का प्रयास करते थे। वह कभी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटते थे। उन्होंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। जूलियन ने साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर 121 रनों की मैच विजेता पारी भी खेली थी।

लॉयड ने कहा, हम सभी जूलियन का पूरा सम्मान करते थे। वह खूब हंसी मजाक करते थे। मुझे याद है कि हमने लॉर्ड्स में टेस्ट मैच जीता था। वहां उन्होंने प्रशंसको को ऑटोग्राफ भी दिए थे। हम जहां भी जाते, वहां उनका बहुत सम्मान किया जाता था।जूलियन के निधन पर क्रिकेट वेस्टइंडीज के अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने संवेदना जताते हुए कहा, जूलियन के परिवार, मित्रों और प्रियजनों के प्रति हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज इस दुख की घड़ी में उनके परिवसर के साथ है। उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। जूलियन ने साल 1973 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। उन्होंने अपने करियर में 24 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 50 विकेट लेने के अलावा, 30.92 की औसत के साथ 866 रन भी जुटाए। वहीं, 12 वनडे मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने बल्ले से 86 रन बनाने के साथ 18 विकेट भी हासिल किए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरे टी20 के सभी टिकट बिके - सीए

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि भारतीय टीम के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। सीए के अनुसार 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच होने वाली इस पांच टी20 मैचों की सीरीज की लिए टिकटों की जबरदस्त मांग है। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में दोनों देशों के बीच होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले के सभी टिकट पहले ही बिक गये हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 19-25 अक्टूबर के बीच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद कैनबरा, मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में टी20 सीरीज के पांच मैच आयोजित होंगे। सीए के अनुसार मेलबर्न टी20 मैच के लिए टिकटों की भारी मांग से साफ है कि लोगा भारतीय टीम के दौरे को लेकर उत्साहित हैं। दोनों देशों के बीच आठ मैचों के लिए अब तक 1,75,000 से ज्यादा टिकट बिक गये हैं। सिडनी और मनुका ओवल मैचों के लिए टीम पहले ही बिक गये हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव को दी गयी है।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया।

मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये। 89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले।वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

प्रभसिमरन के शतक से भारत ए ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया ए को दो विकेट से हराया

कानपुर। प्रभसिमरन सिंह की शतकीय पारी की सहायता से भारत ए टीम ने कानपुर में खेले गए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इस मैच में प्रभसिमरन के शतक के अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर व रियान पराग ने भी अर्धशतक लगाये। प्रभसिमरन ने 68 गेंदों पर 102 रन बनाये। भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 322 रनों के लक्ष्य को तय ओवरों से पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान जैक एडवर्ड्स के 89 रनों और लियाम स्कॉट के 73 रनों की सहायता से 49.1 ओवर में ही 316 रन बनाये।

अमांडा ने चाइना ओपन टेनिस खिताब जीता

बीजिंग। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने पहली बार चाइना ओपन टेनिस खिताब जीता है। अमांडा ने महिला एकल के फाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को आसानी से 6-0, 2-6, 6-2 से हराया। अमांडा ने इससे पहले सेमीफाइनल में अपने ही देश की कोको गॉफ को 6-1, 6-2 से हराया था। अमांडा ने पहला सेट आसानी से जीता। वहीं दूसरे सेट को जीतकर नोस्कोवा मुकाबले को बराबरी पर ले आयीं पर तीसरे सेट में एक बार फिर अमांडा ने 6-2 से जीत हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद अनिसिमोवा ने खुशी जताते हुए अपने प्रशंसकों का आभार प्रकट किया।

वहीं उपविजेता चेक खिलाड़ी का फाइनल तक का सफर अब तक के उनके करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस दौरान चेक खिलाड़ी ने संयुक्त राज्य अमेरिका की जेसिका पेगुला सहित कई शीर्ष खिलाड़ियों को हराया। नोस्कोवा ने कहा कि फ़ाइनल में पहुंचना मेरे लिए एक विशेष अनुभव रहा है। वहीं महिला युगल फ़ाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मीन पाओलिनी और सारा एरानी ने जापान की मियू काटो और हंगरी की फैनी स्टोलर को 6-7(1), 6-3, 10-2 से हराया।

सैफ की आक्रामक बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने तीसरे टी20 में अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया

शारजाह। सैफ हसन की आक्रामक पारी से बांग्लादेश ने शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को छह विकेट से जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली है। इस मैच में सैफ ने सात छक्के लगाकर 38 गेंदों में ही नाबाद 64 रन बनाकर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बनाये। .

इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को बांग्लादेश ने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को 24 रन पर ही पहला झटका लग गया था पर उसके बाद तंजीद हसन और सैफ हसन ने मिलकर पारी को संभाल लिया। दोनों ने स्कोर 79 रनों तक पहुंचाया। तंजीद 33 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं सैफ एक छोर पर जमे रहे। सैफ ने सात छक्के और दो चौके लगाकर 38 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाये।

नुरुल हसन ने 17 वें ओवर में छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अमित शाह ने विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत शानदार जीत के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत के लिए भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में हुए इस मैच में पाक टीम को 88 रनों से हराकर अपना 12 मुकाबला जीता। अब तक भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ अपने सभी मुकाबले जीते हैं। शाह ने भारतीय टीम को बधाई देते हुए सोशल मीडिया में लिखा, एकदम सही स्ट्राइक हमारी महिला टीम ने भारत की क्रिकेट शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया है। देश को अपनी टीम पर गर्व है। आपके आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाज भी छाये रहे। बल्लेबाजों ने जहां 247 रन बनाये। वहीं गेंदबाजों ने पाक को 43 ओवरों में ही 150 रनों पर समेट दिया। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। पहले मैच में उसने श्रीलंका को हराया था!

वाडेकर की कप्तानी में भारत ने खेला था पहला वनडे, शुभमन हैं 28 कप्तान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने जा रहे शुभमन 28 भारतीय कप्तान हैं। एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास पर नजर डाले तो भारतीय टीम ने अपना पहला मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। तक से अब तक के 51 साल के सफर में भारतीय टीम ने 27 कप्तान देखे हैं। वहीं सबसे पहली बार भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी अजीत वाडेकर ने संभाली थी। उस मैच में भारतीय टीम को 4 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

वाडेकर अधिक समय तक कप्तान नहीं रहे। दो मैच के बाद ही श्रीनिवास वेंकटराघवन को कप्तान बनाया गया। इस प्रकार वेंकटराघवन भारत के दूसरे एकदिवसीय कप्तान थे। वेंकटराघवन ने 7 मैच में टीम इंडिया की कप्तानी संभाली। इसके बाद स्पिनर बिशन सिंह बेदी को कप्तान बनाया गया। बेदी भी 4 एकदिवसीय मैचों में ही कप्तानी कर पाये। इस प्रकार शुरुआत में ही भारत ने तीन कप्तान बदल दिये। इसके बाद कप्तानी सुनील गावस्कर ने संभाली । उनका कार्यकाल लंबा रहा। गावस्कर ने 37 मैचों में कप्तानी की।

गावस्कर के बाद एक मैच के लिए गुंडप्पा विश्वनाथ को कप्तान बनाया गया। वहीं विश्वकप 1983 को देखते हुए कपिल देव कप्तान बनाया गया। कपिल देव ने लंबे समय तक कमान संभाली। वह 74 मैचों में भारतीय टीम के कप्तान रहे और इस दौरान भारतीय टीम ने विश्वकप भी जीता। अगुवाई की और इस दौरान उन्होंने 1983 का वर्ल्ड कप भी जिताया। वहीं 1990 में मोहम्मद अजहरुद्दीन आये। अजहरुद्दीन ने 100 से ज्यादा एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की। उन्होंने कुल 175 मैचों में टीम का नेतृत्व किया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी 72 मैचों में कप्तान रहे पर अधिक सफल नहीं हुए। साल 1999 में सौरव गांगुली ने कप्तानी संभालते ही टीम में बदलाव करते हुए उसे आक्रामक बना दिया। इससे विदेशी जमीन पर भी भारतीय टीम का खेलने का अंदाज बदला और उसने जीत दर्ज करनी शुरु कर दी। ।

गांगुली के बाद द्रविड़, सहवाग, कुंबले ने कप्तानी संभाली। सबसे बड़ा बदलाव महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद बाद हुआ। कैप्टन कूल के नाम से लोक्रपिय हुए धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी खिताब जीते। धोनी ने सबसे अधिक 200 एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की और ये उपललब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कप्तानी रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2011 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीती। धोनी के बाद आये विराट कोहली औरा रोहित शर्मा ने भी भारतीय क्रिकेट के आक्रामक अंदाज को बनाये रखा। कोहली ने 95 जबकि रोहित ने 56 मैचों में टीम की कमान संभाली। अब देखना होगा कि शुभमन टीम को कितनी सफलता दिला पाते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब

खाने में समस्या नहीं - राजीव शुक्ला

कानपुर । भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते। उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी। वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है।

शुक्ला ने कहा, अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते। यह कुछ और ही मामला है। उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं। संक्रमण कहीं और से हुआ होगा।

कानपुर में सुविधाओं की कमी के कारण नहीं हो पाते अंतरराष्ट्रीय मुकाबले - राजीव शुक्ला

कानपुर । कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में पहले जहां काफी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले हुए हैं। वहीं पिछले एक दशक में यहां बड़े मुकाबले होने तकरीबन बंद से हो गये हैं। इसका कारण ये है कि ये समय के साथ नहीं चला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का मानना है कि कानपुर में बड़े मैच करने के लिए जरुरी अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। शुक्ला के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए शहर में बेहतर एयरपोर्ट सुविधा और पर्याप्त पांच सितारा होटल होने चाहिये पर कानपुर में अभी कोई अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट नहीं इसके अलावा यहां पर्याप्त पांच सितारा होटल भी नहीं ।

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी - तेवतिया

मुम्बई । आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिहं धोनी को देखकर सीखा है। तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं। वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली। इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये।

तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं। वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया। इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है। इससे मुझे काफी लाभ हुआ।'

गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी।

तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए।'

गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं।

पाक कप्तान सना बोली अधिक रन देने के कारण हारे

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्वकप में 88 रनों से शानदार जीत दर्ज कर एक बार फिर दिखाया है कि उसके सामने विरोधी टीम कहीं नहीं टिकती। भारतीय टीम की ये पाक के खिलाफ 12 वीं जीत है। वहीं पाक टीम की कप्तान फातिमा सना ने हार के बाद कहा कि उनकी टीम भारत को 200 रनों के अंदर रोक पाने में असफल रही। इसी कारण उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही इस विश्व कप में अपना दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहले उसने पहले मैच में श्रीलंकाई टीम को हराया था। वहीं पाक टीम की ये लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उसे बांग्लादेश ने हराया था। सना ने कहा कि उनकी टीम ने पावरप्ले के अलावा भी डेथ ओवर्स में काफी रन दिये। इसी कारण उसके हाथ से मैच निकल गया। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर पाक टीम पर दबाव बनाये रखा। इससे 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 43 ओवरों में ही 150 रनों पर सिमट गयी। पाक की ओर से सिदरा अमीन ने 106 गेंद में सबसे ज्यादा 81 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से क्रांति गौड़ ने तीन जबकि राणा और दीप्ति शर्मा ने दो दो विकेट लिए। क्रांति को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने का मलाल हमेशा रहेगा - सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने की कमी हमेशा खेलेगी। सूर्यकुमार का कहना है कि वह हमेशा ही धोनी जैसे महान कप्तान की टीम में खेलना चाहते थे पर किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। उन्होंने हालांकि धोनी के खिलाफ जरूर खेला है पर उनके साथ नहीं खेल पाये। सूर्यकुमार को राष्ट्रीय टीम में देर से जगह मिली थी। उन्हें साल 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में अवसर मिला था। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरे थे। वहीं अब वह स्वयं टी20 टीम के कप्तान हैं।

साल 2010 में सूर्यकुमार ने घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था पर दस साल के बाद ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गये हैं।

सूर्यकुमार ने एक कार्यक्रम में कहा, सबसे पहले, मैं धोनी को याद करता हूं। जब वह भारतीय टीम के कप्तान थे, तब मैं हमेशा टीम में जगह पाने के प्रयास कर रहा था पर मिला नहीं। वहीं घरेलू क्रिकेट में जब भी मैं उनके खिलाफ खेला, मैंने उन्हें स्टंप के पीछे देखा। वह बहुत शांत स्वभाव के रहे हैं। उनके खिलाफ खेलते हुए मैंने उनसे एक बात सीखी है कि किसी भी प्रकार के दबाव के हालात में शांत बने रहना चाहिए। वह खेल के दौरान सभी ओर देखने के बाद अपने फैसले करते थे।। मैंने विराट कोहली की कप्तानी में अपना डेब्यू किया था। विराट बहुत ही मेहनती कप्तान रहे हैं। वह आपकी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करते हैं और सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं हालांकि सभी कप्तान सभी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करते हैं पर वह मैदान पर और मैदान के बाहर भी ऊर्जा से भरे रहते थे। वह अन्य लोगों से थोड़े अलग थे।

वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, इसके बाद रोहित आये। उनकी कप्तानी में मैंने आईपीएल के अलावा भारतीय टीम की ओर से भी काफी मैच खेले। वह ऐसे कप्तान हैं जो अपने आस-पास सभी को सहज महसूस कराते हैं। उनसे युवाओं को प्रेरणा मिलती है। वह सभी से बात करने और सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी है।

हर्षित राणा के चयन को लेकर चयनसमिति ओर कोच पर भड़के श्रीकांत

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम चयन के बाद चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। श्रेकांत ने कहा है कि टीम में केवल एक खिलाड़ी हर्षित राणा की जगह पक्की नजर आती है पर किसी को भी नहीं मालूम की इस युवा तेज गेंदबाज को क्यों जगह मिल रही है। चयन समिति ने आगामी 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम में कई बदलाव भी किये हैं। रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया है। श्रीकांत ने इसपर नाराजगी जताते हुए कहा इस तरह के चयन से खिलाडी आशंकित हैं। किसी को नहीं पता कि अगली बार चुनी जाने वाली टीम में कौन होगा और कौन नहीं, ऐसे में खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना आयेगी। श्रीकांत ने तंज कसा कि भारतीय टीम में केवल एक खिलाड़ी की जगह पक्की है और वह हैं हर्षित। हर्षित को एशिया कप 2025 के लिए भी शामिल किया गया था। उसमें उन्हें दो मैच ही खेलने को मिले थे पर वह प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के लिए उनका नाम देखकर श्रीकांत भड़क गये। में भी उनका चयन हुआ है। श्रीकांत ने कहा, लगातार इस तरह के चयन करके, वे खिलाड़ियों को ही भ्रमित कर रहे हैं। हमें भी हर दिन यह निश्चित नहीं होता कि चयन क्या होगा।

एम्स की रिपोर्ट में खुलासा-

47 फीसदी स्कूली बच्चे कमर और गर्दन के दर्द से पीड़ित

नई दिल्ली। देश का भविष्य कहे जाने वाले 47 फीसदी स्कूली बच्चे कमर और गर्दन के दर्द से पीड़ित हैं। इसका खुलासा एम्स की रिपोर्ट में हुआ है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों और फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों द्वारा किए गए हालिया अध्ययन में यह सामने आया है कि 9वीं से 12वीं कक्षा के लगभग 47 प्रतिशत बच्चे गर्दन, कमर और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह अध्ययन दिल्ली के चार स्कूलों के 380 छात्रों पर किया गया, जिसमें बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का बारीकी से विश्लेषण किया गया।

एम्स के ट्रॉमा सेंटर एडिशन प्रोफेसर डॉ समर्थ मित्तल और बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी फिजियोथेरेपिस्ट डॉ एएस मूर्ति के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में बच्चों को 12 सप्ताह तक फिजियोथेरेपी कराई गई। इस दौरान उन्हें पुश-अप, हर्डल क्रॉसिंग और अन्य स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कराई गईं। 12 सप्ताह बाद की फॉलोअप जांच में यह पाया गया कि नियमित व्यायाम और फिजियोथेरेपी से बच्चों के दर्द और खिंचाव में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चों को शुरुआती उम्र से ही सही शारीरिक मुद्रा और फिजियोथेरेपी संबंधी जानकारी दी जाए, तो ऐसी समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।अध्ययन में यह भी सुझाव दिया गया कि स्कूलों में फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों की नियुक्ति की जानी चाहिए। इन विशेषज्ञों के पास मांसपेशियों की जांच, फिटनेस स्क्रीनिंग और गति आंकलन की तकनीकी जानकारी होती है, जिससे बच्चों को शुरुआती स्तर से सही खेल प्रशिक्षण और शारीरिक देखभाल प्राप्त हो सकती है। अध्ययन से जुड़ी विशेषज्ञ डॉ ममता दहिया ने बताया कि इस शोध को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्तपोषित किया गया है और यह अपने प्रकार का पहला अध्ययन है, जो स्कूली बच्चों में फिजियोथेरेपी की आवश्यकता और उसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन करता है।

ऑनलाइन पढ़ाई और गेम्स भी एक कारण

रिपोर्ट के मुताबिक अध्ययन में पाया गया कि ज्यादातर बच्चे दिन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन पढ़ाई, गेम खेलने या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। इस दौरान वे बिना सही मुद्रा के लंबे समय तक झुककर बैठते हैं, जिससे गर्दन और कमर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों के शरीर की हड्डियां और मांसपेशियां अभी विकास के चरण में होती हैं, ऐसे में गलत तरीके से बैठना या लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहना उनकी हड्डियों की बनावट को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा खेल-कूद के दौरान चोट लगने के बाद उचित देखभाल का अभाव और शारीरिक गतिविधियों में असंतुलन भी मांसपेशीय दर्द और जोड़ों के खिंचाव का कारण बन रहा है।

तिरोड़ी में आरएसएस ने किया पथ संचलन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समूचे राष्ट्र में शताब्दी वर्ष (1925-2025) मना रहा है और प्रतिवर्ष विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष में संघ के सभी खंडों में पथ संचलन के भव्य आयोजन प्रतिवर्ष होते हैं. इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड केंद्र तिरोड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य संचलन संपन्न हुआ. एकत्रीकरण शाम 4 बजे गांधी चौक तिरोड़ी थाने के सामने हुआ. साढ़े 4 बजे संचलन प्रारंभ होकर पीली बिल्डिंग चौक होते हुए महादेव चौक के रास्ते अंबेडकर चौक से माइल ऑफिस होते हुए आजाद चौक के उपरांत चांदनी चौक और अंत में गांधी चौक पुलिस थाने के सामने संपन्न हुआ. संचलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों को दोहराते चले जा रहे थे. जगह-जगह पर समाज के लोग और मातृशक्ति के द्वारा आरती की थाल लेकर पुष्प वर्षा कर स्वागत करते नजर आए. खाकी फुल पैंट, सफेद शर्ट, काली टोपी कमर में पट्टा और हाथ में दंड लिए सीना ताने स्वयंसेवक अद्भुत प्रतीत हो रहे थे. संघ गीत के बाद अधिकारियों के उद्बोधन उपरांत अंत में प्रार्थना के साथ संघ के इस भव्य संचलन समारोह का समापन हुआ. संघ के संचलन समारोह में अनेक ग्रामों से पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवक सम्मिलित हुए थे. प्रत्यूष दुबे ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष प्रारंभ है जिसे समूचे राष्ट्र में स्वयंसेवक धूमधाम से मना रहा हैं राष्ट्र भक्ति और सेवा का यह अद्भुत प्रकल्प अब अपने शतायु की ओर अग्रसर है इसके निमित्त समूचे 2025 वर्ष में पथ संचलन के साथ अनेकों कार्यक्रम वर्ष भर संपन्न होंगे. जिसमें गृह संपर्क अभियान, मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन के साथ-साथ प्रत्येक मंडलों में संघ के संचलन का आयोजन होना सुनिश्चित है।

जानलेवा कोल्ड्रिफ सिरप

मप्र के 14 बच्चों का नागपुर में चल रहा इलाज, 6 की हालत गंभीर!

नागपुर। लापरवाही और अनदेखी के चलते कथित जहरीले कफ सिरप ने कई बच्चों की जान ले ली। इससे पहले कितने बच्चे मरे होंगे किसी को नहीं मालूम। ज्यादा संख्या में बच्चे मरने लगे तब मामले का खुलासा हुआ। अभी भी कई बच्चे बीमार हैं, मप्र के 14 बच्चों का इलाज नागपुर में चल रहा है, उनमें 6 बच्चे ऐसे हैं जहां उनकी हालत गंभीर है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने भी जांच के आदेश दे दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग लगातार नागपुर प्रशासन के संपर्क में है ताकि बच्चों की स्थिति पर नजर रखी जा सके।

इससे पहले प्रदेश सरकार ने कोल्ड्रिफ सिरप पर बैन लगाया था, और अब कोल्डड्रिप सिरप के सामने आने से हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि किसी भी दवा से बच्चों की जान पर खतरा हुआ तो संबंधित कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से 14 बच्चे संदिग्ध कोल्ड्रिफ सिरप पीने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं। इन सभी बच्चों को नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 6 बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

बताया जा रहा है कि बच्चों में उल्टी, दौरे और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण देखने को मिले, जिसके बाद परिवारजन तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए। जांच में सामने आया कि सभी बच्चों ने एक ही कंपनी की कोल्ड्रिफ कफ सिरप का सेवन किया था। इस घटना के बाद नागपुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने पूरे शहर में अलर्ट जारी कर दिया है। सभी सरकारी और प्राइवेट डॉक्टरों को इस सिरप के इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, फार्मेसियों से सिरप के सैंपल जब्त कर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

बिहार में बीजेपी की मैराथन बैठक, कौन होगा उम्मीदवार केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला

-चुनाव समिति के सदस्यों ने दिए सुझाव, सिटिंग विधायकों को लेकर हुई चर्चा

पटना। बिहार बीजेपी ऑफिस में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने के लिए दो दिनों तक मैराथन बैठक की गई। इस बैठक में बीजेपी के सिटिंग विधायकों को लेकर चिंतन किया गया, दावेदारी किसको देनी है इसका मामला अब केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा और वही यह होगा कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी से कौन-कौन उम्मीदवार होंगे। कौन से सिटिंग विधायक को टिकट मिलेगा और किस विधायक का टिकट कटेगा, इसका फैसला भी केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा जिसमें चुनाव समिति की रिपोर्ट अहम भूमिका अदा कर सकती है।

बता दें बिहार बीजेपी ऑफिस में चुनाव समिति की बैठक करीब तीन घंटे चली। बैठक के बाद बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि बैठक में सभी सिटिंग सीट पर चर्चा हुई। चुनाव समिति के सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया और सभी का एक ही मत था कि किसी भी परिस्थिति में हमारा उम्मीदवार मजबूत हो कि हम हर सीट ज्यादा से ज्यादा मतों से जीतें। बिहार बीजेपी ऑफिस में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार चयन पर मैराथन बैठक, भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, विनोद तावड़े, बाबू लाल मरांडी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ अन्य नेता भी बैठक मीटिंग में मौजूद थे।

दिलीप जायसवाल ने बताया कि गठबंधन दलों से सीट शेयरिंग भी जल्दी हो जाएगी। बाद में और सीट अगर बीजेपी के खाते में आएगी तो उस पर चर्चा करेंगे। बीजेपी अध्यक्ष ने यह भी साफ किया कि किस विधायक का टिकट कटेगा या किसे मिलेगा इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। बैठक में जो कुछ भी चर्चा हुई उसकी पूरी जानकारी आलाकमान को दे दी जाएगी फिर आगे तय होगा कि उम्मीदवार को लेकर क्या फैसला करना है। बैठक में सबसे अहम चर्चा शाहाबाद और मगध को लेकर हुई जहां 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को करारी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन 2025 में ऐसी परिस्थितियां ना बनें इसे देखते हुए बीजेपी अपने एनडीए सहयोगियों के साथ मिलकर पूरी ताकत झोंकेगी और यहां की विधानसभा सीटों पर खास रणनीति बनाई जाएगी। जायसवाल ने कहा कि दक्षिण बिहार, शाहबाद और मगध के क्षेत्रों की कौन-कौन सी सीटें बीजेपी के खाते में आएंगी इसका विस्तृत विवरण बताया जाएगा। इस बार दक्षिण बिहार, शाहबाद और मगध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे जहां सोच-समझकर उम्मीदवार दिए जाएंगे।

बता दें शाहबाद और मगध क्षेत्र में एनडीए को पिछले विधानसभा चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में इस क्षेत्र के सियासी समीकरण को साधने के लिए बीजेपी ने एक बड़ी पहल कर उपेंद्र कुशवाहा और पवन सिंह को एक साथ लाकर बड़ा दांव खेला है और आगे भी मगध और शाहाबाद को साधने के लिए एनडीए खास रणनीति बनाने में जुटी है।

आचार संहिता लागू होने से पहले नीतीश ने दे दिया एक और चुनावी तोहफा...पटना में मेट्रो सेवा शुरु

पटना। बिहार में सोमवार को विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले राजधानी पटना में मेट्रो सेवा का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनाव के ऐलान से कुछ घंटे पहले सोमवार को पटना मेट्रो के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया। बातें दे कि चुनाव तारिखों के ऐलान होते ही आचार संहिता लागू होने से मेट्रो सेवा का शुभारंभ नहीं हो पाता। इसलिए नीतिश कुमार ने सुबह मौका पाकर पटनावसियों को ये सौगात दे दी।

बताया जा रहा हैं कि आम यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा कल यानी मंगलवार से शुरू होगी। मेट्रो ट्रेन अभी आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ स्टेशन तक चलेगी। मेट्रो रोजाना सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी। हर 20 मिनट के अंतराल पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन यह 40 से 42 फेरे लगाएगी। मेट्रो का न्यूनतम किराया 15 रुपये (एक स्टेशन तक के लिए, जैसे आईएसबीटी से जीरो माइल) और अधिकतम किराया 30 रुपये (सभी स्टेशनों तक जाने के लिए, जैसे आईएसबीटी से भूतनाथ)। वहीं मेट्रों ट्रेन का पूरी तरह परिचालन शुरू होने पर, तीन कोच में प्रति ट्रिप लगभग 900 यात्री यात्रा कर सकते है। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी। अन्य सुविधाएँ- मेट्रो कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा होगी। सुरक्षा के लिए प्रत्येक कोच में सभी दरवाजों के पास एक लाल रंग का पैनिक बटन दिया गया है। कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड पर अगले स्टेशन की जानकारी मिलती रहेगी। पटना मेट्रो की सुरक्षा बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) के जवान को तैनात किया जाएगा। पटना मेट्रो की कुल लागत 13,925.5 करोड़ रुपये है, जिसमें जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआइसीए), केंद्र सरकार और बिहार सरकार का योगदान है।

जेएसएल रियल्टी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए

मुंबई। जेएसएल रियल्टी से संबंधित कथित धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामले के बारे में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद जाँच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूय) से लेकर मुंबई अपराध शाखा को सौंप दी गई है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए.अंखड की पीठ ने एक जाँच अधिकारी को सत्ता के कथित दुरुपयोग के लिए फटकार लगाई। यह पाया गया कि जिस अधिकारी को पहले एक गलत गिरफ्तारी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, वह अभी भी इस मामले को देख रहा था।

ढ़ाई साल के मासूम की हार्ट अटैक से मौत, खेलते-खेलते बिस्तर पर लेटा तो उठा ही नहीं

जमशेदपुर। सिदगोड़ा में एक ढाई साल के मासूम की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस घटना ने सभी को अचंभित कर दिया है। मासूम रौनक वीर कुछ बच्चों के साथ खेल रहा था। खेलते खेलते बिस्तर पर जाकर लेट गया। परिजनों ने समझा सो रहा है जब देर तक नहीं उठा और शरीर ठंडा लगा तो अस्पताल लेकर भागे वहां पता चला उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई।

घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। मां निकिता ने बताया कि रोज की तरह बेटे को नाश्ता करवाने के बाद वह घर के काम में लग गईं। रौनक अपनी बहनों जसकिरत (10) और प्रभकिरत (8) के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक वह कमरे में आया और पलंग पर लेट गया। कुछ देर बाद जब मां उसे उठाने पहुंचीं, तो वह बिल्कुल शांत पड़ा था। पहले उन्होंने सोचा कि वह सो गया है, लेकिन जब शरीर ठंडा महसूस हुआ तो घबराकर उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का हृदय रुक चुका था। परिजनों को विश्वास नहीं हुआ और वे उसे टीएमएच लेकर पहुंचे, लेकिन वहां भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रौनक के पिता परविंदर सिंह एक आईटी कंपनी में मैनेजर हैं, जबकि मां निकिता कौर बेटे के निधन के बाद बेसुध हैं। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि कुछ महीने पहले ही रौनक की दादी की भी हार्ट अटैक से मृत्यु हुई थी। दादा राजेंद्र सिंह, जो बारीडीह गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान रहे हैं, ने बताया कि पोते की असमय मौत ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया है।यह पहली बार नहीं है जब इतनी कम उम्र में हृदय रुकने की घटना सामने आई हो। 30 मई 2025 को सिदगोड़ा के ही 14 वर्षीय साईं की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। 15 अक्टूबर 2019 को टेल्को शिक्षा निकेतन की एक छात्रा की भी स्कूल में हार्ट अटैक से मौत हुई थी। लगातार बढ़ रहे ऐसे मामले अब डॉक्टरों और अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में पिछले पांच वर्षों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के मामले 35 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। वहीं, एम्स दिल्ली की एक स्टडी के अनुसार, हर एक लाख बच्चों में दो से चार बच्चे अचानक हृदय रुकने की समस्या का सामना करते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि हर साल दुनिया भर में करीब 12,000 बच्चे कार्डियक अरेस्ट से दम तोड़ते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जन्मजात हृदय दोष, कावासाकी रोग, कोरोनरी धमनी की असामान्यताएं, रक्त का गाढ़ा होना और सीने में गंभीर चोट जैसी स्थितियां बच्चों में हार्ट अटैक की वजह बन सकती हैं।

मेलियोइडोसिस बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया दिशा निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि मेलियोइडोसिस एक गंभीर संक्रामक रोग हैं, जो जीवाणु से होता हैं जो मिट्टी और पानी में विशेषकर वर्षा ऋतु में पाया जाता है। डॉ.उपलप ने बताया कि मधुमेह, गुर्दे-फेफड़े के रोग इसका प्रमुख कारक है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि भारत में पर्यावरणीय परिस्थितियों एवं मधुमेह की उच्चता के कारण यह रोग अधिक संवेदनशील हैं। एम्स भोपाल में प्रचलित एक अध्ययन में यह पाया गया है कि धान का रकबा बढने एवं खेतों में संक्रमित मिट्टी तथा पानी के स्रोत अधिक होने से प्रदेश में धान के खेतों में काम करने वाले लोग मेलियोइडोसिस से संक्रमित होना पाया गया है। सीएमएचओं डॉ. उपलप ने इसके बचाव पर परामर्श देते हुए बताया कि खेतों में कार्य करते समय रबर के जूते एवं दस्ताने जरूर पहने, केवल उबला या क्लोरीनयुक्त सुरक्षित पानी पीएं, घाव ढंकें, गंदे पानी से संपर्क न करें। लगातार बुखार, फेफड़े का संक्रमण या फोड़े-फुंसी होने पर तुरंत डाक्टर से परामर्श लें। उच्च जोखिम वाले मधुमेह, गुर्दे, फेफड़े के रोगी विशेष सावधानी बरतें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने सिविल सर्जन सहित समस्त बीएमओ को निर्देशित किया गया है कि संदिग्ध और पुष्ट मामलों की सूचना तुरंत राज्य निगरानी इकाई आईडीएसपी को दी जानी चाहिए। जिला निगरानी इकाईयां चिकित्सकों और प्रयोगशाला कर्मचारियों को जागरूक करें। मानसून से पहले उसके दौरान बाद में प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाएं।

कफ सिरप कांड : जहरीली दवा से मौतों का शक, पीएम के लिए कब्र से निकाला मासूम का शव

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बच्चों की रहस्यमयी मौतों ने प्रशासन को झकझोर कर रख दिया है। संभावित जहरीले कफ सिरप कांड से जुड़ी जांच में रविवार को प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। परासिया ब्लॉक के बडकुही मोक्षधाम से दो वर्षीय मासूम बच्ची का शव कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। संदेह है कि बच्ची की मौत जहरीले कफ सिरप के सेवन से हुई थी। शव को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रासायनिक और विसरा जांच करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह तय होगा कि बच्ची की मौत जहरीले सिरप के कारण हुई या किसी अन्य वजह से। डॉक्टरों ने बताया कि अगर सिरप में डाईएथिलीन ग्लाइकोल) या अन्य विषैले तत्व मिले तो वह किडनी फेलियर और मल्टी-ऑर्गन डैमेज का कारण बन सकता है।

जानकारी के मुताबिक, परासिया क्षेत्र की यह दो साल की बच्ची बीमार थी और उसका इलाज पहले स्थानीय डॉक्टरों के पास चल रहा था। जब हालत बिगड़ी तो परिजन उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी किडनी फेल होने से मौत हो गई। शुरुआती जांच में शक जताया गया कि बच्ची को जो कफ सिरप दिया गया था, वही उसकी मौत का कारण बन सकता है। इस सिरप का संबंध कथित तौर पर उसी दवा बैच से जोड़ा जा रहा है जिसकी जांच हाल ही में राज्यभर में शुरू हुई थी। बता दें शनिवार को दो और बच्चों की मौत के बाद इस कफ सिरप से मरने वाले नौनिहालों की संख्या 11 पहुंच गई है। वहीं इस घटना के बाद राज्य सरकार एक्शन में आई है। पीड़ितों द्वारा ली गई कफ सिरप की जांच लैब में की गई, जिसमें पाया गया कि इस सिरप में एक जहरीला केमिकल है। इस जानकारी के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश में इस कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, राज्य के छिंदवाड़ा से इस दवा का सुझाव देने वाले चिकित्सक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

अंतिम संस्कार के बाद कब्र से निकाला शव

परिवार ने शनिवार को बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया था, लेकिन रविवार सुबह प्रशासन ने परिवार से संपर्क किया। एसपी अजय पांडे, तहसीलदार, एसडीओपी, सीएमएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया के तहत शव को कब्र से निकालने की अनुमति ली। परिजनों ने जांच में सहयोग देने की बात कही। पूरे अभियान के दौरान पुलिस बल, राजस्व अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

सोनम वांगचुक गिरफ्तारी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता और समाजसेवी सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने पति की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हुई नजरबंदी को अवैध बताया है और वांगचुक की तुरंत रिहाई की मांग की है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया वाली डबल बेंच ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद सरकार से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि इस मामले में उन्होंने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। इस पर सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा, कौन सा हाईकोर्ट? लद्दाख में अभी तक कोई स्वतंत्र हाईकोर्ट नहीं है। उन्होंने अदालत को बताया कि वांगचुक की गिरफ्तारी राजनीतिक कारणों से की गई है और इससे उनके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

गीतांजलि अंगमो की याचिका में कहा गया है कि एनएसए की धारा 3(2) के तहत की गई यह निवारक हिरासत कानूनी रूप से अवैध है और इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा नहीं बल्कि राजनीतिक तौर पर एक शांतिपूर्ण पर्यावरणविद् को चुप कराना है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 543 पर लहूलुहान मौतों का दौर!!

सड़कों पर हो रही इन मौतों के लिए जिम्मेदार वजह आखिर क्या हैं?

आज खास

पदमेश न्यूज डेस्क। बालाघाट। जब से बालाघाट-गोंदिया के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 543 का निर्माण हुआ है, दुर्घटनाएं बेतहाशा बढ़ गयीं हैं.आये दिन लहूलुहान सड़कें चीख चीख कर इन मौतों की गवाही देतीं दिख रही हैं। अक्सर दुपहिया वाहन चालकों में सड़क पर चलने की समझ की कमी से ये दुर्घटनायें घटित हो रहीं हैं।

नवरात्रि के बाद जब आज अखबार के लिए संपादकीय के मुद्दों की भरमार है, लेकिन हम एक कम दिलचस्प लगने वाले मुद्दे पर लिखना चाहते है जिससे कि किसी भी प्रदेश में लोगों की जिंदगियां बच सकती है। पिछले दिनों में बालाघाट जिले भर की सड़कों में जितने किस्म के सड़क हादसे देखने मिले हैं, उनसे दिल दहल जाता है। सड़क पर मरने वाले हर कोई कुसूरवार रहे हों यह जरूरी नहीं है, दो गाडियों के दुर्घटना में किसी एक गाड़ी की गलती भी हो सकती है, और दूसरी गाड़ी चलाने, या उस पर चलने वाले लोग बेकसूर हो सकते हैं। खासकर जब सड़कों की हालत लगातार सुधरती चली गई है, वाहन अंधाधुंध तेज रफ्तार हो गई है, लोग सत्ता या ताकत के अहकार में गाड़ी के इंजन के हॉर्सपावर की ताकत अपनी बददिमागी में जोड़कर गाड़ियां चलाने लगे है, तो सड़कें सुरक्षित नहीं रह गई है।

जिस अंदाज में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लोग सड़कों पर लापरवाह हैं , या बदमिजाजी से सड़कों को रौंदते हुए गाड़ियां दौड़ाते है, उनमें कोई भी सुरक्षित नहीं है। लोग सत्ता और ताकत से परे भी नशे में डूबे हुए गाड़ियां चला रहे है, और उनकी अंधाधुंध रफ्तार पर लगाम लगाने को मानो कोई नहीं है। बालाघाट जिले में ही रोज सैकड़ों लोग नशा करके गाड़ी चलाते होंगे, और उनमें से कुछ दर्जन के चालान होते है। जिनके पास चालान पटाने को अंधाधुंध पैसा है, या चालान फाड़कर फेंक देने की ताकत है, उन्हें कौन सुधार सकते है? नतीजा यह होता है कि सड़कों पर जो मामूली लोग नियम-कायदे से चलते हैं, उनकी भी जिंदगी पूरी की पूरी खतरे में रहती है। इस खतरे के अनुपात में सरकार का उसे रोकने का कोई इंतजाम नहीं है।

जिस प्रदेश में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और डीजीपी बैठके लेकर बार-बार सड़क सुरक्षा की बात कहते हैं, उसके बाद भी उस पर अमल न होने की भला क्या वजह हो सकती है? अब तो जिस विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बनी है, उस सरकार के जाने के बाद लोकसभा और पंचायत-म्युनिसिपल चुनाव भी हो चुके है, और अब तो अगले करीब साढ़े तीन बरस वोटरों से दहशत खाने की कोई वजह भी सरकार के पास नहीं रह गई है। सरकार खुद केन्द्र सरकार के बनाए हुए सड़क सुरक्षा नियमों पर अमल नहीं कर रही, सुप्रीम कोर्ट के कड़े फैसैले और हाईकोर्ट की बार-वार की चेतावनी को भी अनदेखा कर रही है, और बिना किसी वजह से लोगों में अराजकता बढ़ने दे रही है। यह हाल हर सरकार का रहा, किसी सरकार ने अपने अफसरों को ट्रैफिक सुधारने का मौका ही नहीं दिया। नतीजा यह है कि गाड़ियां चलाने वालों की एक पूरी पीढ़ी ऐसी आ गई है जिसने अपने बड़े लोगों को सड़कों पर अराजकता से चलते देखा हुआ है, और वही सीखा हुआ है। इस तरह नए दौर में सड़कों पर चलने की समझ विकसित करना पूर्वज भूल गए.

सड़कों पर अराजकता बढ़ने देने का कोई हक किसी सरकार को नहीं हो सकता क्योंकि इससे नियम-कायदा मानकर चलने वाले निर्दोष आम नागरिकों के हक मारे जाते हैं , और उनकी जिंदगी भी हमेशा खतरे में पड़ती है। सड़कों पर ट्रैफिक को सुरक्षित कैसे बनाया जाए, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने बहुत लंबे-चौड़े निर्देश दिए हुए हैं, जिन्हें मानना हर राज्य के लिए जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को यह जिम्मेदारी भी दी है कि वे अदालती फैसले पर अमल करवाए। लेकिन बार-बार की नोटिस के बाद भी सरकार जिस बेफिक्री के साथ सडक-नियम तोड़ने वालों के साथ दिखती है, वह हक्का-बक्का करता है। सिर्फ दिखावे के लिए, प्रतीकात्मक, और हांडी के चावल के एक दाने को निकालकर बाकी चावल पके होने का सुबूत पेश करने की तरह दस-बीस हजार लोगों में से किसी एक का चालान कार्रवाई के सुबूत की तरह पेश किया जाता है। यह आज की अराजक नौबत में जरूरी हो चुके इंजेक्शन लगाने की जगह उसकी दवाई की पूरे शहर की पानी सप्लाई में डाल देने

प्रशासन के पास आज जब बहुत अच्छी रिकॉर्डिंग करने वाले कैमरों का इस्तेमाल हो रहा है, गाड़ियों की रफ्तार पकड़ने और उनके चालान बनाने के उपकरण मौजूद है, तब सरकार की ढीली-ढाली नीयत जनता की जिंदगी खत्म कर रही है। यह भी याद रखने की जरूरत है कि जब अराजकता आसमान तक पहुंच जाती है, तो उसे धरती पर लाना बहुत आसान भी नहीं रहता। नशे में धुत्त जो लोग दुर्घटना करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई, उनकी गाड़ियां जब्त करने, ड्राइविंग लाइसेंस खत्म करने के बजाय मामूली चालान और जुर्माने से काम कैसे चल जाता है, यह भी लोगों को समझ आता है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को चाहिए कि राज्य में सड़कों पर रोज हो रही मौतों को रोकने के लिए नियम तोड़ने वाले सौ फीसदी लोगों पर सबसे कड़ी कार्रवाई करने का हुक्म दे। बालाघाट जिला सहित प्रदेश की आम जनता का इतना तो हक है ही।

एआईजी रश्मि धुर्वे डाबर बालाघाट पदस्थ

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

रश्मि धुर्वे डाबर सहायक पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन का इंदौर किया गया तबादला निरस्त कर पदस्थापना यथावत रखी गई है।

पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक आशीष खरे अब छिंदवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होंगे। सरकार ने सोमवार को छह आईपीएस और राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले कर दिए।

इसमें अनु बेनिवाल एसडीओपी मनावर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर, सर्वप्रिय सिन्हा एसडीओपी बैरसिया को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली, आदित्य पटले सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर इंदौर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छतरपुर, मंजीत सिंह चावला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा जोन इंदौर को सहायक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय इंदौर ग्रामीण जोन पदस्थ किया है।

गोंदिया-सिवनी राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गोंदिया-सिवनी राष्ट्रीय राज्यमार्ग मे बढ़ते सड़क हादसों में दिन प्रतिदिन और इजाफा होते जा रहा है। 5 अक्टूबर की शाम किरनापुर थाना अंतर्गत नेवरगांव के पास फिर सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई,जब इस युवक की मोटरसाइकिल को पिकअप ने चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार युवक शैलेश पिता ओमकार डोरस 35 वर्ष पवारी टोला बोट्टे हजारी थाना लालबर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोट्टे हजारी के पवारी टोला निवासी शैलेश डोरस अपने परिवार के साथ खेती केअलावा मजदूरी करता है। बताया गया कि 5 अक्टूबर को दोपहर में शैलेश डोरस किसी काम से रजेगांव तरफ आया हुआ था। शाम 7:00 बजे करीब शैलेश डोरस मोटरसाइकिल में रजेगांव तरफ से बालाघाट आ रहा था। ग्राम नेवरगांव समीप गोंदिया सिवनी राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित पुल में मोटरसाइकिल सवार शैलेश डोरस रांग साइड से आ रहा था। इसी दौरान बालाघाट से रजेगांव की ओर तेज रफ्तार से जा रही पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले ली। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार शैलेश डोरस गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद शैलेश डोरस करीब आधे घंटे तक सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा रहा। इस दौरान मौके पर भीड़ लग चुकी थी। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शैलेश डोरस को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया। खबर मिलने पर शैलेश डोरस के परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे इसके बाद गंभीर रूप से घायल शैलेश डोरस को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

कुएं में गिरने से एक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लिंगा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति सहसराम पिता श्यामलाल बाघमारे रे 58 वर्ष की लाश इस ग्राम के स्कूल चौक समीप कुए से बरामद की गई। इस व्यक्ति की शराब के नशे में कुएं में गिरने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसराम अपने

परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। तीनों बेटे अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग-अलग रहते हैं। सहसराम अपनी पत्नी के साथ में ही रहता था।जिसकी अपने गांव के स्कूल चौक में टपरे में छोटी सी किराना दुकान है। बताया गया है कि सहसराम शराब पीने का आदी था। 5 अक्टूबर की शाम से सहसराम घर गांव में दिखाई नहीं दे रहा था। परिजनों द्वारा उसकी तलाश की गई किंतु वह नहीं मिला। 6 अक्टूबर को सुबह स्कूल चौक समीप कुएं में सहसराम का शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर ग्रामीण थाना से उप निरीक्षक जगदीश सैयाम अपने स्टाफ के साथ ग्राम लिंगा पहुंचे और सहसराम का शव कुएं से बाहर निकलवाए । पंचनामा कार्यवाही पश्चात सहसराम का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई की सहसराम शराब के नशे में कुएं में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीण पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

नेशनल हाईवे पांडुतला टोल प्लाजा डकैती कांड

एक नाबालिग सहित चार आरोपी गिरफ्तार

पांच आरोपी पूर्व में हो चुके हैं गिरफ्तार,एक आरोपी पुलिस की हिरासत में

पदमेश न्यूज। बालाघाट। गढ़ी थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पांडूतला डकैती कांड में फरार और एक नाबालिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीन आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल और एक नाबालिक संप्रेक्षण गृह सिवनी भिजवा दिया गया। एक आरोपी संतोष धुर्वे ग्राम धनगांव थाना बिछिया जिला मंडला निवासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले के पांच आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके हैं जो न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल में है। ज्ञात हो कीजिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले नेशनल हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा पांडुतला में करीब एक दर्जन शरारती तत्वो ने हमला कर तोड़फोड़ मचाते हुए इस टोल प्लाजा के दो कर्मचारियों को डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए थे वहीं टोल प्लाजा के काउंटर में रखें 1 लाख 13 हजार रुपये भी लूट लिए थे। 19 एवं 20 सितंबर की दरमियानी रात इस वारदात दो ट्रैकों से ओवरलोड चार्ज लेने के विवाद को लेकर अंजाम दिया गया था। । गढ़ी पुलिस ने टोल प्लाजा के मैनेजर वरुण प्रताप सिंह द्वारा की गई रिपोर्ट पर 5 नामजद सहित एक दर्जन तत्वों के विरुद्ध तोड़फोड़ मारपीट और लूटपाट का अपराध दर्ज कर जांच शुरू थी। टोल प्लाजा में हुई इस वारदात को वहा लगे सीसीटीवी ने कैद किया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों और उनकी टीम के द्वारा की जारी जांच पड़ताल के दौरान पिछले सप्ताह ही पांच आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनसे लूटी गए रकम भी जप्त की गई थी। ये पांच आरोपी इन दिनों न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल में है। अन्य आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। हाल ही में सूचना मिली कि आरोपी संजीत कोकड़िया, किशोर कुशराम और निखिल मरावी और एक नाबालिक ग्राम सारसडोली थाना बिछिया जिला मंडला निवासी, मंडला में घूम रहे हैं मुखबिर द्वारा दी गई सूचना के आधार पर चारो को मंडला शहर में ही गिरफ्तार किये। अक्टूबर को तीन आरोपी संजीत कोकड़िया किशोर कुशराम और निखिल मरावी को बैहर की अदालत में पेश किये। जहां से तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। और नाबालिक को संप्रेक्षण गृह सिवनी भिजवा दिया गया है। गाड़ी पुलिस ने एक अन्य आरोपी संतोष धुर्वे धनगांव बिछिया जिला मंडला निवासी को भी हिरासत ले लिया गया है जिससे पूछताछ की जा रही है।

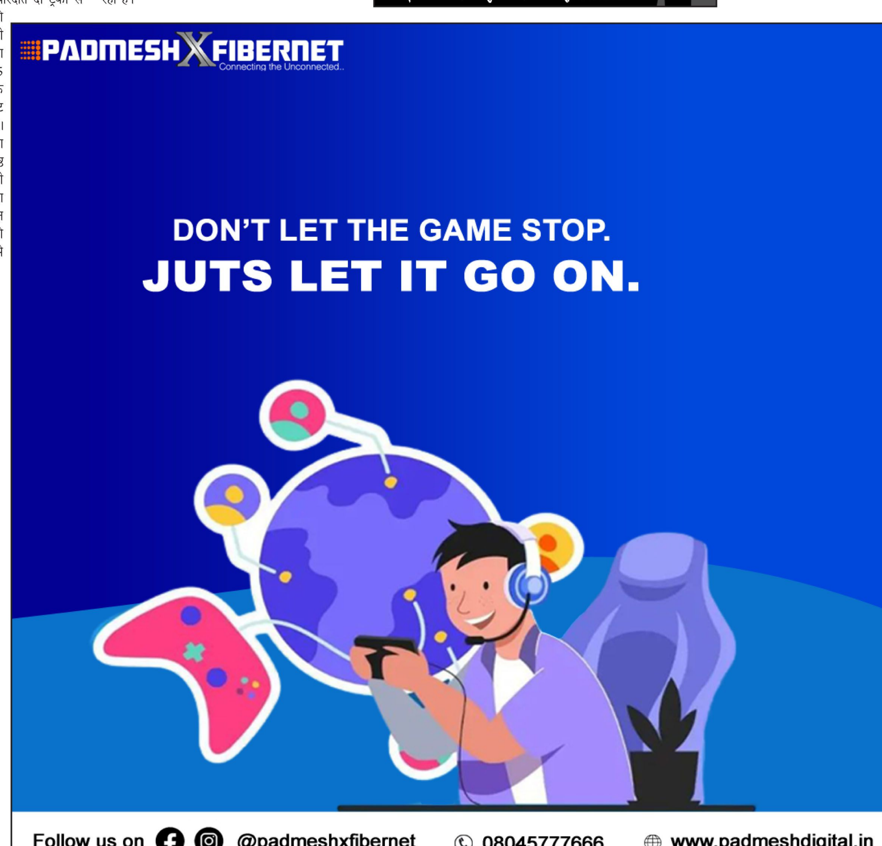

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१०, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शाडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट